जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

चूरू, शनिवार 14 फरवरी, 2026

आज सस्ता खाना

कल महंगा पड़ सकता है

क्योंकि सेहत से कीमती और कुछ नहीं

WHATSAPP VOICE NOTE

सिर्फ अपना ऑर्डर व्हाट्सएप पर रिकॉर्ड करें और
90704 90704 पर भेज दीजिए

अशुद्ध के विरुद्ध आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™ Pavitra

FIXED PRICE

- शरबती सुपीरियर आटा
- देशी चक्की आटा
- सूजी
- दलिया
- बेसन
- शरबती गेहूँ
- देशी गेहूँ
- प्लैटिनम शरबती चावल
- एलीट बासमती चावल
- पोहा
- लाकाडोंग हल्दी पाउडर
- मिर्च पाउडर
- धनिया पाउडर
- जीरा
- सौंफ
- लौंग
- इलायची
- काली मिर्च
- दालचीनी
- चना दाल
- मूंग दाल (छिलका)
- मूंग दाल
- अरहर/तूर दाल
- उड़द दाल (छिलका)
- उड़द दाल
- मसूर मलका
- मसूर दाल
- काला चना
- काबुली चना
- हरा चना
- हरा मटर
- मोठ
- हरा मूंग
- राजमा चित्रा
- राजमा लाल
- राजमा कश्मीरी
- कैलिफोर्निया बादाम
- काजू
- पिस्ता
- किशमिश
- अखरोट
- मामरा बादाम
- गुड़
- गुड़ पाउडर

COMING SOON

- कच्ची घानी सरसों का तेल
- ट्रिपल फ़िल्टर्ड मूंगफली तेल
- फ्लेवर्ड मखाना
- रोस्टेड चना
- खजूर
- अंजीर
- मूंगफली
- अजवाइन
- राई
- मेथी दाना
- कसूरी मेथी
- हींग
- अमचूर पाउडर
- ब्लेंडेड मसाले
- सेंधा नमक
- मिश्री धागा
- मिश्री पाउडर
- सोया चंक्स
- चाय और भी बहुत कुछ

रिटेलर हो या कस्टमर:
कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ
1800 120 2727

ORDER ON WEBSITE

ORDER ON WHATSAPP

ORDER ON APP

AVAILABLE AT

32000+ RETAILERS | SUPERMARKETS | QUICKCOM/ECOM

WEBSITE | WHATSAPP | APP | TOLL FREE

T&C Apply.

विचार बिन्दु

अपने नाम को कमल की तरह निष्कलंक बनाओ। –लांग फैलो

राजस्थान सरकार की विकसित राजस्थान 2047: समृद्धि की ओर सही राह

राजस्थान, भारत का सबसे बड़ा राज्य क्षेत्रफल की दृष्टि से, अपनी विशाल रेगिस्तानी भूमि, ऐतिहासिक वैभव और जीवंत सांस्कृतिक धरोहर के लिए विश्व पटल पर जाना जाता है। यहां की रेत के टीले, किले, महल और लोक नृत्य-गीत न केवल पर्यटकों को आकर्षित करते हैं, बल्कि एक समृद्ध सभ्यता की गाथा कहते हैं। लेकिन आज भविष्य की चुनौतियों के बीच राज्य को एक विकसित, समृद्ध और आत्मनिर्भर इकाई बनाने की अनिवार्यता है। जलवायु परिवर्तन, जल संकट, बेरोजगारी और आर्थिक असमानता जैसी बाधाओं को पार करते हुए राजस्थान को नया स्वरूप देना होगा। राज्य सरकार द्वारा तैयार विकसित राजस्थान @2047 विजन डॉक्यूमेंट इसी दिशा में एक स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करता है। यह दस्तावेज कृषि, उद्योग, पर्यटन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित है, साथ ही सामाजिक न्याय, पर्यावरण संरक्षण और मानव संसाधन विकास को प्राथमिकता देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के महान सपने को साकार करने में राजस्थान अग्रणी भूमिका निभा सकता है, क्योंकि यहां की युवा ऊर्जा, सांस्कृतिक धरोहर और प्राकृतिक संसाधन इसकी पूंजी हैं।

राजस्थान की अर्थव्यवस्था को 2047 तक 4.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य महत्वाकांक्षी तो है, लेकिन सही नीतियों और दृढ़ संकल्प से प्राप्त करने योग्य भी। वर्तमान में राज्य की जीएसडीपी लगभग 15 लाख करोड़ रुपये है, जो सही दिशा में प्रयासों से कई गुना बढ़ सकती है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में तैयार इस विजन में 2030, 2035 और 2040 के मध्यावधि लक्ष्य निर्धारित हैं। चार प्रमुख थीम्स-जनकल्याण व सामाजिक सशक्तीकरण, त्वरित विकास व रोजगार सृजन, भविष्योन्मुख राजस्थान और नीति, वित्त व शासन-इसकी आधारशिला हैं। जर्मनी जैसे विकसित देशों के मानकों पर आधारित यह योजना विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी को 20 प्रतिशत तक ले जाने और जीवन प्रत्याशा को 77 वर्ष करने का संकल्प लेती है। उदाहरणस्वरूप, यदि हम वर्तमान विकास दर को 8-10 प्रतिशत तक बनाए रखें, तो यह लक्ष्य साकार हो सकता है। लेकिन इसके लिए निजी क्षेत्र, प्रवासी राजस्थानियों और केंद्र सरकार के सहयोग की आवश्यकता है। राइजिंग राजस्थान समिट जैसे आयोजनों से निवेश आकर्षित कर इस दिशा में गति लाई जा सकती है।

कृषि राजस्थान की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनी हुई है, जहां लगभग 60 प्रतिशत आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से निर्भर है। लेकिन जल की कमी, मरुस्थलीकरण और अपर्याप्त सिंचाई सुविधाएं प्रमुख चुनौतियां हैं। सही राह जल संरक्षण से शुरू होती है। ड्रिप इरिगेशन, वर्षा जल संचयन और नहरों का आधुनिकीकरण जैसे कदम उठाकर हम उत्पादकता दोगुनी कर सकते हैं। मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान को पूरे राज्य में विस्तार देकर हर गांव को जल स्वावलंबी बनाना होगा। जैविक खेती को बढ़ावा देकर निर्यात योग्य फसलें जैसे बाजरा, ज्वार, मसाले और प्याज उगाई जा सकती हैं। किसानों को तकनीकी सहायता, बीमा कवरेज और न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाएं। ड्रोन तकनीक से फसल निगरानी और सटीक खाद्य प्रबंधन संभव है। इससे न केवल उत्पादकता बढ़ेगी, बल्कि ग्रामीण रोजगार भी सृजित होगा। भविष्य में एग्री-टूरिज्म को जोड़कर कृषि को पर्यटन से जोड़ा जा सकता है, जहां पर्यटक जैविक फार्म्स पर रहकर पारंपरिक खेती का अनुभव प्राप्त करें। उदाहरण के तौर पर, नागौर का मेला जैसी सांस्कृतिक घटनाओं को कृषि प्रदर्शनियों से जोड़ें, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो।

उद्योग क्षेत्र में राजस्थान की अपार संभावनाएं हैं, जो अभी तक पूर्ण रूप से उपयोग नहीं हुई हैं। दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (DMIC) के तहत जयपुर, अलवर, भीलवाड़ा और नीमराना जैसे क्षेत्र प्रमुख हब बन सकते हैं। टेक्सटाइल, सीमेंट, जेम्स एंड ज्वेलरी, ऑटोमोबाइल और रिन्यूएबल एनर्जी में निवेश आकर्षित करने की क्षमता यहां है। राजस्थान निवेश प्रोत्साहन नीति 2024 को और उदार बनाकर एकल खिड़की प्रणाली को पूरी तरह लागू करें, ताकि निवेशक बिना झंझट के काम शुरू कर सकें। स्टार्टअप इंडिया से जुड़कर युवाओं को उद्यमी बनाने के लिए इंक्यूबेटर सेंटर स्थापित करें। कोटा को शिक्षा हब के साथ-साथ आईटी हब और जोधपुर को एयरोस्पेस तथा आईटी केंद्र के रूप में विकसित करें, जहां सॉफ्टवेयर पार्क, डेटा सेंटर और इनोवेशन लैब हों। विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) बनाकर विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI) को प्रोत्साहित करें। इससे लाखों रोजगार सृजित होंगे और प्रवासी राजस्थानी उद्योगपति जैसे-लक्ष्मी मित्तल, कुमार मंगलम बिड़ला और अजीम प्रेमजी जैसे नामों को वापस लौटने का अवसर मिलेगा। हाल की निवेश समिट में 5 लाख करोड़ के प्रस्ताव इसी दिशा के संकेत हैं।

पर्यटन राजस्थान की सबसे बड़ी पूंजी है, जो राज्य की पहचान है। जयपुर का हवा महल, उदयपुर की झीलें, जोधपुर का मेहरानगढ़ किला और जैसलमेर की सुनहरी रेत विश्व प्रसिद्ध हैं। लेकिन सही राह इको-टूरिज्म, कल्चरल टूरिज्म और सस्टेनेबल टूरिज्म में निहित है। हेरिटेज वॉक, डेजर्ट सफारी, विलेज टूर और फोक आर्ट वर्कशॉप को डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसे ऐप और वर्चुअल रियलिटी से जोड़ें।

पर्यटन राजस्थान की सबसे बड़ी पूंजी है, जो राज्य की पहचान है। जयपुर का हवा महल, उदयपुर की झीलें, जोधपुर का मेहरानगढ़ किला और जैसलमेर की सुनहरी रेत विश्व प्रसिद्ध हैं। लेकिन सही राह इको-टूरिज्म, कल्चरल टूरिज्म और सस्टेनेबल टूरिज्म में निहित है। हेरिटेज वॉक, डेजर्ट सफारी, विलेज टूर और फोक आर्ट वर्कशॉप को डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसे ऐप और वर्चुअल रियलिटी से जोड़ें। रामदेवरा, सालासर, देशनोक और बीकानेर के धार्मिक स्थलों को आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदान करें। सर्किट टूरिज्म विकसित करें, जहां रणथंभौर टाइगर रिजर्व, सरिस्का और केवलादेव नेशनल पार्क को सस्टेनेबल टूरिज्म हब बनाएं। उड़ान योजना के तहत एयरपोर्ट्स का विस्तार करें, ताकि जयपुर, उदयपुर और जोधपुर अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के केंद्र बनें। इससे पर्यटन से सालाना 2 लाख करोड़ रुपये की आय संभव है। साथ ही, स्थानीय कारीगरों को जोड़कर हस्तशिल्प, ब्लू पॉटरी और मोतीकारी जैसे उत्पादों का निर्यात बढ़ाएं। कोविड के बाद पर्यटन में आई तेजी को बनाए रखने के लिए हेल्थ टूरिज्म और वेलनेस रिट्रीट भी विकसित करें।

नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में राजस्थान पहले से ही अग्रणी है। फालका और भादला सोलर पार्क विश्व के सबसे बड़े सोलर पार्कों में शुमार हैं, जो 2000 मेगावाट से अधिक ऊर्जा उत्पन्न करते हैं। 2047 तक 1 लाख मेगावाट सोलर और विंड एनर्जी का लक्ष्य निर्धारित करें। ग्रीन हाइड्रोजन प्रोजेक्ट्स शुरू करके यूरोप और अमेरिका को निर्यात कर मुद्रा अर्जित करें। थार रेगिस्तान की सूर्यप्रकाश और हवा की अपार क्षमता का उपयोग कर राज्य को सनसाइन स्टेट से ग्रीन स्टेट में परिवर्तित करें। कार्बन न्यूट्रल गांव बनाकर जलवायु परिवर्तन से लड़ाई लड़ें। रिन्यूएबल एनर्जी से न केवल ऊर्जा सुरक्षा मिलेगी, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार भी सृजित होंगे।

शिक्षा और स्वास्थ्य में निवेश भविष्य की कुंजी है। प्रत्येक स्कूल को स्मार्ट क्लासरूम से लैस करके 100 प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करें। लड़कियों की शिक्षा के लिए स्कॉलरशिप, हॉस्टल और साइकिल वितरण योजनाएं चलाएं। आईआईटी जोधपुर, आईआईएम उदयपुर, एनआईटी जयपुर जैसे संस्थानों को मजबूत करें तथा नए आईआईटी और मेडिकल कॉलेज स्थापित करें। स्वास्थ्य क्षेत्र में आयुष्मान भारत योजना को विस्तार दें, ताकि जीवन प्रत्याशा 77 वर्ष पहुंचे। टेलीमेडिसिन और मोबाइल हेल्थ वैन से दूरदराज के आदिवासी क्षेत्रों को कवर करें। महिलाओं की 60 प्रतिशत कार्यबल भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु कौशल विकास केंद्र खोलें, जहां डिजिटल लिटरेसी, नर्सिंग और आईटी कोर्स चलें।

स्मार्ट शहरीकरण राज्य के विकास का आधार बनेगा। जयपुर को स्मार्ट सिटी के रूप में पूर्ण विकसित करें, जहां मेट्रो विस्तार, इलेक्ट्रिक बसें, वेस्ट टू एनर्जी प्लांट और स्मार्ट ट्रैफिक सिस्टम हों। नई राजधानी के रूप में फलोदी या डूंगरपुर जैसे केंद्रीय स्थानों पर विचार करें, ताकि विकास संतुलित हो। ग्रामीण क्षेत्रों में 5जी नेटवर्क बिछाकर डिजिटल इंडिया को मजबूत करें। डिजिटल गवर्नेंस से भ्रष्टाचार रोके तथा ई-ग्राम पंचायत से पारदर्शिता लाएं। पीएम गति शक्ति योजना से हाईवे, रेल और एक्सप्रेसवे का जाल बिछाएं।

युवाओं को विकास का केंद्र बनाएं। स्किल इंडिया के तहत 1 करोड़ युवाओं को प्रशिक्षित करें। स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी स्थापित कर ओलंपिक स्तर के खिलाड़ी तैयार करें। स्टार्टअप फंडिंग और मेंटरशिप से उद्यमिता को बढ़ावा दें। पर्यावरण संरक्षण के बिना विकास अधूरा है। अरावली पहाड़ियों को बचाएं, थार को ग्रीन जोन बनाएं तथा वन कवर को 20 प्रतिशत तक ले जाएं। वन्यजीव संरक्षण से बाघ, शेर और ब्लैकबक की संख्या बढ़ाएं। जलवायु अनुकूल फसलें उगाकर मरुस्थलीकरण रोके।

सामाजिक सशक्तीकरण से सबका विकास सुनिश्चित करें। एससी/एसटी/ओबीसी को आरक्षण के साथ-साथ कौशल प्रशिक्षण दें। महिलाओं के लिए स्वरोजगार योजनाएं जैसे बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ को मजबूत करें। गरीबी उन्मूलन हेतु डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर को पारदर्शी बनाएं। बजट 2025-26 में विकास पर फोकस रखें तथा वित्तीय अनुशासन बनाए रखें।

भविष्य का राजस्थान समृद्ध, हरा-भरा और समावेशी होगा। सही राह पर चलकर 2047 तक हम विश्व गुरु भारत का अभिन्न अंग बनेंगे। युवा ऊर्जा, सांस्कृतिक धरोहर और प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर एकजुट होकर इस सपने को साकार करें। यह न केवल आर्थिक उन्नति लाएगा, बल्कि राजस्थान को नई पहचान देगा रेगिस्तान से उभरता नया राजस्थान, जो विश्व को प्रेरित करेगा।

–अतिथि संपादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार

जब सुरक्षा कवच ही बन जाए हथियार-तब जवाबदेह कौन?

सुनील दत्त गोयल

किसी भी सभ्य समाज में सुरक्षा का मतलब यह नहीं होता कि इंसान जवाबदेही से ऊपर हो जाए। सुरक्षा इसलिए दी जाती है ताकि व्यक्ति अपना कर्तव्य सही ढंग से निभा सके, न कि इसलिए कि वह कुछ भी करे और उस पर सवाल न उठे। लेकिन हकीकत यह है कि जैसे ही किसी को कोई विशेष आवरण मिल जाता है – चाहे वह ताकतवर गाड़ी हो, वर्दी हो, पद हो या कानून – कई बार उसके भीतर यह सोच घर कर जाती है कि अब उसे कोई रोक नहीं सकता। यहीं से दुरुपयोग की शुरुआत होती है। यह समस्या अचानक पैदा नहीं हुई है। यह धीरे-धीरे बनी है और आज खुलकर हमारे सामने खड़ी है।

आज सड़कों पर चल रही थार, स्कॉर्पियो, बोलेरो और इसी तरह की भारी गाड़ियाँ अब केवल वाहन नहीं रहीं। कई मामलों में वे ताकत दिखाने और दबदबा बनाने का जरिया बन चुकी हैं। इन गाड़ियों को खराब रास्तों, ग्रामीण इलाकों और कठिन परिस्थितियों के लिए डिज़ाइन किया गया था, न कि ट्रैफिक नियम तोड़ने या आम लोगों को डराने के लिए। लेकिन व्यवहार में तस्वीर उलटी दिखती है। इन गाड़ियों को चलाने के बाद कई लोगों को यह लगने लगता है कि वे बाकी लोगों से ज्यादा सुरक्षित हैं। नतीजा यह होता है कि ट्रैफिक नियमों की अनदेखी, तेज रफ्तार, गलत ओवरटेक और सड़क पर आक्रामक व्यवहार आम हो जाता है। सोच यह बन जाती है कि मेरी गाड़ी मजबूत है, मुझे कुछ नहीं होगा; सामने वाले को नुकसान होगा तो बाद में देखा जाएगा। यही सोच सड़क हादसों की असली वजह है। यह केवल ड्राइविंग स्किल की कमी नहीं, बल्कि सुरक्षा के घमंड से पैदा हुई लापरवाही है। जब कोई इंसान खुद को अजेय समझने लगता है, तो वह दूसरों की जान, मान और सम्मान की कीमत भूल जाता है।

वर्दी और 'ऊपर होने' का एहसास

यही मानसिकता जब वर्दी के साथ जुड़ जाती है, तो मामला और भी गंभीर हो जाता है। डॉक्टर, पुलिस, नर्स, वकील, सुरक्षा गार्ड जैसे पेशों को समाज इसलिए सम्मान देता है ताकि वे बिना डर और दबाव के अपनी जिम्मेदारी निभा सकें। लेकिन कई जगह वर्दी सेवा का प्रतीक नहीं, बल्कि दबाव और रौब का माध्यम बनती जा रही है। थानों में आम आदमी डर के साथ खड़ा होता है, अस्पतालों में मरीज खुद को मजबूर महसूस करता है और सरकारी दफ्तरों में नागरिक को यह अहसास दिलाया जाता है कि वह किसी एहसान के भरोसे खड़ा है। वर्दी का मकसद भरोसा पैदा करना है, डर नहीं। जब वर्दी इंसान को संवेदनशील बनाने के बजाय उसे ऊपर होने का एहसास देने लगे, तो वही वर्दी लोकतंत्र के लिए खतरा बन जाती है।

इसी सोच का सबसे गंभीर और संवेदनशील रूप एस सी/एस टी अत्याचार निवारण कानून के संदर्भ में सामने आता है। यह कानून दलित और आदिवासी समाज को भेदभाव और अत्याचार से बचाने के लिए बनाया गया था। लेकिन आज यह सवाल उठ रहा है कि क्या इसका इस्तेमाल उसी भावना से हो रहा है, जिसके लिए इसे बनाया गया था। समय के साथ यह सच्चाई सामने आई है कि कुछ मामलों में इस कानून का इस्तेमाल न्याय के लिए नहीं, बल्कि व्यक्तिगत बदले, दबाव और डर पैदा करने के लिए किया जा रहा है। कई लोग पूरी जिंदगी यह कहते हुए आगे बढ़ते हैं कि वे पिछड़े वर्ग से हैं और इसी आधार पर उन्हें सरकारी नौकरी, प्रमोशन और अन्य सुविधाएँ मिलती हैं। लेकिन रिटायरमेंट बाद या किसी निजी विवाद में वही कानून एक हथियार बन जाता है। किसी बहस में कही गई बात, किसी झगड़े में फिसली हुई जुबान या किसी मतभेद में शब्दों की गलत व्याख्या – और सीधा मामला दर्ज हो जाता है। इसके बाद कानूनी प्रक्रिया शुरू होती है, जिसमें कई बार निर्दोष व्यक्ति वर्षों तक उलझा रहता है।

इस दुरुपयोग का असली नुकसान

इस तरह के मामलों का सबसे बड़ा नुकसान उन लोगों को होता है जो वास्तव में अत्याचार के शिकार हैं। जब कानून का गलत इस्तेमाल बढ़ता है, तो समाज धीरे-धीरे हर मामले को शक की नजर से देखने लगता है। इससे असली पीड़ित की बात भी कमजोर पड़ने लगती है।इस स्थिति के तीन बड़े परिणाम सामने आते हैं।पहला, निर्दोष लोग बेवजह कानूनी झंझट में फंसते हैं। दूसरा, वास्तविक पीड़ितों को न्याय मिलने में देरी होती है।

तीसरा, कानून की साख और उस पर भरोसा कमजोर पड़ता है।जब कानून पर से भरोसा उठता है, तो पूरी न्याय व्यवस्था प्रभावित होती है।सुरक्षा कवच का मतलब ताकत नहीं, जिम्मेदारी होता है। इतिहास गवाह है कि जब सुरक्षा जवाबदेही से अलग हो जाती है, तब वह न्याय नहीं, बल्कि अन्याय का सबसे खतरनाक हथियार बन जाती है। एक मजबूत देश वही होता है जहाँ अधिकार और जिम्मेदारी साथ-साथ चलते हैं, और जहाँ कोई भी आवरण इंसान को कानून से ऊपर नहीं बनाता।

यह चिंता केवल समाज तक सीमित नहीं है। सुप्रीम कोर्ट कई बार एस सी/एस टी कानून के दुरुपयोग पर संतुलन बनाने की बात कह चुका है। अदालतों ने स्पष्ट किया है कि कानून का उद्देश्य सुरक्षा देना है, न कि किसी को बेवजह फंसाना।

इसी क्रम में एक पूर्व मुख्य न्यायाधीश की यह टिप्पणी सामने आई थी कि मेरे बच्चे पिछड़े नहीं हैं, फिर भी वे आरक्षण के लिए पात्र हैं। यह बयान किसी व्यक्ति पर नहीं, बल्कि व्यवस्था की जटिलताओं और विरोधाभासों पर सीधा सवाल है।

हाल ही में मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई ने भी स्पष्ट कहा कि अनुसूचित जातियों को मिलने वाले आरक्षण में क्रीमी लेयर को बाहर किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जैसे ओबीसी वर्ग में क्रीमी लेयर की व्यवस्था लागू है, वैसे ही यह सिद्धांत एस.सी. वर्ग में भी लागू होना चाहिए। उन्होंने डॉ. भीमराव आंबेडकर के संविधान दृष्टिकोण का हवाला देते हुए कहा कि संविधान कोई जड़ दस्तावेज़ नहीं, बल्कि समय और समाज की ज़रूरतों के साथ बदलने वाला जीवंत ढांचा है, जो न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व पर टिका है। उनका स्पष्ट कहना था कि एक आईएएस अधिकारी के बच्चों को गरीब खेत मजदूर के बच्चों के बराबर नहीं माना जा सकता।

एस सी/एस टी समुदाय की कृषि भूमि की बिक्री पर लगी रोक लगभग 50 वर्ष पुरानी है, जिसे तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के दौर में लागू किया गया था। उस समय उद्देश्य स्पष्ट था – एस सी / एस टी समुदाय की जमीन को बाहरी शोषण से बचाना।

लेकिन आज, पांच दशक बाद, इस कानून का असर कई जगह उलटा दिखाई देता है। पिछले 20-25 वर्षों में ज़मीनी सच्चाई यह है कि एस सी / एस टी भूमि का सबसे बड़ा खरीदार कोई बाहरी नहीं, बल्कि उसी समाज का आर्थिक और राजनीतिक रूप से मजबूत वर्ग है। गरीब किसान मजबूरी में जमीन बेचता है, जबकि खरीदने वाला वह व्यक्ति होता है जो सरकारी नौकरी में है, सिस्टम को समझता है और कानून का फायदा उठाना जानता है। बाद में वही जमीन कन्वर्ज़न, प्लॉटिंग और मोटे मुनाफे का जरिया बन जाती है।

यह अब इक्का-दुक्का मामला नहीं रहा, बल्कि एक संगठित प्रवृत्ति बन चुकी है। सबसे दर्दनाक बात यह है कि इस शोषण में कोई बाहरी नहीं, बल्कि उसी समाज के लोग शामिल हैं, जिनके पास पैसा, पद और सत्ता है। यानी कानून गरीब एस सी/एस टी को बचाने के लिए बना था, लेकिन व्यवहार में वही कानून उसे सबसे ज्यादा नुकसान पहुँचा रहा है।आज एस सी/एस टी समाज के भीतर भी साफ तौर पर दो वर्ग बन चुके हैं। एक छोटा वर्ग – आई ऐ एस , आई पी एस , प्रोफेसर, अफसर, बड़े कारोबारी और राजनीतिक रूप से जुड़े लोग। दूसरा बड़ा वर्ग – छोटे किसान, मजदूर और जमीन बेचने को मजबूर परिवार। पहला वर्ग कानून, आरक्षण और योजनाओं का पूरा लाभ उठाता है, जबकि दूसरा वर्ग आज भी कमजोर और असहाय बना हुआ है। यही क्रीमी लेयर की असली सच्चाई है।

एस सी/एस टी समाज के भीतर बढ़ती असमानता को लेकर यह बात अब केवल सामाजिक विमर्श तक सीमित नहीं रही है। स्वयं श्री किरोड़ी लाल मीणा जैसे वरिष्ठ नेताओं ने सार्वजनिक रूप से यह स्वीकार किया है कि समझदार और जागरूक एस सी/एस टी वर्ग ने कानूनों और आरक्षण का लाभ उठाकर आर्थिक प्रगति कर ली है, जबकि समाज का बड़ा हिस्सा आज भी गरीब और पिछड़ा बना हुआ है। यह बयान इस सच्चाई की ओर इशारा करता है कि एस सी/एस टी समाज एक समान नहीं रहा और उसके भीतर भी एक संपन्न, शिक्षित और प्रभावशाली वर्ग उभर चुका है। जब यह स्वीकारोक्ति उसी समाज के प्रतिनिधि नेताओं की ओर से आती है, तो यह साफ हो जाता है कि क्रीमी लेयर की चर्चा किसी बाहरी एजेंडे का हिस्सा नहीं, बल्कि भीतर से उठी हुई चिंता है।

इंद्रा साहनी बनाम भारत संघ (1992) में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि आरक्षण का मकसद पिछड़ेपन को खत्म करना है, न कि उसे स्थायी बनाना।

जर्नैल सिंह बनाम लक्ष्मी नारायण गुप्ता (2018) के फैसले में कोर्ट ने स्पष्ट किया कि एस सी/एस टी समुदाय एक समान नहीं है और उसमें भी क्रीमी लेयर मौजूद है। सभी को एक ही तराजू में तौलना असमानता को बढ़ाता है।

पूर्व न्यायाधीश जस्टिस रोहिंटन नरीमन की टिप्पणी भी इसी ओर इशारा करती है कि अगर बराबरी आ चुकी है, तो उसी व्यक्ति को बार-बार लाभ देना संविधान की समानता की भावना के खिलाफ है। नए यूजीसी नियमों में भी यह विरोधाभास साफ दिखाई देता है कि आरक्षण का लाभ सामाजिक पिछड़ेपन से अधिक कैटेगरी सर्टिफिकेट पर निर्भर होता जा रहा है।

आज कई ऐसे प्रोफेसर, शोधकर्ता और अधिकारी हैं जिनकी पढ़ाई अंग्रेजी माध्यम में हुई, जिनके माता-पिता अधिकारी रहे और जिनके पास सामाजिक पूंजी है, फिर भी वे खुद को पिछड़ा साबित कर लेते हैं। वहीं उसी समाज का गरीब युवा आज भी वहीं खड़ा है, जहां वह दशकों पहले था। अमेरिका के सिविल राइट्स मूवमेंट ने यह सिखाया कि केवल कानून बना देना पर्याप्त नहीं होता। यह देखना भी जरूरी होता है कि कानून का फायदा वास्तव में किसे मिल रहा है और किसे नहीं। भारत में भी अब यही सवाल गंभीर रूप से उठ रहा है – क्या एस सी/एस टी कानूनों का लाभ वास्तव में कमजोर वर्ग तक पहुँच रहा है? अगर हम अमेरिका के सिविल राइट्स मूवमेंट को देखें, तो वहां भी हालात कुछ हद तक ऐसे ही थे। 1950-60 के दशक में अश्वेत नागरिकों के साथ खुले तौर पर भेदभाव होता था – शिक्षा, नौकरियों, बसों, स्कूलों और मतदान तक में। इसी अन्याय के खिलाफ एक लंबा और संगठित आंदोलन खड़ा हुआ, जिसकी अगुवाई मार्टिन लूथर किंग जूनियर जैसे नेताओं ने की। इस आंदोलन का उद्देश्य सिर्फ अधिकार मांगना नहीं था, बल्कि यह सुनिश्चित करना था कि कानून का फायदा वास्तव में पीड़ित और वंचित तक पहुँचे।

इस आंदोलन के बाद अमेरिका में सिविल राइट्स एक्ट (1964) और वोटिंग राइट्स एक्ट (1965) जैसे कानून बने, जिनसे भेदभाव को कानूनी रूप से रोका गया। लेकिन कुछ वर्षों बाद वहां भी यह सवाल उठा कि क्या इन कानूनों और एफर्मेटिव एक्शन पॉलिसीज का लाभ सच में सबसे कमजोर वर्ग तक पहुँच रहा है, या फिर वही लाभ एक सीमित, संपन्न और शिक्षित वर्ग तक सिमटकर रह गया है। इसी आत्ममंथन के बाद अमेरिका में पॉलिसी रिव्यु, इनकम बेस्ड फिल्टर्स और पीरिऑडिक इवैल्यूएशन जैसी व्यवस्थाएँ लाई गईं, ताकि कानून स्थायी विशेषाधिकार न बन जाए, बल्कि वास्तविक समानता का साधन बना रहे।

भारत के लिए भी यही सबसे बड़ी सीख है। केवल कानून बना देना काफी नहीं होता। यह लगातार देखना जरूरी होता है कि कानून का लाभ किसे मिल रहा है और किसे नहीं। अगर किसी कानून से उसी वर्ग के भीतर नया असंतुलन पैदा हो रहा है, तो उस पर सवाल उठाना कानून-विरोध नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय को ज़िंदा रखने की कोशिश होती है।

सरकार से विनम्र लेकिन स्पष्ट अपील है कि लगभग 50 साल पुराने एस सी/एस टी भूमि कानून की गंभीर समीक्षा की जाए। गरीब एस सी/एस टी परिवारों को अपनी जमीन बेचने की वास्तविक आज़ादी मिले, क्रीमी लेयर की स्पष्ट पहचान की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि उसी समाज का ताकतवर वर्ग गरीबों का शोषण न कर सके। यह किसी के अधिकार छीनने की नहीं, बल्कि गरीब एस सी/एस टी के साथ न्याय की बात है।

–रोटेरियन सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक, इम्पीरियल
चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री

डिजिटल युग में सूचना और शिक्षा के प्रसार में रेडियो की भूमिका

राजेन्द्र जोशी

डिजिटल युग में सूचना और शिक्षा के प्रसार में रेडियो की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और स्पष्ट है। डिजिटल शिक्षा का लाभ, प्रौद्योगिकी का उपयोग समानता के सरोकारों को पर्याप्त रूप से संबोधित किया जाना चाहिए। प्रभावशाली प्रशिक्षण के लिए शिक्षकों को और अन्य अनुदेशकों को चयनित कर पहले से ही पारंपरिक कक्षाओं के लिए एक अच्छे रेडियो शिक्षक का चयन कर कक्षा रूपी रेडियो में अध्यापन कार्य किया जा सकता है। प्रभावशाली दूर दराज में कक्षाएं, साक्षरता अभियान और शैक्षणिक सुधार के लिए कारगर हुई है ,बल्कि कला, साहित्य और संस्कृति का प्रचार-प्रसार , सूचना-प्रसारण का एक सस्ता सुलभ और शक्तिशाली माध्यम वर्तमान डिजिटल युग में रेडियो की प्रासंगिकता आज भी बनी हुई है।

इंटरनेट के उपयोग को नकारा नहीं जा सकता, लेकिन भारत जैसे दूर-दराज के क्षेत्र में आज भी बिजली और इंटरनेट सेवा का पहुंचना दुर्लभ प्रतीत होता हैं। परंतु रेडियो की उपलब्धता दुनिया भर में बनी हुई है।

रेडियो छात्रों के ज्ञान को बढ़ाकर, श्रोताओं को समय और स्थान के पार ले जाकर, वर्तमान घटनाओं से त्वरित अवगत कराते हुए मूल्यों और कल्पनाशीलता को विकसित करके और दृष्टिबाधित और धीमी गति से सीखने वाले छात्रों की सहायता करके शिक्षा को लाभ पहुंचाता है।

डिजिटल युग में भी रेडियो शिक्षा और सूचना प्रसार का एक सस्ता, सुलभ और शक्तिशाली माध्यम बना हुआ है। यह दूरदराज के ठामीण क्षेत्रों, वंचित बच्चों और इंटरनेट रहित इलाकों तक शिक्षा और महत्वपूर्ण जानकारी पहुंचाता है। सामुदायिक रेडियो के माध्यम से यह स्थानीय भाषा में शिक्षा, समाचार और जागरूकता कार्यक्रम का प्रसारण कर रहा है।

डिजिटल युग में रेडियो की प्रमुख भूमिकाएं: सुदूर और वंचित क्षेत्रों में रेडियो दुर्गम और ग्रामीण इलाकों में, जहाँ इंटरनेट की पहुँच कम है, वहाँ शिक्षा के प्रसार में बहुत सहायक है।

यह सीखने का सबसे सस्ता माध्यम है, जिससे बड़ी संख्या में छात्र लाभान्वित हो सकते हैं। दूरस्थ शिक्षा, महामारी या किसी संकट के दौरान, रेडियो घर बैठे शिक्षा का एक प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। सामुदायिक रेडियो, स्थानीय मुद्दों, जैसे खेती की जानकारी, स्वास्थ्य, और महिलाओं के सशक्तिकरण से जुड़ी जानकारी फैलाने में इसका बड़ा योगदान है।

डिजिटल एकीकरण, अब रेडियो केवल पारंपरिक नहीं है, बल्कि यह ऐप (जैसे) और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से जुड़कर 'रेडियो-टेक्स्ट' जैसे प्रयोगों के साथ नई तकनीक को अपना रहा है। यह भी सच है कि रेडियो ने आधुनिक समय में भी अपनी प्रासंगिकता को बनाए रखा है और यह शिक्षा के लोकतंत्रीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। रेडियो दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाली आबादी तक कम लागत में शिक्षा पहुंचाता है रेडियो ने विश्व भर में वंचित ग्रामीण शिक्षार्थियों तक शिक्षा पहुंचाने में अपनी उत्कृष्ट क्षमता साबित की है। इस बात के व्यापक और पुख्ता प्रमाण मौजूद हैं ।

रेडियो के शैक्षिक प्रसारणों ने औपचारिक और अनौपचारिक शिक्षा के अलावा दूर शिक्षा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय योगदान किया है।

भारतीय रेडियो के बदलते परिदृश्य का अन्वेषण करें तो एफएम से लेकर पॉडकास्ट, सामुदायिक स्टेशनों और डिजिटल विभाजन को पाटने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका तक रेडियो का शानदार उपयोग हुआ है। डिजिटल तकनीकें एक शक्तिशाली साधन हैं जो शिक्षा को कई तरह से बेहतर बनाने में मदद कर सकती हैं, जैसे कि शिक्षकों के लिए शिक्षण सामग्री तैयार करना, आसान बनाना और लोगों को सीखने और सहयोग करने के नए तरीके प्रदान करना।

प्रसारण: शैक्षिक रेडियो, इसका इतिहास और साक्षरता तथा शैक्षिक प्रौद्योगिकी पर यह तर्क दिया जा सकता है कि टेलीविजन और इंटरनेट जैसी अन्य तकनीकों को शिक्षा में शामिल करने का तरीका रेडियो द्वारा पहले से तैयार किए गए ढांचे पर आधारित था।

शिक्षा में जनसंचार माध्यमों की भूमिका: रेडियो, टीवी और फिल्में सीखने की ...

आज के डिजिटल युग में, शिक्षा अब कक्षाओं की चारदीवारी तक सीमित नहीं रह गई है। रेडियो, टीवी, फिल्में और समाचार पत्र जैसे जनसंचार माध्यम ज्ञान प्राप्ति का अभिन्न अंग बन गए हैं। शिक्षा में जनसंचार माध्यमों में सामुदायिक रेडियो प्रसारण की प्रासंगिकता कम नहीं हुई है। हालांकि इंटरनेट युग में, द्रुतगामी संचार साधन के रूप में मोबाईल फोन का प्रचलन तेजी से बढ़ा है। यह प्रचलन, सामुदायिक रेडियो की लोकप्रियता को भी प्रभावित कर रहा है। अध्ययन के मुताबिक भारत में इंटरनेट क्रांति के दौर में सामुदायिक रेडियो प्रसारण की प्रासंगितकता बरकरार है।

रेडियो 20वीं सदी के सबसे महत्वपूर्ण जनसंचार माध्यमों में से एक है और आज भी सूचना, मनोरंजन और शिक्षा के प्रसार के लिए मौजूद है। जनसंचार माध्यमों के एक भाग के रूप में। नई शिक्षा नीति 2020 के तहत ऑनलाइन और डिजिटल शिक्षा प्रौद्योगिकी का न्याय संबंध उपयोग सुनिश्चित करने के लिए प्रयास किया जा रहा है लेकिन अगर इस पर हम विचार करें तो दूर दराज के क्षेत्र में रेडियो की उपलब्धता और सबसे सस्ते माध्यम के रूप में डिजिटल प्रौद्योगिकी के उद्भव और स्कूल से लेकर उच्चतर शिक्षा तक सभी स्थानों पर शिक्षण अधिगम के लिए रेडियो का महत्व देखते हुए यह पहल की जानी चाहिए।

डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर शिक्षण मंच और सामठी निर्माण डिजिटल युग में रेडियो के माध्यम से प्रचार-प्रसार का बेहतर उपयोग किया जा सकता हैं।

यहां मैं स्पष्ट करना चाहूंगा की संपूर्ण साक्षरता अभियान के दौरान रेडियो लिटरेसी कार्यक्रम और विवेक दर्पण कार्यक्रम के माध्यम से साक्षरता के प्रचार प्रसार का बेहतर कार्यक्रम आयोजित किया गया। रेडियो लिटरेसी के माध्यम से आखर गंगा प्रवेशिका का अध्ययन भी करवाया गया, जिसके बेहतर परिणाम हमे प्राप्त हुए।

डिजिटल अंतर को अगर कम करना है और जनसंख्या के सभी स्तर तक डिजिटल पहुंच बनानी है तो ऐसे में मौजूद जनसंचार माध्यम में रेडियो और सामुदायिक रेडियो का उपयोग टेलीकास्ट और प्रसारण के लिए बड़े पैमाने पर किया जाना चाहिए। नई शिक्षा नीति में भी यह बात कही गई है कि इस तरह के शैक्षिक कार्यक्रमों को छात्रों की बदलती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विभिन्न भाषाओं में 24/7 उपलब्ध कराया जा सकता है ।

रेडियो के माध्यम से सभी भारतीय भाषाओं में सामग्री पर विशेष ध्यान देकर एक विशेष कार्यक्रम के तहत जहां तक संभव हो शिक्षकों और छात्रों तक डिजिटल सामग्री, उनकी सीखने की भाषा में रेडियो के माध्यम से पहुंचाई जा सकती है। प्रत्येक समय में सूचना और शिक्षा का सबसे महत्वपूर्ण साधन रेडियो हो सकता है। यहां यह भी बात है कि विश्व स्तर पर डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, शैक्षिक डिजिटल कंटैंट सामग्री और क्षमता का निर्माण करने के लिए रेडियो एक समर्पित इकाई के रूप में हो सकती है। बड़ी जनसंख्या रेडियो के माध्यम में भरोसा और विश्वास होने और प्रबल होते सूचना की जानकारी विषय विशेषज्ञों के माध्यम से सटीक दी जा सकती है।

रेडियो का भरोसा डिजिटल युग में सबसे अधिक मूल्यांकित किया गया है ऐसे में डिजिटल युग में कुछ चुनौतियां जरूर हो सकती है जिन पर हमें विचार करना होगा।

–राजेन्द्र जोशी, शिक्षाविद्-साहित्यकार

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 14 फरवरी, 2026

फाल्गुन मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र सायं 6:16 तक, सिद्धि योग रात्रि 3:18 तक, तैतिल करण सायं 4:02 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 12:47 से मकर राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मकर, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-कुम्भ, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज शनि प्रदोष व्रत है और सेन्ट वेलेन्टाइन डे है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:32 से 9:55 तक, चर 12:42 से 2:04 तक, लाभ-अमृत 2:04 से 4:51 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 7:08, सूर्यास्त 6:14

मेष
परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

वृष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज मित्रों/भाई-बंधुओं से वाद-विवाद होने का भय है।

मिथुन
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

सिंह
आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

कन्या
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

वृश्चिक
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

धनु
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मकर
घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है।

कुंभ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

मीन
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोन:- 256906, 256907, फैक्स:- 01562-256908 वर्ष: 17 संख्या: 288 प्रभात चूरू, शनिवार 14 फरवरी, 2026 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

हरदीप पुरी पर शिकंजा कस कर मोदी सरकार को घेरने की नीति बनाई कांग्रेस ने

एक प्रैस कॉन्फ्रैंस में कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा ने हरदीप पुरी से तुरंत त्याग पत्र देने की मांग की व कई सवाल पूछे

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 फरवरी। कांग्रेस ने केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री हरदीप पुरी और कुख्यात यौन अपराधी जैफ्री एप्स्टीन से उनके संबंधों को लेकर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस ने कहा कि उनके पास मंत्री बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है और उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।

पार्टी ने सवाल उठाया कि वह बार-बार एपस्टीन से किसके कहने पर मिलते रहे।

कांग्रेस का आरोप है कि एप्स्टीन भारत की विदेश नीति को प्रभावित कर रहा था।

इसी मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी घेरते हुए कांग्रेस के पवन खेड़ा ने कहा कि मोदी के चेहरे और आंखों में डर साफ दिखाई दे रहा है।

- खेड़ा ने पूछा, केन्द्रीय मंत्री हरदीप पुरी किसके कहने पर बार-बार बदनाम यौन अपराधी एप्स्टीन से मिल रहे थे और उसे किसका संदेश दे रहे थे।
- खेड़ा ने कहा, पुरी का यह दावा बेहद बचकाना है कि उन्हें नहीं पता था कि एप्स्टीन एक अपराधी है। खेड़ा ने कहा, पुरी कहते हैं कि वे सिर्फ एप्स्टीन से मिले थे, उसके किसी कृत्य में शामिल नहीं थे, लगता है पुरी को इसका पछतावा है।
- खेड़ा ने कहा, पुरी 2014 से 2016 के बीच एप्स्टीन से किस हैसियत से मिले, उस समय तो वे केन्द्रीय मंत्री नहीं थे, विदेश सेवा के रिटायर्ड अफसर मात्र थे, जब कि उस समय का एक भी राजदूत कभी भी एप्स्टीन से नहीं मिला।
- कांग्रेस ने यह आरोप भी लगाया कि जब भारत में ''डिजिटल इंडिया'' अभियान शुरु भी नहीं हुआ था, उस समय पुरी ने एप्स्टीन से उस अभियान पर चर्चा की थी।
- कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि कुख्यात यौन अपराधी एप्स्टीन भारत की विदेश नीति में दखल दे रहा था। फिलीस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बार की भारत यात्रा पर उसे गुस्सा आया था, तो क्या उसकी नाराज़गी दूर करने के लिए ही प्रधानमंत्री इज़रायल गए थे?

कांग्रेस ने आज फिर दोहराया कि केन्द्रीय मंत्री हरदीप पुरी के सेक्स अपराधी जैफ्री एप्स्टीन के साथ संबंधों को लेकर हुए बड़े खुलासों के बाद पुरी को पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

आज यहां प्रेस कॉन्फ्रैंस को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी प्रवक्ता और मीडिया एवं प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने इस मामले में अपने बचाव के लिए पुरी द्वारा दिए जा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लोकसभा की कार्यवाही 9 मार्च तक स्थगित

नई दिल्ली, 13 फरवरी। लोकसभा में बजट सत्र का पहला चरण शुक्रवार को संपन्न हो गया। पीठासीन अधिकारी संध्या राय ने सदन की कार्यवाही 9 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी। अब बजट

- बजट सत्र का दूसरा चरण 9 मार्च से शुरु होगा व 2 अप्रैल तक चलेगा।

सत्र का दूसरा चरण 9 मार्च से शुरू होगा, जो 2 अप्रैल तक चलेगा।

लोकसभा की कार्यवाही पूर्वाह्न 11 बजे शुरू होने पर कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल के सदस्यों ने पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी के इस्तीफे की मांग को लेकर हंगामा किया। लोकसभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह ने बताया कि औद्योगिक संबंध संहिता (संशोधन) विधेयक, 2026 को 12 फरवरी को राज्यसभा ने भी बिना किसी संशोधन के पारित कर दिया है। इससे पहले यह विधेयक लोकसभा में पारित हो चुका है। इसके बाद पीठासीन अधिकारी संध्या राय ने सदन की कार्यवाही 9 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी।

जीत मिलते ही बांग्लादेश नैशनलिस्ट पार्टी के भारत के प्रति सुर बदले

चुनावों के दौरान भारत के प्रति नरम रुख प्रदर्शित कर रहे नेताओं ने पुराने विवादों को उठाना शुरु कर दिया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 फरवरी। बांग्लादेश में हालिया आम चुनाव ने राजनीतिक परिदृश्य को झकझोर दिया है। एक दल प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में पहुंचा है और इसे व्यापक जनादेश मिला है।

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने देशव्यापी चुनाव में दो-तिहाई से अधिक सीटें जीत लीं। यह चुनाव उस छात्र आंदोलन के कुछ महीनों बाद हुआ है, जिसने तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से बेदखल कर दिया था। हसीना फिलहाल भारत में निर्वासन में हैं।

लेकिन यह नई जीत भी मानो ''नई बोतल में पुरानी शराब'' जैसी है। चुनाव जीतते ही पार्टी के नेता तारिक रहमान ने एक बार फिर शेख हसीना को मुकदमे का सामना करने के लिए बांग्लादेश को सौंपने की मांग दोहरा दी।

मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार भी लगातार हसीना की स्वदेश वापसी की मांग करती रही थी। अंतरिम विदेश मंत्री ने भी कई बार यही माँग दोहरायी। भारत का रुख अब तक यही रहा है कि वह इन अनुरोधों की जांच कर रहा है।

- बी एन पी ने भारत से शेख हसीना को सौंपने की मांग की, ताकि उन पर मुकदमा चलाया जा सके।
- भारत के लिए भले ही शेख हसीना अब एक बोझ बन गई हैं, पर भारत उन्हें बांग्लादेश को सौंप नहीं सकता, ऐसा करने से ना केवल बांग्लादेश को भारी कूटनीतिक बढ़त मिलेगी, बल्कि भारत की छवि भी खराब होगी, क्योंकि ऐसा माना जाता है कि भारत अंतिम ''भरोसेमंद शरणस्थली'' है।
- बांग्लादेश ने नदी जल विवाद और सीमा विवाद जैसे पुराने मसले उठाए और वही पुराना राग अलापा कि उसके साथ बराबरी का व्यवहार किया जाए। सत्ता के करीब पहुंच चुकी बांग्लादेश नैशनलिस्ट पार्टी के नेता जोर देकर कह रहे हैं कि भारत व बांग्लादेश को बराबरी के स्तर पर संवाद करना चाहिए।

यह मांग व्यावहारिक रूप से जटिल है। भारत के लिए यह संभव नहीं कि वह पूर्व प्रधानमंत्री को सीधे नई सरकार के हवाले कर दे और वे मुकदमों का सामना करें। बांग्लादेश के नेता भी इस यथार्थ से अनभिज्ञ नहीं हैं, लेकिन घरेलू राजनीतिक दबाव उन्हें यह मांग दोहराने के लिए बाध्य करता है।

यही वह पुराना गतिरोध है, जिसमें दोनों देशों के संबंध फंसे हुए हैं। हालांकि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री मोदी पर ट्रंप की टिप्पणी वाले वीडियो पर एक्शन होगा

विदेश मंत्रालय ने कहा, अगर ऐसा वीडियो है, सच है या झूठ, उस पर उचित कार्यवाही होगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 फरवरी। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने उस वीडियो से जुड़े सवालों का जवाब दिया, जिसमें अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप कथित तौर पर यह कहते सुने गए कि वे ''मोदी का पोलिटिकल करियर बर्बाद नहीं करना चाहते।''

ट्रंप की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर जायसवाल ने कहा, मैंने वह वीडियो नहीं देखा है। लेकिन यदि वास्तव में ऐसा कोई वीडियो है, चाहे वह सही हो या गलत, हम उस पर उचित कार्वाई करेंगे।

प्रवक्ता का यह बयान एफ.बी.आई. के डायरैक्टर के साथ ट्रंप की एक प्रेस कॉन्फ्रैंस की एक पुरानी क्लिप फिर से सामने आने के संदर्भ में आया है, जिसमें वे मोदी की तारीफ करते हुए कह रहे हैं कि ''मोदी एक महान व्यक्ति हैं, वे ट्रंप से प्यार करते हैं।'' उन्होंने ''प्यार'' शब्द की सावधानीपूर्वक व्याख्या करते हुए कहा कि ''इसे किसी और अर्थ में न लिया जाए।''

- ज्ञातव्य है कि हाल ही में एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप मोदी के बारे में कह रहे हैं, ''मोदी एक महान व्यक्ति हैं, ट्रंप से प्यार करते हैं, मैं उनका राजनैतिक करियर बर्बाद नहीं करना चाहता।-- बताया जाता है कि उक्त प्रेस कॉन्फ्रैंस में ट्रंप के साथ एफ बी आई के डायरैक्टर भी थे।
- प्रैस कॉन्फ्रैंस में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने यह भी कहा कि रूस के साथ हमारे रिश्ते मजबूत हैं और रहेंगे।
- उन्होंने, भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर बताया कि अमेरिकन फैक्टशीट में संशोधन कर लिया गया है। ज्ञातव्य है कि ट्रेड डील पर अमेरिकी व भारतीय बयानों में अंतर था।

वीडियो में ट्रंप ने कहा, ''वे एक महान व्यक्ति हैं। मोदी एक महान व्यक्ति हैं, वे ट्रंप से प्यार करते हैं। अब, मुझे नहीं पता कि ''प्यार'' शब्द को आप किस तरह लेते हैं, मैं नहीं चाहता कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल गांधी किसान नेताओं से मिले

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 फरवरी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को संसद भवन में देशभर के किसान संगठनों के नेताओं के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का विरोध करने तथा भारतीय किसानों और खेतिहार मज़दूरों के अधिकारों, आय और भविष्य की रक्षा के लिए देशव्यापी जन आंदोलन की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया।

- संसद परिसर में हुई इस मीटिंग में राहुल ने किसानों के साथ इंडो-अमेरिका ट्रेड डील पर वार्ता की।

किसान नेताओं ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का विरोध करते हुए चेतावनी दी कि यह मक्का, सोयाबीन, कपास, फल और मेवे की खेती करने वाले किसानों की आजीविका के लिए गंभीर खतरा प्रस्तुत करता है।

बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री बनेंगे तारिक रहमान

बांग्लादेश नैशनलिस्ट पार्टी ने कुल 350 सीटों में से अब तक 208 सीटें जीत ली हैं

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 फरवरी। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेता तारिक रहमान बांग्लादेश के प्रधानमंत्री बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इसके साथ ही, वे 35 वर्षों में इस पद को संभालने वाले पहले पुरुष बनेंगे।

देश में छात्र-नेतृत्व वाले प्रदर्शनों के बाद पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की सत्ता से बेदखली के वर्षों बाद, बीएनपी प्रचंड बहुमत की ओर बढ़ रही है।

''द डेली स्टार'' की रिपोर्ट के अनुसार, दोपहर 12:20 बजे तक बीएनपी और उसके सहयोगियों ने 208 सीटें जीत ली थीं, जबकि जमात-ए-इस्लामी और उसके सहयोगियों को 69 सीटें मिलीं।

प्रारंभिक परिणामों के अनुसार, तारिक रहमान ने ढाका-17 और बोगुरा-6, दोनों सीटों, जहाँ से उन्होंने चुनाव लड़ा था, से जीत दर्ज की।

- कट्टरपंथी और पाकिस्तान समर्थक पार्टी जमात व उसके सहयोगी मात्र 69 सीटें ही जीत पाए हैं।
- चुनावों की सब से खास बात, 7 महिला प्रत्याशियों की जीत रही। इनमें से 6 बांग्लादेश नैशनलिस्ट पार्टी की हैं और एक निर्दलीय है।
- बांग्लादेश के चुनाव आयोग ने फिलहाल चुनाव नतीजों की घोषणा टाल दी है क्योंकि तीन सीटों में कुछ कानूनी मसले हैं।

बीएनपी ने बोगुरा-7 सीट भी जीती, जो 1991 से 2008 तक हर चुनाव में पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया जीतती रही थीं। 2014 में जब जिया ने इस सीट से चुनाव नहीं लड़ा था, तब यह सीट बीएनपी से छिन गई थी।

जहां जमात-ए-इस्लामी दूसरे स्थान पर काफी पीछे रही, वहीं इस्लामी पार्टी के प्रमुख शफीकुर रहमान ने ढाका-15 सीट से जीत हासिल की।

खालिदा जिया का आखिरी प्रधानमंत्री कार्यकाल 2006 में समाप्त होने के 20 साल बाद बीएनपी दोबारा सत्ता में आई है।

स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, 2024 में हसीना सरकार को गिराने में अहम भूमिका निभाने वाले ऐक्टिविस्ट द्वारा गठित और जमात-नेतृत्व वाले गठबंधन का हिस्सा नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) ने जिन 30 सीटों पर चुनाव लड़ा, उनमें से मात्र पांच पर जीत हासिल की है।

प्रोथम आलो की रिपोर्ट के अनुसार, अब तक सात महिला उम्मीदवारों ने अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में जीत दर्ज की है। इनमें माणिकगंज-3 से बीएनपी की अफरोजा खानम रीता, सिलहट-2 से तहसीना रश्दिर लूना, नाटोर-1 से फरजाना शारमिन, फरीदपुर-2 से शमा ओबैद इस्लाम और फरीदपुर-3 से नायाब यूसुफ अहमद शामिल हैं। बीएनपी गठबंधन की उम्मीदवार इसरत सुल्ताना एलेन भुट्टो ने झालाकाठी-2 से जीत दर्ज की, जबकि निर्दलीय उम्मीदवार रुमीन फरहाना ने ब्राह्मणबारिया-2 से विजय पाई।

''ढाका ट्रिब्यून'' के अनुसार, तीन सीटों में कानूनी कारणों के चलते,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री मोदी ने रहमान को बधाई दी

नई दिल्ली, 13 फ़रवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के अध्यक्ष तारिक रहमान से शुक्रवार को फोन पर बात की और उन्हें देश में हुए संसदीय चुनावों में जीत पर बधाई दी। प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट में इसकी जानकारी साझा की और बताया कि उन्होंने बांग्लादेश की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के बीएनपी अध्यक्ष के प्रयासों को अपनी शुभकामनाएं और समर्थन दिया। साथ ही गहरे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों वाले दो निकट पड़ोसी देशों के रूप में दोनों देशों की जनता की शांति, प्रगति और समृद्धि के प्रति भारत की निरंतर प्रतिबद्धता को दोहराया।

हाथियों ने झारखंड के गांव में 6 लोगों को कुचला

हजारीबाग, 13 फरवरी। झारखंड के हजारीबाग में गुरुवार देर रात हाथियों के झुंड ने छह लोगों को रौंद कर मार डाला। मृतकों में एक साल के बच्चे से लेकर 50 साल के ऊपर तक के लोग शामिल है। घटना अंगो थाना एवं चुरचू प्रखंड के गोंदवार गांव की है। घटना के वक्त सभी लोग अपने घरों में सो रहे थे। घटना गुरुवार रात एक से 1:30 के बीच की है। स्थानीय लोगों के अनुसार, पांच हाथियों के झुंड ने उत्पात मचाया। एक घर के गेट को भी उखाड़ दिया और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बांग्लादेश में बीएनपी की जीत के क्या मायने हैं भारत के लिए

विपक्षी पार्टी बीएनपी के साथ भारत का पुराना अनुभव कुछ अच्छा नहीं रहा है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 फरवरी। बांग्लादेश नेशनल पार्टी (बीएनपी) की प्रचंड जीत के बाद, भारत पर अपदस्थ पूर्व प्रधानमंत्री और अवामी लीग नेता शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग को लेकर दबाव और बढ़ने की संभावना है। साथ ही, नई दिल्ली के सामने बांग्लादेश के साथ रणनीतिक और कूटनीतिक संबंधों को फिर से पटरी पर लाने की चुनौती भी होगी। वरिष्ठ बीएनपी नेता सलाहुद्दीन अहमद के हवाले से कहा गया है, विदेश मंत्री पहले ही उनके प्रत्यर्पण का मामला उठा चुके हैं और हम भी इसका समर्थन करते हैं।

अतीत में बीएनपी के साथ भारत के संबंध पूरी तरह सहज नहीं रहे हैं। दो दशकों बाद सत्ता में लौटने जा रही पार्टी द्वारा ''बांग्लादेश फर्स्ट'' नीति अपनाने की संभावना है, जो पिछली अवामी लीग सरकार के भारत की ओर स्पष्ट झुकाव के विपरीत होगी। बीएनपी नेता और नामित प्रधानमंत्री तारिक रहमान पहले ही तीस्ता और पद्मा जल बंटवारे समझौतों पर कड़ा रुख दोहरा चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा है कि उनकी सरकार बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) द्वारा सीमा पर की जाने वाली हत्याओं को रोकने के लिए ''कड़े कदम'' उठाएगी।

- विजेता बांग्लादेश नैशनलिस्ट पार्टी के प्रमुख तारिक रहमान पहले ही कह चुके हैं कि वे ''बांग्लादेश फर्स्ट'' पर केन्द्रित नीति पर चलेंगे और सीमा विवाद तथा नदी जल बंटवारे पर कड़ी शर्तें लगाएंगें।
- पर, सबसे बड़ा मसला पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण का है, जो सत्ता से अपदस्थ किए जाने के बाद से भारत में निर्वासित जीवन बिता रही हैं।
- लेकिन एक बात जो भारत के पक्ष में है, वह यह कि मोहम्मद यूनुस व जमात-ए-इस्लामी का रुख ज्यादा भारत विरोधी है और बीएनपी के साथ भारत पहले डील कर चुका है तो यह अनुभव मददगार साबित होगा।

2001 से 2006 के बीच जब बीएनपी सत्ता में थी, तब दोनों देशों के संबंध सीमा सुरक्षा मुद्दों और इस आरोप के कारण तनावपूर्ण रहे कि भारत-विरोधी समूहों को बांग्लादेश में शरण मिली हुई थी। 2004 में चटगांव-सीयूएफएल जेट्टी पर दस ट्रक हथियार बरामद होने के बाद भारतीय एजेंसियों ने चिंता जताई थी। भारतीय एजेंसियों का कहना था कि ये हथियार पूर्वोत्तर में सक्रिय अलगाववादी समूहों के लिए थे। 2013 में भारत ने तारिक रहमान की कथित रूप से कट्टरपंथी नेटवर्क और आईएसआई से नजदीकी को लेकर भी चिंता जताई थी।

इसके बावजूद, बीएनपी की जीत संबंधों को फिर से सैट करने का अवसर भी प्रदान करती है। यदि मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली सरकार पराजित न होती, तो दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ सकता था। नई दिल्ली ने अतीत में बीएनपी के साथ संवाद किया है, हालांकि संबंध पूरी तरह सहज नहीं रहे। इसके विपरीत, नई दिल्ली ने ''यूनुस सरकार के साथ आवश्यक सीमा से अधिक संवाद से परहेज'' किया था।

रिकॉर्ड के लिए, बीएनपी नेताओं की ओर से सकारात्मक संकेत भी मिले हैं। रहमान के करीबी सलाहकार महदी अमीन के हवाले से कहा गया है: निश्चित रूप से, कुछ मुद्दे हैं। लेकिन हर मुद्दा लोगों के बीच बेहतर संपर्क स्थापित करने का अवसर भी हो सकता है। हम आपसी विश्वास और हितों पर आधारित द्विपक्षीय संबंधों की कद्र करेंगे, ऐसे पारस्परिक संबंध, जो समानता, निष्पक्षता और न्याय के साथ दोनों देशों के लिये उपयोगी रहें।

फिल्म निर्देशक विक्रम भट्ट को सुप्रीम कोर्ट में भी राहत नहीं मिली

उदयपुर, 13फरवरी (कासं)। फिल्म बनाने के नाम पर 30 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी मामले में बॉलीवुड डायरेक्टर विक्रम भट्ट की पत्नी श्वेताम्बरी भट्ट को सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अंतरिम जमानत दे दी, लेकिन विक्रम भट्ट को राहत नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट में विक्रम भट्ट की ओर से एडवोकेट मुकुल रोहतगी और परिवादी डॉ. अजय मुर्डिया की ओर से एडवोकेट हर्ष सुराना ने पैरवी की। अब दोनों की नियमित जमानत पर अगली सुनवाई 18 फरवरी को होगी।

- विक्रम भट्ट व उनकी पत्नी पर फिल्म बनाने के नाम पर 30 करोड़ रूपए की धोखाधड़ी का आरोप है।

परिवादी डॉ. अजय मुर्डिया के वकील मंजूर हुसैन ने बताया कि 31 जनवरी 2026 को राजस्थान हाईकोर्ट ने भट्ट दंपती की जमानत याचिका खारिज की थी। इसके बाद दंपती ने सुप्रीम कोर्ट जाकर नियमित जमानत के लिए स्पेशल लीव पिटिशन दायर की थी।

बाप पं. स. के कनिष्ठ सहायक के घर पर 1.60 करोड़ का सोना और 75 लाख की नगदी मिली

बीकानेर में एसीबी ने शुक्रवार सुबह कनिष्ठ सहायक शुभकरण परिहार के पांच ठिकानों पर छापा मारा था

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर में एसीबी की रेड में कनिष्ठ सहायक (जूनियर असिस्टेंट) के घर से करीब 1 करोड़ 60 लाख का सोना, करीब पांच लाख रुपए की चांदी और 75 लाख से ज्यादा का कैश भी मिला है। एसीबी ने शुक्रवार सुबह कनिष्ठ सहायक शुभकरण परिहार के पांच ठिकानों पर छापा मारा। शुभकरण परिहार ने घर में ही नोटों की गड्डियां छुपा कर रखी थी, जिन्हें गिनने के लिए काउंटिंग मशीन मंगानी पड़ी। बीकानेर के पूनरासर में रहने वाला शुभकरण फलोदी की बाप पंचायत समिति के कानासर ग्राम पंचायत में कनिष्ठ सहायक पद पर तैनात है।

एसीबी के डीजी गोविंद गुप्ता ने बताया कि कुछ दिनों पहले शुभकरण परिहार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति की शिकायत दर्ज हुई थी। इसके बाद मामले की जांच की। 11 फरवरी को शुभकरण के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया गया। डीआईजी भुवन भूषण यादव, एएसपी विनोद कुमार और आशीष कुमार रघुवंशी के नेतृत्व में 5 टीमें बनाई गई। शुक्रवार सुबह बीकानेर शहर के जयनारायण व्यास कॉलोनी, वैशाली धााम के सामने मातेश्वरी एन्क्वलेव, जयपुर रोड और बागीनाड़ा स्थित छीपों का मोहल्ला रानी बाजार और पूनरासर गांव में शुभकरण के ठिकानों पर रेड डाली। डीजी गोविंद गुप्ता ने बताया कि शुभकरण के बीकानेर में तीन और गांव पूनरासर में एक आलीशान मकान है। दोपहर 1 बजे तक हुई कार्रवाई में 75 लाख से ज्यादा का कैश, 1 किलो से ज्यादा गोल्ड और 2 किलो से ज्यादा चांदी मिली है। इसके साथ ही 17 हेक्टेयर एग्रीकल्चर जमीन भी शुभकरण के नाम सामने आई है।

एसीबी ने जूनियर असिस्टेंट शुभकरण परिहार के घर से लाखों की नगदी व जेवरात बरामद किये।

- शुभकरण परिहार ने घर में ही नोटों की गड्डियां छुपा कर रखी थी, जिन्हें गिनने के लिए काउंटिंग मशीन मंगानी पड़ी
- कुछ दिनों पहले कनिष्ठ सहायक शुभकरण परिहार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति की शिकायत दर्ज हुई थी : एसीबी डीजी गोविंद गुप्ता
- अब तक जांच में आय से 938 प्रतिशत से अधिक संपत्ति शामिल करने का रिकॉर्ड मिल चुका है, पांचों ठिकानों पर सर्च जारी

उन्होंने बताया कि अब तक जांच में आय से 938 प्रतिशत से अधिक संपत्ति शामिल करने का रिकॉर्ड मिल चुका है।एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक सीता श्रीवास्तव के सुपरविजन में पांचों ठिकानों पर सर्च चल रहा है। इसमें और भी प्रॉपर्टी व सामान मिलने की संभावना है। शुभकरण बीकानेर शहर के वैशाली धाम के सामने मातेश्वरी एन्क्लेव में रहता है। एसीबी टीम को यहां 75 लाख रुपए कैश और सोने-चांदी के जेवरात मिले। वहीं बागीनाड़ा स्थित छीपों के मोहल्ले में बने मकान में से भी सोना-चांदी और प्रॉपर्टी के कागज मिले हैं। टीम ने जब मातेश्वरी एन्क्लेव में सर्च किया तो यहां 500, 200 और 100-100 रुपए के नोटों की गड्डियां मिली। इन्हें अलमारी से निकाल बिस्तर पर रखा गया। नोट इतने थे कि इन्हें गिनने के लिए मशीन और रखने के लिए कार्टन मंगवाना पड़ा। काउंटिंग के बाद नोटों की गड्डियों को कार्टन में पैक कर रखा गया।

दुष्कर्म के आरोपी को सात वर्ष का कठोर कारावास

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के फुलिया कला थाना क्षेत्र के ण्क गांव में वर्ष 2019 में हुई दुष्कर्म की घटना में न्यायालय ने आरोपी को कठोर सजा सुनाई है। विशिष्ट न्यायाधीश, महिला उत्पीड़न प्रकरण, भीलवाड़ा ने मामले में सुनवाई पूरी करते हुए आरोपी हेमराज पुत्र लादूलाल बैरवा को विभिन्न धाराओं में दोषी मानते हुए दंडित किया।

प्रकरण के अनुसार 19 दिसम्बर 2019 को पीड़िता बकरियां चराने गई थी। इसी दौरान आरोपी ने उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया। पीड़िता के पति ने मौके पर पहुंचकर बीच-बचाव किया, जिसके बाद आरोपी धक्का-मुक्की कर वहां से फरार हो गया। बाद में पीड़िता को लेकर परिवादी थाने पहुंचा और लिखित रिपोर्ट दी। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। अनुसंधान अधिकारी द्वारा पीड़िता के बयान, मेडिकल जांच, घटनास्थल निरीक्षण, जब्ती कार्यवाही तथा धारा 164 के तहत बयान सहित आवश्यक साक्ष्य संकलित किए गए। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद उसका भी मेडिकल कराया गया तथा उसके पहने कपड़े जब्त कर एफएसएल जांच हेतु जयपुर भेजे गए। जांच पूर्ण होने पर आरोपी के विरुद्ध न्यायालय में चालान पेश किया गया। विशिष्ट लोक अभियोजक अदिति सेठिया द्वारा न्यायालय में 13 गवाह और 23 दस्तावेज पेश किए गए। साक्ष्यों एवं गवाहों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषी मानते हुए सात वर्ष का कठोर कारावास व 20 हजार रुपये जुर्माना, धारा 341 में एक माह का कारावास व 500 रुपये जुर्माना तथा धारा 323 में 6 माह का साधारण कारावास व एक हजार रुपये जुर्माना की सजा सुनाई।

नवजात बच्ची का शव मिला

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकट जोजरी नदी के पुल के नीचे कुड़ी गांव में नवजात बच्ची का शव मिला। किसी ने शव को गड्ढा खोद कर डाल दिया। ऊपर से कचरा डाल दिया। बाद में श्वानों ने गड्ढा खोदकर बच्ची के शव को बाहर निकाल दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को बरामद कर उम्मेद अस्पताल की इमरजेंसी में भिजवाया, मगर चिकित्सक ने उसे मृत बता दिया। घटनास्थल पर एफएसएल को बुलाया गया। पुलिस अब जांच में जुटी है।

विवेक विहार थानाधिकारी दिलीप खदाव ने बताया कि जोजरी नदी पुल के नीचे कुड़ी गांव की सरहद में एक गड्ढे के बाहर शव पड़ा होने की जानकारी मिली। इस पर पुलिस वहां पहुंची। शव किसी नवजात बच्ची का था, जोकि एक दो दिन पुराना प्रतीत हो रहा था। हालांकि उसे बरामद कर उम्मेद अस्पताल की इमरजेंसी भिजवाया गया, मगर डॉक्टर ने उसे मृत बता दिया। शव को बाद में एमजीएच की मोर्चरी में रखवाया गया।

अस्पताल में मरीज की मौत, परिजनों का हंगामा

अजमेर, (निसं)। संभाग के सबसे बड़े राजकीय जवाहरलाल नेहरू अस्पताल में एक मरीज की मौत के बाद अस्पताल प्रशासन और चिकित्सा टीम पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगे हैं। मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया कि समय पर सही उपचार नहीं मिलने और इलाज में अनावश्यक देरी के कारण उनके बेटे गजेंद्र सिंह की जान चली गई। हंगामे की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और परिजन व चिकित्सकों से समझाइश करके मामला शांत करवाया।

परिजनों के अनुसार, किशनगढ़ निवासी गजेंद्र सिंह की रविवार रात अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। हालत गंभीर होने पर उसे तत्काल किशनगढ़ से अजमेर के जेएलएन अस्पताल लाया गया, जहां उसे भर्ती कर वेंटिलेटर पर रखा गया। परिजनों का कहना है कि पूरी रात मरीज वेंटिलेटर पर रखा, लेकिन सुबह होने पर चिकित्सकों ने कहा कि यहां उपचार संभव नहीं है और मरीज को जयपुर रेफर कर दिया गया, यह कहते हुए कि वहां बेहतर इलाज मिल सकेगा। आरोप है कि जैसे ही मरीज को वेंटिलेटर से हटाया गया, उसकी हालत और ज्यादा बिगड़ गई। घबराए हुए परिजन उसे तुरंत अस्पताल के इमरजेंसी विभाग में लेकर पहुंचे। इस दौरान मरीज की स्थिति अत्यंत गंभीर थी और तत्काल उपचार की आवश्यकता थी।

- अजमेर जेएलएन अस्पताल प्रशासन और चिकित्सा टीम पर लापरवाही के आरोप लगे
- पुलिस ने मौके पर पहुंचकर परिजन व चिकित्सकों से समझाइश कर मामले को शांत करवाया

परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि इमरजेंसी विभाग में मौजूद डॉक्टर अतुल ने मरीज के परिजनों के साथ दुर्व्यवहार किया। आरोप है कि डॉक्टर द्वारा न केवल अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया, बल्कि हाथापाई तक की स्थिति बन गई, जिससे अस्पताल परिसर में तनाव फैल गया। कुछ ही देर बाद मरीज गजेंद्र सिंह की मौत हो गई। इसके बाद गुस्साए परिजनों ने अस्पताल प्रशासन और चिकित्सा टीम पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए नाराजग़ी जताई। परिजनों का कहना है कि यदि समय पर उचित उपचार मिलता तो शायद उनके बेटे की जान बचाई जा सकती थी। घटना की सूचना मिलने पर अस्पताल प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को शांत कराया।

शादी समारोह से काम खत्म कर घर लौटे चार श्रमिकों की संदिग्ध मौत

भीलवाड़ा के माधोपुरा गांव के मृतक चारों श्रमिकों की फाईल फोटो।

भीलवाड़ा, (निसं)। नशे की एक छोटी सी भूल और अनभिज्ञता चार परिवारों के लिए काल बन गई। गंगापुर थाना क्षेत्र के आलोली गांव में एक शादी समारोह से काम खत्म कर घर लौटे चार श्रमिकों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि चारों ने बर्तन साफ करने वाले घातक रासायनिक लिक्विड को शराब समझकर पी लिया था। मरने वालों में तीन महिलाएं शामिल हैं। इस हृदयविदारक घटना के बाद माधोपुरा गांव में मातम पसरा हुआ है।

जानकारी के अनुसार रतन पुत्र मसरिया कंजर, सुशीला देवी, जमनी देवी और बदामी देवी ने तीन दिन पूर्व आलोली में एक शादी समारोह में बर्तन धोने का ठेका लिया था। काम पूरा करने के बाद वे वहां रखा बर्तन साफ करने वाला केमिकल (लिक्विड) अपने साथ घर ले आए। पुलिस का प्राथमिक अनुमान है कि उन्होंने इसे शराब समझकर सेवन कर लिया। देर रात तबीयत बिगड़ने पर तीन लोगों ने गंगापुर अस्पताल में दम तोड़ दिया, जबकि बदामी देवी की मौत भीलवाड़ा के महात्मा गांधी जिला चिकित्सालय में उपचार के दौरान हुई।

- बताया जा रहा है कि चारों श्रमिकों ने बर्तन साफ करने वाले घातक रासायनिक लिक्विड को शराब समझकर पी लिया था

सामूहिक मौत की खबर फैलते ही पुलिस और प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही जिला कलैक्टर जसमीत सिंह सिंधु और पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र यादव जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। साक्ष्य जुटाने के लिए फॉरेंसिक साइंस लैब की टीम ने घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस ने शवों को मोर्चरी में रखवाया है और अवैध एसिड विक्रेताओं व दोषियों से पूछताछ शुरू कर दी है।

जानकारी में सामने आया है कि थाना कोतवाली के राजेंद्र मार्ग के सामने स्थित दुकान माहेश्वरी एसिड एंड केमिकल दुकान विक्रेता अनुज सोमानी अपनी दुकान पर एक लीटर बोतल में मैथनॉल कार्बनिक सॉल्ट, जो कि शादी में खाना गर्म रखने हेतु फ्यूल के रूप में उपयोग किया जाता है, उसे शादी समारोहों में हलवाई या कैटरिंग की पर्ची पर बेचा जाता है। मैथेनॉल फ्यूल गुजरात के अंकलेश्वर से दो सौ लीटर के ड्रम में मंगाया जाता है, जिसको एक एक लीटर की बोतल में दुकानदार द्वारा बेचा जाता है। फ्यूल गुजरात से बिल के माध्यम से ही खरीदा जाता है। मृतकों में रतन कंजर निवासी माधोपुरा, सुशीला देवी श्रमिक, जमनी देवी पत्नी शंकर कंजर बदामी देवी की उपचार के दौरान भीलवाड़ा में मौत हो गई।

एसपी धर्मेंद्र सिंह का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला बर्तन धोने के केमिकल को गलती से शराब समझकर पीने का लग रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और एफएसएल जांच के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट होगी। मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

ठगी के आरोपी को गिरफ्तार किया

भुसावर/भरतपुर, (निसं)। एचडीएफसी बैंक से लोन दिलवाने के नाम धोखाधड़ी करने वाले नामजद आरोपी को गिरफ्तार किया है पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी रोहित पुत्र चन्द्रप्रकाश पंजाबी, निवासी मूर्ति कॉलोनी, थाना एनईबी जिला अलवर को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार कस्बा भुसावर निवासी अजय कुमार पुत्र निरोत्तमलाल ने 11 जून 2025 को थाना भुसावर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि 7 मई 2025 को एचडीएफसी बैंक एजेंट रोहित ने 20 लाख रुपये का लोन दिलाने के लिए आवेदन करवाया था। आरोप है कि लोन स्वीकृत होने के बाद एजेंट रोहित ने धोखाधड़ी करते हुए 20 लाख रुपये में से 10 लाख रुपये अपने खाते में ट्रांसफर कर लिए। मामले में थाना भुसावर पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। अनुसंधान के दौरान थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नामजद आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा मामले में आगे की जांच जारी है।

- एचडीएफसी बैंक से लोन दिलवाने के नाम पर आरोपी ने लाखों रुपये की धोखाधड़ी की थी

श्रद्धालुओं की कार ट्रैक्टर-ट्रॉली से भिड़ी, एक की मौत, तीन घायल

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर-जैसलमेर नेशनल हाइवे संख्या 125 पर बालेसर कस्बे के पास खारी बेरी गांव में शुक्रवार सुबह एक सड़क हादसा हो गया। गुजरात से रामदेवरा जा रहे श्रद्धालुओं की कार सामने से आ रही ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गई। इस दुर्घटना में एक श्रद्धालु की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए।

टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। वहां से गुजर रहे अन्य वाहन चालकों ने रुककर घायलों को बाहर निकाला और बालेसर पुलिस व एंबुलेंस 108 को सूचना दी। एंबुलेंस के मौके पर पहुंचने पर गुजरात निवासी वासुदेव को मृत घोषित कर दिया गया। वहीं राज, भौतिक और नीलम को घायलावस्था में एंबुलेंस 108 की सहायता से मथुरादास माथुर अस्पताल रेफर किया गया। घटना की जानकारी मिलते ही बालेसर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाया और यातायात सुचारु करवाया।

एफ.एस.एल. रिपोर्ट भी साध्वी प्रेम बाईसा की मौत के मामले को नहीं सुलझा पाई

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में साध्वी प्रेम बाईसा की संदिग्ध परिस्थिति में मौत का मामला अब भी नहीं सुलझ पाया है। इस मामले में पुलिस को एफएसएल रिपोर्ट में कुछ खुलाने की उम्मीद थी। मामले में एफएसएल रिपोर्ट आई तो पुलिस को कुछ भी हाथ नहीं लगा। रिपोर्ट में साध्वी को जहर देने या दूसरे अप्राकृतिक कारणों से मौत होने की पुष्टि नहीं हुई है। इसके साथ ही उनके साथ किसी तरह की गलत घटना के सबूत भी नहीं मिले हैं।

जानकारी के अनुसार एफएसएल रिपोर्ट गुरुवार रात को जोधपुर पुलिस कमिश्नर को मिली। इसके बाद डीसीपी वेस्ट विनीत कुमार बंसल के जरिए मेडिकल बोर्ड को भेजी गई है। अब पोस्टमॉर्टम करने वाले मेडिकल बोर्ड के डॉक्टर रिपोर्ट का एनालिसिस कर मौत के कारणों का खुलासा करेंगे। सूत्रों के मुताबिक एफएसएल जांच में साध्वी प्रेम बाईसा की मौत को लेकर लगाई जा रही अटकलें बेदम साबित हुई हैं। उनके साथ किसी तरह की गलत घटना के सबूत भी रिपोर्ट में नहीं मिले हैं। स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम साध्वी की मौत को लेकर कई एंगल से जांच कर रही है।

- रिपोर्ट में साध्वी को जहर देने या दूसरे अप्राकृतिक कारणों से मौत होने की पुष्टि नहीं हुई, साथ ही उनके साथ किसी तरह की गलत घटना के सबूत भी नहीं मिले हैं
- अब पोस्टमॉर्टम करने वाले मेडिकल बोर्ड के डॉक्टर रिपोर्ट का एनालिसिस कर साध्वी प्रेम बाईसा की मौत के कारणों का खुलासा करेंगे

गौरतलब है कि साध्वी के बीमार होने के बाद उन्हें प्रेक्षा हॉस्पिटल ले जाया गया था, जहां उन्हें मृत घोषित किया गया था। पुलिस टीम ने प्रेक्षा हॉस्पिटल के मालिक, डॉक्टर और अन्य स्टाफ से भी पूछताछ की थी। इसमें डॉक्टर ने बताया था कि साध्वी हॉस्पिटल में कुछ महीने पहले खांसी-जुकाम की दवा लेने आई थी। जांच में टीम को साध्वी प्रेम बाईसा को अस्थमा की बीमारी होने का भी पता लगा है। जोधपुर शहर के बोरनाडा रोड के आरती नगर स्थित आश्रम में 28 जनवरी को साध्वी प्रेम बाईसा की तबीयत बिगड़ी थी। उन्हें जुकाम हो गया था। उन्हें सांस लेने में परेशानी होने लगी थी। इलाज के लिए कंपाउंडर देवीलाल सिंह को बुलाया गया था। कंपाउंडर देवीसिंह ने दो इंजेक्शन लगाए। इंजेक्शन लगने के तुरंत बाद उनकी तबीयत अचानक और ज्यादा बिगड़ गई। परिजन उन्हें लेकर पाल रोड स्थित प्रेक्षा हॉस्पिटल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। साध्वी के पिता वीरमनाथ शव को आरती नगर स्थित आश्रम ले आए। पुलिस की दखल के बाद 29 जनवरी को देर शाम एमजीएच हॉस्पिटल में पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया। 30 जनवरी को बाड़मेर के परेऊ गांव में साध्वी प्रेम बाईसा को समाधि दी गई। 31 जनवरी और 1 फरवरी को शनिवार-रविवार का अवकाश था। ऐसे में 2 फरवरी को विसरा सैंपल जांच के लिए भेजे गए थे। 11 दिन में एफएसएल जांच पूरी हुई। इसके बाद रिपोर्ट पुलिस को सौंप दी गई।

पुलिस ने इस मामले की गहन जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) गठित की थी। जिसने अब तक 48 लोगों से पूछताछ की, 500 से अधिक पेज के पूछताछ नोट तैयार किए। एसआईटी ने 40 से ज्यादा मोबाइल फोन के कॉल डिटेल रेकॉर्ड निकाले। राज्य की एफएसएल ने विसरा जांच रिपोर्ट 11 दिन बाद सौंपी, जिसमें किसी भी प्रकार के जहर या विषाक्त पदार्थ की पुष्टि नहीं हुई। अप्राकृतिक कारणों के स्पष्ट संकेत भी नहीं मिले हैं। अब अंतिम मौत का कारण तय करने का जिम्मा मेडिकल बोर्ड पर है, जिसकी रिपोर्ट आने के बाद जांच की दिशा और साफ हो सकेगी। एसआईटी ने मामले की हर बारीकी खंगाली। आश्रम से 35 से अधिक सैंपल जुटाए गए, जिनमें डीएनए, फिंगरप्रिंट और अन्य फॉरेंसिक सबूत शामिल हैं। पुलिस ने अस्पताल रिकॉर्ड, सीसीटीवी फुटेज और सोशल मीडिया एक्टिविटी की भी जांच की। शुरुआत में मौत को दवा के एलर्जिक रिएक्शन या लापरवाही से जोड़ा गया, लेकिन सुसाइड नोट पोस्ट होने से साजिश के सवाल उठे। साध्वी प्रेम बाईसा पिछले साल जुलाई में एक वायरल वीडियो के कारण ब्लैकमेल और मानसिक उत्पीड़न का शिकार हुई थी। उस मामले में आरोपी गिरफ्तार हुआ था, लेकिन वीडियो दोबारा वायरल होने से उन्हें परेशानी हुई। कुछ लोग इसे मौत से जोड़कर देख रहे हैं, लेकिन पुलिस ने अभी तक किसी साजिश की पुष्टि नहीं की।

साध्वी को डेक्सोना व डायनापार इंजेक्शन लगाए गए थे। कंपाउंडर देवी सिंह ने पुलिस को दिए बयान में यह इंजेक्शन साध्वी से मिली पर्ची के आधार पर लगाने की जानकारी दी, जबकि पाल रोड स्थित प्रेक्षा अस्पताल के डॉक्टर ने पिछले काफी समय से साध्वी की जांच करने तक से इनकार किया था। ऐसे में अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इंजेक्शन किसने लिखे थे? जिसके आधार पर लगाए गए, इसका जवाब एसआईटी को ढूंढना होगा।

बूंदी पुलिस ने 15 लाख के मोबाइल बरामद किए

बूंदी, (निसं)। पुलिस द्वारा सीईआईआर पोर्टल की मदद से लगातार बड़ी संख्या में मोबाइल फोन बरामद कर आमजन को राहत पहुंचाई जा रही है। जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एसपी राजेन्द्र कुमार मीणा ने गुमशुदा 70 मोबाइल उनके मालिकों को लौटाए। मोबाइल पाकर मोबाइल धारकों के चेहरो पर रौनक आ गई। एसपी राजेन्द्र कुमार ने बताया कि महानिदेशक पुलिस सायबर क्राईम द्वारा चलाये जा रहे विशेष साश्बर अभियान के दौरान जिले के सभी पुलिस थानों द्वारा गुमशुदा हुये 70 मोबाइल फोन ट्रेस कर बरामद कर वास्तविक मोबाइल धारकों को वापस लौटाये गये हैं। बरामद किये गये मोबाइल फोन की कीमत लगभग 15 लाख रूपये हैं। पुलिस टीमों द्वारा कई दिनों तक तकनीकी विश्लेषण कर सीईआईआर पोर्टल से ट्रेस हुये गुमशुदा मोबाइलों में से कुल 70 मोबाइल बरामद करने में सफलता प्राप्त की।

- एसपी ने गुमशुदा 70 मोबाइल उनके मालिकों को लौटाए

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD ELECTRICAL DIVISION KOTA

No. 924 **Notice Inviting Bid** Date: 05.02.2026

(NIT NO. 30/2025-26)

Bids for 02 No work at District Bundi are invited from interested bidders up to 06.00 PM of 19.02.2026 (Thursday) Other particulars of bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rj.nic.in) of the rajasthan State. The approximate value of the procurement is Rs. 208.78 Lac.

UBN 1. PWD2526WSOB22551, 2. PWD2526WSOB22552

Executive Engineer
PWD Elect. Div.Kota

DIPR/C/2792/2026

कार्यालय उप वन संरक्षक, करौली (राज.)

(गद्का की चौकी करौली, Phone & Fax No. 07464-297003, Email-dcf.kroli.forest@rajasthan.gov.in)

ई-निविदा सूचना संख्या 10 व 11

इस कार्यालय अधीन रेंज मासलपुर में WHS एवं अग्रिम मृदा कार्यों की साईटों पर कैटल गार्ड हट निमार्ण कार्य कराये जाने हेतु ई-निविदाएँ आमंत्रित की गई है। अतः इच्छुक फर्म http://sppp.raj.nic.in एवं http:// www.eproc.rajasthan.gov.in पोर्टल पर देख कर निविदाओं में बोली लगा सकते है।

क्र.सं.	यू बी एन नम्बर	लागत लाखों में	जारी दिनांक	जमा व खोलने की दिनांक
1	UBN No FOR2526 WSOB05289	7.53	04.02.2026	16.02.2026
2	UBN No FOR2526 WSOB05374	12.62	05.02.2026	16.02.2026

DIPR/C/2826/2026 (सुमित बंसल) उप वन संरक्षक करौली

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा.अभि.विभाग, खण्ड कोलायत

क्रमांक-3378-91 दिनांक-06.02.2026

Notice Inviting Bid :- 100-106/2025-26

Bid for various works are invited to registered interested bidder upto 20.02.2026 at 14.00 hours. Other particulars of bid may be visited on the procurement portal www.sppp.rajasthan.nic.in & "http:/eproc.rajasthan.gov.in" of the state. The approximate value of the procurement of Rs. 378.14 lacs.

NIT No.	100	101	102	103
UBN No.	PHE2526 WSOB13679	PHE2526 WSOB13681	PHE2526 WSOB13682	PHE2526 WSOB13684
NIT No.	104	105	106	
UBN No.	PHE2526 WSOB13685	PHE2526 WSOB13686	PHE2526 WSOB13687	

जल सीमित है, इसकी बचत करें।

(धर्मेन्द्र कुमावत) अधिशाषी अभियंता
जन स्वा.अभि.विभाग खण्ड कोलायत

DIPR/C/2817/2026

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PHED DIVISION KARAULI

PH NO. 07464-250219 E-Mail-ee.kar.phed@rajasthan.gov.in

Notice Inviting Bid

Bids for transportation of water through tanker under Division Karauli are invited from interested bidders up to 18.02.2026 other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal eproc. rajasthan.gov.in and sppp.raj.nic.in website.

NIB CODE: PHE2526A6087

S.N.	NIT NO	UBN	S.N.	NIT NO.	UBN
1	158/2025-26	PHE2526WSOB13018	4	161/2025-26	PHE2526WSOB13021
2	159/2025-26	PHE2526WSOB13019	5	162/2025-26	PHE2526WSOB13022
3	160/2025-26	PHE2526WSOB13020	6	163/2025-26	PHE2526WSOB13023
			7	164/2025-26	PHE2526WSOB13024

01	Total work	07
02	Total Estimate Cost	190.00 Lac
03	Bid submission end date	18.02.2026 up to 04.00 PM
04	Bid opening date	19.02.2026 at 04.00 PM

(Vijay Kumar Meena)
Executive Engineer
PHED Division Karauli

DIPR/C/2564/2026

कार्यालय उप वन संरक्षक एवं उप क्षेत्र निदेशक (द्वितीय) रणथम्भौर टाईगर रिजर्व करौली

Mail ID-dcfb.kroli.forest@rajasthan.gov.in Phone No. 07464-294200

इस कार्यालय द्वारा जारी ई-निविदा आमंत्रित की गई है। अत इच्छुक बोलीदाता पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in पर देख कर ऑनलाईन निविदाओं को डाउनलोड कर निविदाओं में भाग ले सकते है।

क्र. सं.	कार्य का विवरण	UBN NO.	अनुमानित लागत (लाखों में)	निविदा जारी करने की दिनांक	निविदा जमा कराने की दिनांक	निविदा खोलने की दिनांक
1	डिवीजन कैम्पस में स्थित उप वन संरक्षक आवास मरम्मत एवं अपग्रेडेशन कार्य हेतु	FOR2526 WSOB05265	20.00	03.02.2026	13.02.2026	13.02.2026
2	रेंज नैनियाकी के अन्तर्गत तिखूटी वनरक्षक चौकी सुरक्षा दीवार 200 रनिंग मीटर पक्की बाउण्ड्री निर्माण कार्य हेतु	FOR2526 WSOB05268	6.00	03.02.2026	13.02.2026	13.02.2026

(पीयूष कुमार शर्मा)
उप वन संरक्षक एवं उप क्षेत्र निदेशक (द्वितीय)
रणथम्भौर टाईगर रिजर्व, करौली

DIPR/C/2549/2026

राजस्थान सरकार

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य

राजकीय जनाना चिकित्सालय परिसर, मोरी चार बाग-भरतपुर-321 001 (राज.)

eemhbharatpur@gmail.com, ee-mh-bharatpur@gov.in, Mob. 9602097030

क्रमांक-/M&H/2025-26/1942 दिनांक-05.02.2026

निविदा सूचना संख्या-27/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत विभिन्न कार्य जिला भरतपुर/डीग/करौली में रू. 179.50 लाख के निर्माण कार्य हेतु राजस्थान सरकार के समकक्ष उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में सिविल कार्यो हेतु पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेबसाईट www.dipronline.Org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।

		अनुमानित लागत (रू.लाखों में)	UBN NO.			अनुमानित लागत (रू.लाखों में)	UBN NO
1	Construction of SHC Malpur distt. Bharatpur	52.00 lac.	UBN IS: MHS2526 WSOB 06402	2	Construction of of SHC Bara Rajpur distt. Karauli	52.00 lac.	UBN IS: MHS2526 WSOB06403
3	Construction of SHC Naand distt Karauli	52.00 lac.	UBN IS: MHS2526 WSOB 06405	4	Construction of E.T.P at DH Hindaun distt Karauli	23.50 lac.	UBN IS: MHS2526 WSOB06406

(एल.के.अग्रवाल)
अधिशाषी अभियन्ता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, भरतपुर

DIPR/C/2992/2026

भजनलाल सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र को नई रफ्तार देने के लिए बजट में 32526 करोड़ रु. का प्रावधान किया

यह राशि वर्ष 2023-24 की तुलना में 53 प्रतिशत अधिक है, जो कि सरकार का लक्ष्य 'निरोगी एवं स्वस्थ राजस्थान' के लिए अहम है

-कार्यालय संवाददाता-

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र को नई रफ्तार देने के लिए बजट 2026-27 में 32 हजार 526 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। यह राशि वर्ष 2023-24 की तुलना में 53 प्रतिशत अधिक है। सरकार का लक्ष्य 'निरोगी एवं स्वस्थ राजस्थान' है।

राजस्थान डिजिटल हैल्थ मिशन और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत 6.52 करोड़ आभा आईडी जारी की जा चुकी हैं। इससे मरीजों की मेडिकल हिस्ट्री डिजिटल रूप से उपलब्ध हो रही है। वहीं ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन के जरिए 20.33 लाख मरीजों को घर बैठे परामर्श मिला। सरकार आरजीएचएस, आयुष्मान वय वंदन योजना और मुख्यमंत्री नि:शुल्क निरोगी राजस्थान (दवा) योजना जैसी योजनाओं से हर वर्ग तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचा रही है। बच्चों के बेहतर इलाज के लिए जयपुर स्थित जे.के. लोन अस्पताल में 500 बेड क्षमता का नया आईपीडी टॉवर बनेगा। यहां पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी विभाग भी स्थापित होगा।

इसके साथ ही आरयूएचएस अस्पताल में 200 बेड का पीडियाट्रिक आईपीडी और निओनेटल आईसीयू विकसित किया जाएगा।

जयपुर मेडिकल कॉलेज के उन्नयन के लिए 865 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। प्रदेश के अन्य प्रमुख मेडिकल कॉलेजों को भी बजट में मजबूत किया गया है।

इसमें जोधपुर के लिए 461 करोड़, उदयपुर के लिए 333 करोड़, कोटा के लिए 341 करोड़, अजमेर के लिए 345 करोड़ और बीकानेर के लिए 276 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

इन संस्थानों में मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, क्रिटिकल केयर यूनिट, ट्रॉमा सर्जरी सुपर स्पेशलिटी कोर्स और बेसिक लाइफ सपोर्ट ट्रेनिंग सेंटर स्थापित होंगे।

राज्य में वर्तमान में 267 अस्पताल, 849 सीएचसी, 2,875 पीएचसी, 15,292 उप स्वास्थ्य केंद्र और 638 आयुष्मान आरोग्य मंदिर संचालित हैं।

बजट में कई पीएचसी को सीएचसी, सीएचसी को उप जिला अस्पताल और उप स्वास्थ्य केंद्रों को आरोग्य मंदिर में क्रमोन्नत किया जाएगा। सड़क दुर्घटना और हार्ट अटैक जैसी आपात स्थितियों में त्वरित उपचार के लिए 'राज सुरक्षा' योजना लागू की जाएगी। हफ्ते के 7 दिन 24 घंटे के लिए क्रिटिकल केयर कमांड सेंटर स्थापित होगा। हाईवे पर एंबुलेंस तैनात की जाएंगी। ट्रॉमा सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए 150 करोड़ रुपये रखे गए हैं। साथ ही 'मोक्ष वाहिनी' योजना के तहत दुर्घटना में मृत व्यक्ति के पार्थिव शरीर को मोर्चरी से घर तक नि:शुल्क पहुंचाया जाएगा। मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत 2,179 हेल्थ पैकेज में 25 लाख रुपये तक कैशलेस इलाज की सुविधा है। 1.36 करोड़ परिवार पंजीकृत हैं और 2025-26 में 15 लाख से अधिक लोग लाभान्वित हुए। अब असहाय, विमंदित और लावारिस रोगियों को भी मुफ्त इलाज मिलेगा।

पंचायत स्तर पर आरोग्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। मानसिक स्वास्थ्य के लिए 'राज ममता प्रोग्राम' शुरू किया जाएगा। एसएमएस मेडिकल कॉलेज में 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन मेंटल हेल्थ' स्थापित होगा। जिला मुख्यालयों पर मेंटल हेल्थ केयर सेल और अस्पतालों में मनोचिकित्सक व काउंसलर उपलब्ध कराए जाएंगे।

तृतीय श्रेणी शिक्षक स्थानांतरण नीति पर सरकार का रुख स्पष्ट नहीं : टीकाराम जूली

जयपुर (विसं)। राजस्थान विधानसभा में शुक्रवार को तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण की नीति का मुद्दा गर्माया रहा।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सदन की कार्यवाही के दौरान भाजपा सरकार को चुनावी वादों की याद दिलाते हुए जमकर घेरा। जब शिक्षा मंत्री ने तबादलों के प्रावधान पर भ्रम की स्थिति पैदा की, तो जूली ने उन्हें सीधे सवालों के कटघरे में खडा कर दिया।

सदन में चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सीधे तौर पर पूछा कि सरकार का आधा समय बीत चुका है और सवा 2 साल से अधिक का वक्त हो जाने के बावजूद तबादला नीति अब तक क्यों नहीं बनी? उन्होंने सरकार से पूछा, ''क्या आप कोई टाइम-लाइन देना चाहेंगे कि आखिर कब इनके ट्रांसफर होंगे?''।

जूली ने आरोप लगाया कि सरकार प्रदेश के लाखों शिक्षकों को गुमराह कर रही है, जबकि उन्होंने अपने घोषणा पत्र में नीति बनाने का वादा किया था। सदन में जब शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने पिछली सरकारों के आंकड़ों और भाजपा के समय हुए 2200 तबादलों का हवाला दिया, तो नेता प्रतिपक्ष ने उन्हें टोकते हुए कहा कि ''कांग्रेस ने किए या भाजपा ने किए, उन पुरानी बातों को छोड़ें''। जूली ने कहा कि मुख्य मुद्दा यह है कि वर्तमान सरकार अपनी घोषणा के अनुसार नीति कब तक बनाएगी।

पिता ने आठ माह की बेटी की कैंची से गला रेतकर हत्या की

आरोपी सादाब ने खुद भी फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया

जयपुर (कासं)। मालपुरा गेट थाना क्षेत्र में पारिवारिक विवाद के बाद एक पिता ने अपनी आठ माह की मासूम बेटी की कैंची से गला काटकर हत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। वारदात के बाद आरोपी ने आत्महत्या का प्रयास भी किया। पुलिस ने आरोपी को गुरुवार देर रात गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस आरोपित पिता से पूछताछ में जुटी है।

थानाधिकारी उदयभान यादव ने बताया कि उत्तर प्रदेश के बहराइच निवासी सादाब (19) को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उसकी शादी जुलाई 2025 में मालपुरा गेट स्थित अंबेडकर कॉलोनी निवासी रूकसार बानो (19) से हुई थी। दंपती की आठ माह की बेटी सहनाज थी।

करीब छह दिन पहले सादाब पत्नी और बेटी को लेकर ससुराल अंबेडकर कॉलोनी आया था। 6 फरवरी सुबह करीब 10 बजे गांव वापस लौटने की बात को लेकर पति-पत्नी में विवाद हो गया। पत्नी द्वारा कुछ दिन और रुकने की बात कहने पर सादाब ने मारपीट की और उसका गला दबाने का प्रयास किया। इस दौरान साले सोहिल ने बीच-बचाव किया। जिससे आरोपी और भड़क गया। बताया गया कि सादाब ने सोहिल के सिर पर स्टील की केतली से वार किया। शोर-शराबा सुनकर पडौसी मौके पर पहुंचे और दोनों को छुडाया। इसी बीच आरोपी ने बेटी सहनाज को सोहिल की गोद से छीन लिया और कमरे में बंद हो गया।

कमरे के भीतर सादाब ने कैंची से बच्ची का गला काट दिया और शव को कंबल में छिपा दिया। इसके बाद उसने फंदा लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया।

विधायक रोहित बोहरा द्वारा सदन में अश्लील इशारा करने का मुद्दा गर्माया

सत्ता पक्ष ने इस आचरण को सदन की गरिमा के खिलाफ बताते हुए कार्रवाई की मांग उठाई, जबकि विपक्ष ने सहानुभूति बरतने का आग्रह

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के बजट सत्र के दौरान कांग्रेस विधायक रोहित बोहरा द्वारा कथित अश्लील इशारा करने का मामला शुक्रवार को सदन में गर्माया। पूर्व मंत्री श्रीचंद कृपलानी ने शुक्रवार को सदन में यह मुद्दा उठाते हुए विधायक के आचरण पर खड़े किए और कार्रवाई की मांग की। सत्ता पक्ष के मंत्री व विधायकों ने रोहित बोहरा के इस आचरण को सदन की गरिमा के खिलाफ बताते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की, जबकि विपक्ष ने सहानुभूति बरतने का आग्रह किया।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि वे संबंधित वीडियो फुटेज देखेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि आचरण सदन की गरिमा के प्रतिकूल पाया गया तो नियमों के तहत उचित कार्रवाई की जाएगी।

शुक्रवार को सदन में यह मुद्दा भाजपा विधायक श्रीचंद कृपलानी ने उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि राजाखेड़ा से विधायक रोहित बोहरा ने सदन के भीतर अश्लील इशारा किया, जो विधानसभा की गरिमा के खिलाफ है। कृपलानी ने अध्यक्ष से व्यवस्था देने और सख्त कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि राजस्थान विधानसभा की समृद्ध परंपराएं रही हैं, लेकिन हाल के समय में आचरण का स्तर गिरता दिखाई दे रहा है।

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने भी इस मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि आचरण और वाणी से जुड़े विषय अत्यंत संवेदनशील होते हैं। बहस के दौरान सदस्य कभी-कभी उत्तेजित हो सकते हैं, लेकिन सदन के भीतर और बाहर मर्यादा बनाए रखना अनिवार्य है। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक शांति धारीवाल पहले भी

- **विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि वे संबंधित वीडियो फुटेज देखेंगे। यदि आचरण सदन की गरिमा के प्रतिकूल पाया गया तो नियमों के तहत उचित कार्रवाई की जाएगी।**

अभद्र भाषा का उपयोग कर चुके हैं, और अब अश्लील इशारे जैसी घटना अत्यंत चिंताजनक है।

विपक्ष के सचेतक ने कहा कि पूर्व में भी इस तरह की घटनाओं पर सदन में माफी दी गई है। उन्होंने आग्रह किया कि रोहित बोहरा के मामले में भी सहानुभूति रखते हुए माफी देकर प्रकरण को समाप्त किया जाए।

अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि प्रदेश की 8 करोड़ जनता सदन की कार्यवाही देखती है और हर विधायक लाखों मतदाताओं का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसे में सभी जनप्रतिनिधियों से मर्यादित और जिम्मेदार आचरण की अपेक्षा की जाती है। गुरुवार को शून्यकाल के दौरान यह घटनाक्रम सामने आया था। जब कांग्रेस विधायक हरिमोहन शर्मा सरकारी कार्यक्रमों के लोकार्पण और शिलान्यास से जुड़े मुद्दे पर अपनी बात रख रहे थे। उसी दौरान उनके पीछे बैठे रोहित बोहरा पहले किसी विधायक की ओर हाथ जोड़कर अभिवादन करते दिखे, लेकिन कुछ क्षण बाद कैमरे में हंसते हुए कथित रूप से अभद्र इशारा करते नजर आए। यह दृश्य विधानसभा की लाइव फीड में रिकॉर्ड हो गया, जिसके बाद सियासी हलकों में चर्चा तेज हो गई।

'ब्लास्टिंग से चित्तौडगढ़ किले में दरारें पड़ रही'

जयपुर। विधानसभा में बजट बहस के दौरान शुक्रवार को भाजपा विधायक विश्वराज सिंह मेवाड़ ने कहा कि उद्योगों की ब्लास्टिंग के कारण चित्तौड़गढ़ दुर्ग में दरारें पड़ रही है। राजस्थान अपनी संस्कृति, इतिहास और गौरवशाली परंपराओं के कारण जाना जाता है।

हर शहर की अपनी पहचान होती है, उस पहचान को कायम रखना होगा। विश्वराज सिंह ने कहा कि अरावली को बचाने के लिए प्रयास करने होंगे।

अवैध खनन पर रोक लगानी होगी। नाथद्वारा में अनेक मगरे काटे जा रहे हैं, अवैध खान की जांच होनी चाहिए। हमें पर्यावरण को लेकर सोच बदलनी होगी। पर्यावरण हमें संभालता है।

ओपीजेएस यूनिवर्सिटी बंद, 10 निजी विश्वविद्यालयों की जांच शुरू : बैरवा

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने विधानसभा में कहा कि प्रदेश में फर्जी डिग्री कांड पर राज्य सरकार ने सख्त एक्शन लिया है। फर्जीवाडे की गंभीर आरोपों के कारण चूरू जिले की ओ.पी.जे.एस. यूनिवर्सिटी को बंद करते हुए 10 निजी विश्वविद्यालयों की जांच शुरू कर दी है। उन्होंने यह जानकारी शुक्रवार को भाजपा विधायक कालीचरण सराफ के प्रश्न के जवाब में दी।

उपमुख्यमंत्री डॉ. बैरवा ने बताया कि फर्जीवाडे के गंभीर आरोपों के बाद 7 जनवरी को ओपीजेएस विश्वविद्यालय का परिसमापन कर दिया है। यहां के प्रशासन की जिम्मेदारी संभागीय आयुक्त बीकानेर को सौंपी गई है। मामले में कई दोषी कार्मिकों और दलालों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

इसी तरह मेवाड़ विश्वविद्यालय में भी फर्जी डिग्री प्रकरण में दोषी कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है। अन्य विश्वविद्यालयों की जांच अभी जारी है।

डॉ. बैरवा ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में 53 निजी विश्वविद्यालय संचालित हैं। इनमें से 10 विश्वविद्यालयों के खिलाफ अनियमितताओं की शिकायतें मिलने पर जांच शुरू की गई है।

जांच के दायरे में शामिल प्रमुख संस्थानों में सिंघानिया विश्वविद्यालय झुंझुनूं, सनराइज विश्वविद्यालय अलवर, श्रीधर विश्वविद्यालय झुंझुनूं, माधव विश्वविद्यालय सिरोही, रैफल्स विश्वविद्यालय अलवर, निर्वाण विश्वविद्यालय जयपुर, यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी जयपुर और जगदीश झाबरमल टिबरेवाला विश्वविद्यालय झुंझुनूं शामिल है।

शारीरिक शिक्षा अध्यापक भर्ती परीक्षा-2022 में

- **उपमुख्यमंत्री ने सदन में कहा ''फर्जी डिग्री कांड पर राज्य सरकार ने लिया सख्त एक्शन''**
- **मेवाड़ विश्वविद्यालय में भी फर्जी डिग्री प्रकरण में दोषी कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है : बैरवा**
- **उप मुख्यमंत्री ने कहा कि निजी उच्च शिक्षा संस्थानों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए नियामक आयोग के गठन की प्रक्रिया शुरू की है।**

अनियमितताओं के आरोपों के बाद कुछ विश्वविद्यालयों की समग्र जांच एसओजी को सौंपी गई है। पुलिस जांच में बैक डेट में डिग्रियां और अंकतालिकाएं जारी करने की शिकायतें सामने आईं। इस संबंध में ओपीजेएस विश्वविद्यालय के संचालक जोगेंद्र सिंह समेत कई पूर्व अधिकारी और कथित दलाल गिरफ्तार किए जा चुके है। मेवाड़ विश्वविद्यालय के भी कुछ अधिकारियों को जेल भेजा गया है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि निजी उच्च शिक्षा संस्थानों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए नियामक आयोग के गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पहले तैयार किए गए 'राजस्थान प्राइवेट हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन रेगुलेटरी अथॉरिटी बिल-2023' के प्रावधानों को और मजबूत बनाने के लिए नई समिति गठित की गई है। इसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रावधान भी जोड़े जाएंगे। नया प्रारूप जल्द विधि विभाग को भेजा जाएगा।

राजस्थान विधानसभा में चोर-डाकू की टिप्पणियों से काफी हंगामा मचा

बूंदी विधायक हरिमोहन शर्मा ने भाजपा को कांग्रेस के नेता चुराने वाला बताया तो सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा ने भी कांग्रेस को ''डाकू'' कह दिया

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में कांग्रेस-भाजपा विधायकों ने एक-दूसरे की पार्टियों को चोर और डाकू बताकर टिप्पणियां की तो सदन में हंगामा मच गया।

शुक्रवार को बजट पर बहस के दौरान विधायक हरिमोहन शर्मा ने भाजपा को कांग्रेस के नेता चुराने वाला बताया तो सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा ने कांग्रेस पार्टी को डाकू बता दिया। दोनों विधायकों की इन टिप्पणियों से सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जमकर नोंकझोंक हुई। हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही भी कुछ देर बाधित रही। हालांकि बाद में आसन में दोनों पक्षों से समझाइश कर मामला शांत करवाया।

- **दोनों विधायकों की इन टिप्पणियों से सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जमकर नोंकझोंक हुई, हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही भी कुछ देर बाधित रही**
- **गोपाल शर्मा ने अपनी बात आगे बढ़ाते हुए कहा कि ''मेरे पास कांग्रेस राज के 8 लाख करोड़ के घोटाले का ब्यौरा है, इसे मैं साथ लेकर आया हूं। एक पूर्व मंत्री को जेल भेज दिया तो दूसरे पूर्व मंत्री को क्यों छोड़ दिया? वो छाती ठोक ठोककर कहते हैं हिम्मत है तो जेल भेजो।''**

दरअसल शुक्रवार को बजट पर बहस के दौरान सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा ने कहा कि ''राजस्थान को गाडगिल फॉर्मूले में लाने वाले प्रणब मुखर्जी थे, जिनकी कांग्रेस विधायक दल की बैठक में आपने निंदा की थी।'' गोपाल शर्मा की चर्चा के दौरान बूंदी से कांग्रेस विधायक हरिमोहन शर्मा ने खडत्रे हो गए और उन्होंने भाजपा का नाम लिए बिना कहा कि ''आप कांग्रेस-नेता चोर हो, मतलब कांग्रेस के नेताओं को ही चुरा लेते हो।''

इस दौरान संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि, ''यह रिकॉर्ड में जाना चाहिए, आप कह रहे हो कांग्रेस नेता चोर है।'' जिस पर गोपाल शर्मा ने कहा कि ''कांग्रेस नेता चोर नहीं, डाकू है।'' गोपाल शर्मा की इस टिप्पणी से सदन में हंगामा मच गया। सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायकों ने एक-दूसरे पर टीका-टिप्पणियां करते हुए नोंकझोंक शुरू कर दी। इसी बीच गोपाल शर्मा ने अपनी बात आगे बढ़ाते हुए कहा कि ''मेरे पास कांग्रेस राज के 8 लाख करोड़ के घोटाले का ब्यौरा है, इसे मैं साथ लेकर आया हूं। एक पूर्व मंत्री को जेल भेज दिया तो दूसरे पूर्व मंत्री को क्यों छोड़ दिया? वो छाती ठोक ठोककर कहते हैं हिम्मत है तो जेल भेजो।''

इस पूरे घटनाक्रम और बयानबाजी के कारण सदन की कार्यवाही भी कुछ देर तक बाधित रही। बाद में आसन ने दोनों पक्षों से समझाइश करते हुए मामला शांत कराया। देर शाम सदन की कार्यवाही 16 फरवरी को सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

रैपिडो बाइक चालक ने युवती से की छेड़छाड़

जयपुर। एक युवती को अकेले में रैपिडो कैब बुक करना भारी पड़ गया। शातिर रैपिडो चालक युवती को गलत जगह ले जाने लगा। इस पर पर युवती ने विरोध किया तो रैपिडो चालक ने उसे धमकी दी। इसी दौरान रैपिडो पर बैठी युवती को थोड़ा आगे जाकर कुछ लोग खड़े हुए दिखाई तो युवती ने मदद के लिए शोर मचा दिया। लोगों को इकट्ठा होते देख रैपिडो चालक युवती को उतार कर फरार हो गया। जिसके बाद युवती ने मामले की जानकारी भांकरोटा थाना पुलिस को दी। पुलिस ने छेड़छाड़ का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरु कर दी है। पुलिस ने बताया कि 27 वर्षीय युवती का आरोप है कि गुरुवार को उसने घर जाने के लिए रैपिडो बुक की थी। रैपिडो चालक उसे बाइक पर बैठाकर गलत रास्ते में ले गया। विरोध करने पर आरोपी रैपिडो चालक ने उसे धमकी दी। सुनसान जगह ले जाने लगा। तभी युवती को एक कंपनी के कुछ लोग खड़े दिखाई दिए।

'बी.सी.आर. कार्यकारिणी का कार्यकाल खत्म होने के बाद भी एजी की कमेटी क्यों गठित नहीं?'

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने बार कौंसिल ऑफ इंडिया, बार कौंसिल ऑफ राजस्थान और महाधिवक्ता से पूछा है कि बीसीआर की कार्यकारिणी का कार्यकाल समाप्त होने के बाद भी महाधिवक्ता की अध्यक्षता में कमेटी गठित क्यों नहीं की गई है। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष प्रहलाद शर्मा की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में कहा गया कि बार कौंसिल ऑफ राजस्थान के निर्वाचित सदस्यों का कार्यकाल 17 जुलाई, 2023 को पूरा हो गया था। इससे पूर्व बार कौंसिल ऑफ इंडिया ने अपनी शक्तियों का प्रयोग कर 15 मई को इस कार्यकाल को छह माह के लिए बढा दिया। याचिका में कहा गया कि इस दौरान बीसीआई ने एडवोकेट्स प्लेस ऑफ प्रैक्टिस सत्यापन नियम में संशोधन कर वकीलों के प्रैक्टिस प्रमाण पत्रों के सत्यापन का काम पूरा होने तक 26 जून, 2023 के गजट नोटिफिकेशन के जरिए इस कार्यकाल को डेढ साल के लिए फिर से बढ़ा दिया। याचिका में कहा गया कि यह बढा हुआ कार्यकाल भी दिसंबर, 2024 में पूरा हो चुका है। ऐसे में एडवोकेट एक्ट की धारा 8ए के तहत महाधिवक्ता की अध्यक्षता में कमेटी गठित की जानी चाहिए थी। इसे लेकर याचिकाकर्ता की ओर से बीसीआर को लीगल नोटिस भी भेजा गया, लेकिन कौंसिल की ओर से मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

जल जीवन मिशन घोटाले को लेकर नोकझोंक हुई

जयपुर (विसं)। विधानसभा में जल जीवन मिशन घोटाले को लेकर मंत्री कन्हैयालाल और विपक्ष के बीच नोकझोंक हो गई। भाजपा विधायक राजेंद्र मीणा के सवाल के जवाब में जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने जल जीवन मिशन की गड़बड़ियों पर कार्रवाई का जिक्र किया।

इस पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने पूरक सवाल करते हुए कहा कि जल जीवन मिशन में घोटाले को लेकर केवल छोटे लेवल पर ही कार्रवाई की है। आपने दावा किया कि भ्रष्टाचार हुआ है तो आपने केवल जेईएन-एईएन ही सस्पेंड किए है या किसी आईएएस अफसर के खिलाफ भी कार्रवाई की है? कौन सीनियर अधिकारी थे, जिनके साइन से टैंडर हुए। उन अधिकारियों पर कोई कार्रवाई करने का विचार रखते हैं या नहीं?

मंत्री कन्हैयालाल ने कहा कि जल जीवन मिशन में जो भी दोषी हैं, उन सबके खिलाफ कार्रवाई कर रहे हैं। पूर्व जलदाय मंत्री के खिलाफ कार्रवाई हुई है। अभी जो अधिकारी हैं, तत्कालीन एसीएस हैं, उनके खिलाफ भी हमने एसीबी में मुकदमा दर्ज करवाया है। जो कोई दोषी होगा, उसके खिलाफ कार्रवाई होगी।

मंत्री के जवाब के बाद कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि अफसर का नाम बताइए। केवल गोलमाल किया जा रहा है, नाम बताइए। इसी बीच स्पीकर ने कहा कि नाम थोड़े ही बताया जाता है।

सदन में सवालों के जवाब देने में चूके उपमुख्यमंत्री बैरवा

जयपुर (विसं)। विधानसभा में शुक्रवार को प्रश्नकाल के दौरान उपमुख्यमंत्री और परिवहन मंत्री प्रेमचंद बैरवा एक सवाल का जवाब देने के दौरान गलती कर गए। बैरवा भाजपा विधायक कल्पना देवी के लाडपुरा क्षेत्र में सड़क सुरक्षा मापदंडों के उल्लंघन से जुड़े सवाल का जवाब देने खड़े हुए। इस दौरान बैरवा मूल सवाल की जगह संभावित सप्लीमेंट्री सवाल का जवाब पढ़ने लगे। इस पर भाजपा विधायक कल्पना देवी ने टोकते हुए कहा कि यह तो मैंने अभी पूछा ही नहीं। जिस पर स्पीकर वासुदेव देवनानी ने उपमुख्यमंत्री बैरवा को टोकते हुए कहा कि आप गलत जवाब पढ़ रहे है, जवाब यह नहीं है। डिप्टी सीएम ने तत्काल गलती मानते हुए माफी मांगी।

ग्रामीण अस्पतालों में नहीं है डॉक्टर-कम्पाउन्डर : मेहर

जयपुर (विसं)। कांग्रेस विधायक घनश्याम मेहर ने शुक्रवार को विधानसभा में बजट बहस के दौरान कहा कि ''प्रदेश के ग्रामीण इलाके बेहाल हैं। अस्पतालों में डॉक्टर कंपांउडर नहीं हैं। जनता सोच रही है, डबल इंजन जा कहां रहा है, ले जा कहां रहा है? डबल इंजन की सरकार राजस्थान को गंगाजी ले जा रहा है।''

उन्होंने कहा कि बजट में न कोई कॉलेज और अस्पताल खोले हैं, न पानी- बिजली, सड़क जैसी मूलभूत जरूरतों पर ठोस काम किया है। एक विधायक को छह हैंडपंप और 3 ट्यूबबेल दिए हैं, ये वो कहां लगाएगा? विधानसभा क्षेत्र का इलाका बहुत बड़ा होता है, इतने से कैसे काम चलेगा? हमारी सरकार में हर विधायक को 100 हैंडपंप दिए जाते थे। इस सरकार में तो 6 हैंडपंप भी हमारे कहने से नहीं लगाए जाते। मेहर ने कहा कि बेवजह की घोषणाओं का मायाजाल गुमराह करने वाला है। पिछली बार टोडाभीम में बस स्टैंड की घोषणा की, वो आज तक नहीं बना। आपकी जेब में 100 रुपए है तो उतनी ही बात करो। लोगों को गुमराह करने के लिए 1000 रुपए की घोषणा मत करो।

मेहर ने कहा कि करौली के पहाड़ों पर 40 गांव बसे हैं, वहां आयरन की लीज दे रहे हैं और कह रहे हैं कि लोहा अयस्क निकालकर गुजरात ले जाएंगे। किसानों को जमीन से हटा रहे हैं और उद्योगपतियों के लिए ग्रीनफील्ड रोड बना रहे हैं। राजस्थान में कोई स्टील कारखाना नहीं है। किसानों को उजाड़कर लोह अयस्क गुजरात जाएगा।

राज्य के प्रथम 'नेफैड बाजार' का उद्घाटन

'किसान से किचन तक' की संकल्पना पर आधारित है नेफैड बाजार : दक

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने शुक्रवार को नेहरू सहकार भवन में नेशनल एग्रीकल्चर को-ऑपरेटिव मार्केटिंग फैडरेशन ऑफ इंडिया लि. (नेफैड) द्वारा शुरु किये गए रिटेल आउटलेट 'नेफेड बाजार' का फीता काटकर उद्घाटन किया। 'किसान से किचन तक' की संकल्पना पर आधारित इस 'नेफेड बाजार' के माध्यम से किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिलेगा और उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध होंगे।

सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने शुक्रवार को नेहरू सहकार भवन में रिटेल आउटलेट 'नेफेड बाजार' का उद्घाटन किया।

दक ने कहा कि राज्य के इस प्रथम 'नेफैड बाजार' का शुभारम्भ किसानों की समृद्धि एवं उपभोक्ताओं की सुविधा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सहकारिता मंत्री ने कहा कि वर्ष 1958 से किसानों की सहकारी संस्था के रूप में नेफेड किसानों को उचित मूल्य और उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। राजस्थान जैसे कृषि प्रधान राज्य में इस प्रकार की पहलें अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नेफेड बाजार न केवल उपभोक्ताओं को शुद्ध, प्रमाणित और गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध कराएगा बल्कि किसानों के लिए स्थायी और लाभकारी विपणन की व्यवस्था भी सुनिश्चित करेगा। साथ ही, उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में राज्य के अन्य जिलों में भी 'नेफैड बाजार' स्थापित किए जाएंगे। इस अवसर पर सहकारिता विभाग की शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां आनन्दी, नेफैड के निदेशक रामप्रकाश चौधरी सहित सहकारिता विभाग एवं नेफेड के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

सार-समाचार

प्रतिभा सम्मान समारोह कल

झुंझुनूं, (निसं)। कुरैशी बिरादरी की अखिल भारतीय सामाजिक संस्था ऑल इंडिया जमीयतुल कुरैश की स्थापना सन 1924 में देश आजादी की लड़ाई में भाग लेने वाले फ्रीडम फाइटर मेरठ के रहीस घराने में जन्में हाजी राशिदु द्विन्न कुरैशी की अध्यक्षता में हुई उन्होंने कुरैशी बिरादरी को एक आवश्यक मीटिंग बुलाकर कौम के युवाओं, बुज़ूर्ग, नौजवान साथियों को इकट्ठा कर समाज की बेहबुधी एवं तरक्की के लिए आवाज उठाने एवं एकजुट होकर समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने, शिक्षा को महत्व देने एवं देश की आजादी के लिए समाज के युवाओं को अपने प्राण न्यौछावर करने के लिए अठिाम पंक्ति में रहने के लिए प्रेरित किया। जानकारी देते हुए जिलाध्यक्ष उमर कुरैशी ने बताया कि संस्था के 100 साल पूर्ण होने पर राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन रविवार 15 फरवरी को जयपुर स्थित बिड़ला ऑडिटोरियम में सुबह 10 बजे आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में समाज के उन युवाओं को जिन्होंने विभिन्न सरकारी डिपार्टमेंट में सिलेक्ट हुए प्रदेश की विभिन्न जिलों में समाज की भलाई के लिए कार्य कर रही संस्थाएं, डॉक्टर्स, इंजीनियर्स, भारतीय सेना में कार्यरत जवान, ऑफिसर को राष्ट्रीय अध्यक्ष सिराजुद्दीन कुरैशी के मुख्य आतिथ्य में सम्मानित किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष नईमुद्दीन कुरैशी एवं प्रदेश भर की जिला टीमें एवं विशेष रूप से कार्यक्रम में देश और विदेशभर से नामी गिरामी उद्योगपति, नामचीन राजनीतिक, सामाजिक हस्तियां शिरकत करेंगे।

भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा शुरु

झुंझुनूं, (निसं)। कारूंडिया रोड स्थित स्काउट गाइड मैदान में अलसीसर शर्मा परिवार के तत्वावधान में शुक्रवार को गौ संवर्धन के लिए आयोजित श्रीमद्भागवत ज्ञानयज्ञ कथा का भव्य शुभारंभ दिव्य कलश शोभायात्रा के साथ हुआ। कथा संयोजक प्रदीप शर्मा अलसीसर वाले ने बताया कि लावरेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण से 551 महिलाओं ने गाजे बाजे के साथ राधा कृष्ण की झांकी, हरेरामा, हरे कृष्णा की कीर्तन टोली आदि सहित पांच भव्य झांकियों के साथ भव्य कलश शोभायात्रा निकाली। जो राणी सती रोड, चूणा चौक, गांधी चौक होते हुए कारूंडिया रोड स्थित स्काउट गाइड मैदान कथा स्थल पर पहुंची। कलश शोभायात्रा का रास्ते में जगह जगह पुष्प वर्षा से भव्य स्वागत हुआ। श्रीमद्भागवत कथा पुस्तक का पूजन कर मुख्य यजमान पुष्पा देवी एवं विमल शर्मा ने कथा की दिव्य पुस्तक को सिर पर रखकर कलश शोभायात्रा में भाग लिया। शोभायात्रा के बाद संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का वाचन कथावाचक लाल गोविंद दास महाराज इस्कॉन मंदिर अमेरिका ने कथा का रस पान करवाया। उन्होंने बताया कि 19 फरवरी तक प्रतिदिन दोपहर दो बजे से शाम पांच बजे तक होने वाली सप्ताह कथा परायण के प्रथम दिवस कथावाचक लाल गोविंद महाराज ने अपने मुखारबिंद से श्रीमद्भागवत महापुराण कथा महात्म्य व एकादशी महत्त्व का विस्तार से वर्णन किया। कथा स्थल तक आने जाने के लिए शहर के प्रमुख स्थानों एवं आसपास के कस्बों से निशुल्क आने जाने के लिए वाहनों व्यवस्था की गई है। शोभायात्रा में राजकुमार शर्मा, सुनिल शर्मा, आदित्य शर्मा, उमाशंकर महमिया, शिवचरण पुरोहित, पवन शर्मा देरवाला, कमलकांत शर्मा, गणेश हलवाई, वशिष्ठ शर्मा, एडवोकेट सुशील जोशी, रामगोपाल महमिया, विनोद सिंघानिया, डॉ. डीएन तुलस्यान, राजकुमार तुलस्यान, श्रीकांत पंसारी, विकास पुरोहित, राकेश सहल, सुरेन्द्र शर्मा ढानीवाला, अनिल जोशी, रविन्द्र तोलियासर, पवन पुजारी, शिवचरण हलवाई, प्रमोद खंडेलिया आदि काफी संख्या में भक्तगणों ने भाग लिया।

वार्षिकोत्सव पर गुंजी सुंदरकांड की चौपाइयां

चूरू (निसं)। स्थानीय प्रतिभा नगर स्थित श्री श्याम मंदिर के 51वें वार्षिकोत्सव के चार दिवसीय कार्यक्रम के दौरान गुरूवार शाम भव्य सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। मंदिर के पुजारी संतोष भुद्वाढरा ने ज्योत प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। पाठ का वाचन श्री सालासर हनुमान सुंदरकांड समिति चूरू द्वारा गणेश वंदना से किया। उसके बाद समिति के पदाधिकारियों ने संगीत के साथ दीनदयाल विरज संभारी हरोनाथमें संकट भारी चौपाई के साथ पाठ का वाचन करते हुए वातावरण को धार्मिक मय बना दिया। मंदिर के पुजारी संतोष भुद्वाढरा ने बताया कि शनिवार 14 फरवरी को प्रात: 10 बजे संगीत मय श्री श्याम अखंड ज्योति पाठ का वाचन मेहुल शर्मा, हेमलता खंडेलवाल, आशीष शर्मा आशु, हिमांशु शर्मा अपनी मधुर वाणी से पाठ का वाचन करेंगे। आयोजन समिति के कैलाश चंद्र नवहाल ने बताया कि 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के पावन पर्व व मंदिर की स्थापना पर मंदिर प्रांगण से दोपहर 2 बजे भव्य निशान यात्रा निकाली जायेगी। शोभायात्रा में बाबा श्याम रथ पर विराजमान होंगे। शोभायात्रा में नटराज ठाुप द्वारा सजीव झांकियां आकर्षण का केन्द्र होगी। आयोजन समिति ने श्याम भक्तों को कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर पुण्य लाभ प्राप्त करने का आठाह किया है।

484 स्काउट गाइड रोवर रेंजर राज्य पुरस्कार से सम्मानित

सीकर (निसं)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड राज्य प्रशिक्षण केंद्र जगतपुरा जयपुर पर आयोजित राज्य स्तरीय राज्य पुरस्कार समारोह में हरीभाऊ बागडे महामहिम राज्यपाल राजस्थान के हस्ताक्षर एवं कर कमलों द्वारा सीकर जिले के विगत 4 वर्षों से उत्कृष्ट सेवा देने वाले एवं उच्च योग्यता हासिल करने वाले कर्मठ सेवाभावी एवं ऊर्जावान 484 सदस्यों जिसमें 374 स्काउट 66 गाइड 14 रोवर 30 रेंजर सम्मानित किया गया। जिनका प्रतिनिधित्व स्थानीय संघ श्रीमाधोपुर से नीतू शर्मा, रेंजर पंकज कुमार सैनी रोवर, स्थानीय संघ फतेहपुर से स्काउट मनीष, जयवर्धन ,आदित्य , अमित, स्थानीय संघ अजीतगढ़ से गाइड नेहा व अक्षिता, स्थानीय संघ पाटन से गाइड कृतिका योगी, डिंपल मीणा अवार्ड प्राप्त करने के लिए सभी का प्रतिनिधित्व किया। इस अवसर पर ओटाराम देवासी मंत्री राजस्थान सरकार, निरंजन आर्य स्टेट चीफ कमिश्नर स्काउट गाइड,राज्य सचिव पी सी जैन, राज्य संगठन आयुक्त स्काउट पूरण सिंह शेखावत, राज्य संगठन आयुक्त गाइड सुयश लोढ़ा, बन्ना लाल स्टेट ट्रेनिंग कमिश्नर स्काउट, सहायक राज्य संगठन आयुक्त स्काउट दामोदर प्रसाद शर्मा, सहायक राज्य संगठन आयुक्त गाइड नीता शर्मा उपस्थित रहे। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी सुरेंद्र सिंह शेखावत , जिला शिक्षा अधिकारी मुकेश कुमार जैमन,अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी विक्रम सिंह, रामचंद्र बगड़िया,बाबूलाल गुर्जर, सी.ओ. स्काउट गाइड बसंत कुमार लाटा ने सभी सदस्यों को बहुत-बहुत बधाई व शुभकामनाएं दी गई।

मोदी वर्ल्ड स्कूल विज्डम सिटी में 'टॉक शो' का आयोजन

झुंझुनूं, (निसं)। मोदी वर्ल्ड स्कूल विज्डम सिटी के नवरंग कला मंडपम् में एक विशेष टॉक शो का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सुप्रसिद्ध उद्योगपति और समाजसेवी संजय जालान रहे। जिन्होंने अपने जीवन के अनुभवों से विद्यार्थियों में सफलता का नया जोश भरा। उन्होंने अपने जीवन के शून्य से शिखर तक का संघर्ष विद्यार्थियों के साथ साझा किया। कार्यक्रम की शुरुआत में विद्यालय के प्राचार्य डॉ. रविशंकर शर्मा ने संजय जालान का परिचय देते हुए बताया कि कैसे उन्होंने कपड़े की एक छोटी सी दुकान से अपना सफर शुरू किया और आज एक सफल औद्योगिक साम्राज्य स्थापित किया है। उनकी कहानी इस बात का जीवंत उदाहरण है कि ईमानदारी और कडी मेहनत से बड़े से बड़ा लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। जालान ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के बदलते भारत में सफलता के लिए किसी खास परिवार में जन्म लेना जरूरी नहीं है। सफल होने के लिए अंबानी के घर पैदा होना जरूरी नहीं, बल्कि आपके भीतर खुद को तपाने का जुनून होना चाहिए। सूरज आपको न जगाए, बल्कि आप सूरज को जगाएं। जो वक्त की कद्र करता है, वक्त भी उसकी कद्र करता है। अगर आपके सपने बड़े हैं, तो संघर्ष भी बड़े होंगे। बिना घड़ी देखे निरंतर मेहनत करना ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने शिक्षकों की तुलना चाणक्य से की। जो विद्यार्थियों को तराश कर भविष्य का चंद्रगुप्त बना सकते हैं। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय के निदेशक आकाश मोदी ने संजय जालान का आभार व्यक्त किया और उन्हें स्मृति चिह्न भेंट किया और कहा कि मोदी वल्र्ड स्कूल विद्यार्थियों को न केवल बेहतरीन शिक्षा बल्कि भविष्य के दूरदर्शी लीडर्स के रूप में तैयार करने के लिए संकल्पित है। टॉक शो में छात्रावास निदेशक कुरड़ाराम धींवा, उपप्राचार्या सरोज सिंह, हैडमिस्ट्रेस उमा शर्मा, प्रशासक कमलेश कुलहरि, एडमिशन डायरेक्टर श्यामसुंदर शर्मा तथा सभी अध्यापक-अध्यापिकाएं उपस्थित थे।

बाबा मेडांवाला धाम पर रहेगा महाकुंभ जैसा माहौल

पिलानी(निसं)। शेखावाटी की पावन धरा पर स्थित बाबा मेडांवाला धाम सुजडौला में 17 से 27 फरवरी तक भव्य और विराट धार्मिक आयोजन होने जा रहा है। बाबा आकाश गिरी महाराज के सानिध्य में आयोजित इस महोत्सव को लेकर क्षेत्र में जबरदस्त उत्साह और आस्था का वातावरण है। पांच गांवों- दमकोरा, छापड़ा वास, छापड़ा, लिखवा और सुजडौला के श्रद्धालु इस आयोजन के मुख्य आयोजक रहेंगे। पूरे कार्यक्रम की कमान ठाामवासियों के हाथों में होगी और विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए अलग-अलग समितियों का गठन किया गया है। जिसमें सभी ठाामीणों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है। धर्मप्रेमी महेश बसावतिया झुंझुनूं ने बताया कि 17 से 25 फरवरी तक धाम परिसर में प्रतिदिन यज्ञ, हवन और वैदिक अनुष्ठानों की पावन ध्वनि गूंजेगी। इसी शृंखला में श्रीमद् भागवत कथा एवं रासलीला का आयोजन भी किया जाएगा। जिससे श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक रसपान का अवसर मिलेगा। वहीं 17 फरवरी को भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। जिसकी संपूर्ण व्यवस्था क्षेत्र की महिलाओं ने संभाली है। इस आयोजन में सपना जैन, सुनिता पारीक, वर्षा पारीक, मोनिका पारीक, संगीता पारीक सहित अनेक ठाामीण महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाने का संकल्प लिया है। वहीं 25 से 27 फरवरी तक धाम पर भव्य मेले का आयोजन होगा। मेले में विभिन्न प्रकार की खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी तथा विशाल कुश्ती दंगल मुख्य आकर्षण रहेगा। विजेताओं के लिए आकर्षक नगद पुरस्कार घोषित किए गए हैं। जिनमे प्रथम पुरस्कार 21000, द्वितीय पुरस्कार 11000 तथा तृतीय पुरस्कार 5100 रूपए होंगे। इस आयोजन को लेकर आसपास के क्षेत्रों में खासा उत्साह है और बडी संख्या में खिलाड़ियों के भाग लेने की संभावना है। भाजपा नेता महेश बसावतिया ने बताया कि नौ दिनों तक बाबा मेडांवाला धाम पर महाकुंभ जैसा माहौल रहेगा। प्रदेश और देश के विभिन्न स्थानों से संत-महात्माओं के आगमन की भी संभावना है। जिससे आयोजन की गरिमा और बढ़ेगी। महंत बाबा आकाशगिरी महाराज ने समस्त क्षेत्रवासियों से इस भव्य धार्मिक आयोजन में भाग लेकर धर्मलाभ लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, संस्कार और श्रद्धा का महापर्व है। स्पष्ट है कि फरवरी के इन दस दिनों में सुजडोला-पिलानी की धरती आस्था, भक्ति और सामाजिक समरसता का केंद्र बनने जा रही है, जहां श्रद्धा का सैलाब उमड़ेगा और बाबा मेडांवाला धाम एक बार फिर इतिहास रचेगा।

महाराजा सूरजमल की जयंती मनाई

झुंझुनूं, (निसं)।झुंझुनूं के संस्थापक वीर झुंझा स्मारक स्थल पर अजेय महायोद्धा महाराजा सूरजमल की जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई गई। महाराजा सूरजमल स्वाभिमान मंच के संयोजक नेशनल यूथ आइकॉन वकील विजयहिंद जालिमपुरा ने बताया कि अपने जीवनकाल के सभी 80 युद्ध जीतने वाले एक ऐसे महान सम्राट जिसने मां भारती की अस्मिता को विदेशी आक्रांताओ से सुरक्षित रखा तथा भारत की संस्कृति और अखंडता को अक्षुण्ण रखने में सर्वोच्च योगदान देने वाले युगपुरुष की जीवनी को हमारी आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। जिससे राष्ट्र की युवा पीढ़ी प्रेरणा ले सके। सर्वप्रथम सभी गणमान्यजनों ने सूरजमल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर एवं जयघोष कर श्रद्धांजलि दी।

प्री-काउंसलिंग, त्वरित न्याय की दिशा में पहल

■ शेष मामलों में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर अंतिम निर्णय तक पहुंचाने के प्रयास किए जाएंगे

झुंझुनूं(निसं)। कंज्यूमर्स वॉइस जागरूकता अभियान के तहत जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग में लंबित उपभोक्ता मामलों के त्वरित निस्तारण की दिशा में प्री-काउंसलिंग प्रक्रिया की शुरुआत कर दी गई है। शुक्रवार को आयोग अध्यक्ष मनोज कुमार मील ने सदस्य प्रमेंद्र सैनी एवं अधिवक्ताओं के साथ न्याय टेबल पर बैठकर कई प्रकरणों की प्री-काउंसलिंग की और पक्षकारों को आपसी सहमति से विवाद सुलझाने के लिए प्रेरित किया। अभियान के अंतर्गत प्रत्येक लंबित उपभोक्ता मामले को राष्ट्रीय लोक अदालत से पहले प्री-काउंसलिंग से गुजराया जा रहा है। ताकि अधिकाधिक मामलों का समाधान आपसी समझौते से किया जा सके और उपभोक्ताओं को त्वरित राहत मिल सके। इस दौरान पक्षकारों को उनके अधिकारों, जिम्मेदारियों तथा वैकल्पिक विवाद निस्तारण के महत्व की जानकारी भी दी गई। अध्यक्ष मील ने बताया कि जिन मामलों में आपसी सहमति से समाधान संभव होगा। उन्हें शीघ्र निस्तारित किया जाएगा। जबकि शेष मामलों में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर अंतिम निर्णय तक पहुंचाने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह पहल उपभोक्ता आयोग में लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण और उपभोक्ताओं को त्वरित न्याय दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कंज्यूमर्स वॉइस अभियान के तहत आगे भी प्री-काउंसलिंग सत्र, जागरूकता कार्यक्रम और संवाद आयोजित किए जाएंगे। ताकि उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़े और अधिक से अधिक मामलों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित हो सके। उपभोक्ताओं के हित में जिला आयोग में न्याय टेबल पर जिला अभिभाषक संस्था ने भी आगे बढ़कर सहयोग देते हुए लंबित प्रकरणों की प्री काउंसलिंग में हिस्सा लिया। इस दौरान बार अध्यक्ष रतन मोरवाल, पूर्व बार अध्यक्ष विजय ओला, अधिवक्तागण नरोत्तम , अनुज शर्मा, ओमप्रकाश , राजेंद्र , उमेश शर्मा, तेजवीर, मधुसूदन , कमलेश, डीपी, किरण , हेतराम, अभिषेक, फूलचंदे, सहायक प्रशासनिक अधिकारी भीम सिंह राजपुरोहित,आदि मौजूद रहे।

75 वर्षीय महिला का सफल घुटना प्रत्यारोपण

झुंझुनूं, (निसं)। जिला मुख्यालय स्थित भविष्या हॉस्पिटल में घुटना प्रत्यारोपण अब नियमित प्रक्रिया बन चुकी है। वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. अमित उदयपुरिया एवं उनकी टीम आधुनिक तकनीक और विशेषज्ञ देखभाल के साथ लगातार सफल ऑपरेशन कर मरीजों को राहत प्रदान कर रही है। हाल ही में 75 वर्षीय सुलोचना देवी पत्नी पुरुषोत्तमलाल गुप्ता का सफल घुटना प्रत्यारोपण कर हॉस्पिटल ने एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। झुंझुनूं के हरिओम अपार्टमेंट निवासी प्रवीण गुप्ता की माता सुलोचना देवी पिछले दो से ढाई वर्षों से घुटनों के असहनीय दर्द से परेशान थी। परिजनों ने उन्हें दिल्ली, जयपुर सहित विभिन्न स्थानों पर चिकित्सकों को दिखाया और लंबे समय तक दवाइयां भी ली। लेकिन अपेक्षित आराम नहीं मिला। पिछले एक माह से उनकी स्थिति और बिगड़ गई थी तथा चार कदम चलना भी मुश्किल हो गया था। एक परिचित मरीज की सलाह पर परिजन सुलोचना देवी को भविष्या हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। जांच के बाद डॉ. उदयपुरिया ने आश्वस्त किया कि घुटना प्रत्यारोपण सुरक्षित और प्रभावी प्रक्रिया है। आठ फरवरी 2026 को उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया और नौ फरवरी को सफल ऑपरेशन किया गया। बेहतर पोस्ट-ऑपरेटिव देखभाल के चलते 13 फरवरी को उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उल्लेखनीय है कि छुट्टी के समय उन्होंने हल्के से सहारे के साथ अस्पताल की लगभग 60-70 सीढ़ियां स्वयं उतरकर सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। अस्पताल टीम में डॉ. उदयपुरिया के साथ अविनाश, विजेंद्र सिंह सहित पूरी मेडिकल और नर्सिंग टीम का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। समर्पित टीमवर्क और आधुनिक सुविधाओं के कारण मरीज को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ मिला। डॉ. उदयपुरिया ने बताया कि आधुनिक तकनीक, उच्च गुणवत्ता वाले इम्प्लांट और अनुभवी टीम के कारण अब घुटना प्रत्यारोपण तेजी से और सुरक्षित रूप से किया जा रहा है। अस्पताल में प्री-ऑपरेटिव जांच से लेकर ऑपरेशन और बाद की फिजियोथैरेपी तक संपूर्ण उपचार एक ही छत के नीचे उपलब्ध है। साथ ही अस्पताल में राज्य सरकार की राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम योजना का लाभ भी पात्र मरीजों को दिया जा रहा है। जिससे आर्थिक रूप से भी राहत मिल रही है और महंगे ऑपरेशन सुलभ हो पा रहे हैं। स्वस्थ होने के बाद सुलोचना देवी ने डॉक्टर और पूरी टीम को आशीर्वाद देते हुए कहा कि बुजूर्गों को फिर से चलने-फिरने लायक बनाना ईश्वर के बाद डॉक्टरों का ही कार्य है।

छात्राओं ने किया आशा का झरना विद्यालय का शैक्षिक भ्रमण

झुंझुनूं(निसं)। राज्य महिला नीति 2021 के अंतर्गत श्री राधेश्याम आर. मोरारका राजकीय महाविद्यालय की 30 छात्राओं ने मानसिक विमंदित एवं मूक-बधिर विद्यालय आशा का झरना का शैक्षिक भ्रमण किया। इस भ्रमण का उद्देश्य विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शिक्षा व्यवस्था, उनकी दिनचर्या तथा उनके सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों को समझना था। विद्यालय में बच्चों को विशेष शिक्षण पद्धितयों के माध्यम से शिक्षा प्रदान की जाती है। प्रशिक्षित शिक्षक सांकेतिक भाषा, चित्रों, गतिविधियों एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से बच्चों को शिक्षित करते हैं। छात्राओं ने विद्यालय में कक्षाएं, खेल-कक्ष, प्रशिक्षण कक्ष, परामर्श कक्ष तथा फिजियोथेरेपी कक्ष की समुचित व्यवस्थाएं देखीं। बच्चों की प्रतिभा एवं आत्मविश्वास देखकर छात्राएं अत्यंत प्रभावित हुई और उन्हें जीवन में सकारात्मक रहने की प्रेरणा मिली। इस प्रकार के सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यक्रम विद्यार्थियों में संवेदनशीलता एवं सेवा-भाव का विकास करते हैं।

राष्ट्रीय राजमार्गों को पार करने में आमजन को नहीं हो असुविधा

■ राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर फतेहपुर इलाके का उठाया मुद्दा

झुंझुनू(निसं) । सांसद बृजेन्द्र सिंह ओला ने अतारांकित प्रश्न के माध्यम से राष्ट्रीय राजमार्ग-52 एवं राष्ट्रीय राजमार्ग-11 के दोनों ओर बसी अनेक गांवों की आबादी के सुरक्षित आवागमन का गंभीर मुद्दा लोकसभा में उठाया। सांसद ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर फतेहपुर के निकट ठााम हरसावा बडा, राष्ट्रीय राजमार्ग-11 पर फतेहपुर के निकट ठााम रोलसाहबसर तथा राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर रामगढ़ शेखावाटी के निकट ठााम फदनपुरा की आबादी राजमार्गों के दोनों ओर बसी हुई है। इन गांवों में विद्यालय, अन्य शिक्षण संस्थान, सार्वजनिक सुविधाएं तथा किसानों के खेत भी राजमार्ग के दोनों ओर स्थित हैं। इस स्थिति के कारण इन गांवों के पुरुषों, महिलाओं एवं बच्चों को प्रतिदिन अपने खेतों, विद्यालयों तथा अन्य आवश्यक कार्यों के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग पार करना पड़ता है। भारी यातायात के चलते आमजन को अत्यधिक असुविधा का सामना करना पडता है तथा हर समय सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। सांसद ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग के बनते समय ही गांवों के आमजन को सड़क के दोनों तरफ जाने की सुविधाएं बनानी चाहिए। क्योंकि अनेक जगह गांवों की आबादी और खेत, कार्यालय सड़क के दोनों ओर रहते हैं। सांसद ने लोकसभा में कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर रामगढ़ शेखावाटी के पास निर्माणाधीन फ्लाईओवर तथा निर्माणाधीन अंडरपास के कार्यों को शीघ्र पूरा किया जाए, ताकि स्थानीय नागरिकों को हो रही परेशानियों से राहत मिल सके। इसके साथ ही सांसद ने फतेहपुर-सीकर राष्ट्रीय राजमार्ग-52 को फोर-लेन किए जाने के लिए शीघ्र डीपीआर तैयार कराकर निर्माण कार्य प्रारंभ करने की मांग भी रखी।

ज्ञान ही मोक्ष का मार्ग है ज्ञान से भक्ति होती है

बीदासर(निस) निकटवर्ती गांव धोरां की ढाणी स्थित गोरखधुणा में संत पं. रेंवती रमण के आश्रम पर महा शिवरात्रि महोत्सव के उपलक्ष में रूद्र महायज्ञ समिति के तत्वधान में 121 कुंडीय रूद्र महायज्ञ में यज्ञाचार्य पंडित चन्द्रशेखर दाधीच के वैदिक मंत्रोंच्चार के साथ 121 पंडितों व 363 जोड़ों ने एक साथ आहुतियां दी। विशाल धार्मिक आयोजन के चलते मंत्रोच्चार की गुंज से आस-पास के क्षेत्रों में वातावरण धर्ममय बना हुआ है। वहीं यज्ञ के दर्शन के लिए निकटवर्ती कस्बा नागौर, डिडवाना, लाडनू, सालासर, सीकर, नेछुआ, रतनगढ, पडिहारा, छापर, बीदासर सहित अनेक क्षेत्रों से सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु ने पहुंचकर यज्ञ के दर्शन किये तथा ओम नम शिवाय का जाप करते हुये यज्ञ मण्डप की परिक्रमा की। यज्ञ के साथ यज्ञ स्थल के पास प्रात: भागवत कथा का वाचन करते हुये पंडित नोरतमल शर्मा ने कहा कि इस संसार में मावन शरीर मिलना कठिन है और यदि मिल जाये जागृति होना कठिन है या फिर सच्चे संत, महात्मा का संग मिलना कठिन है।

गठियाबाय के इलाज में 'कार-टी' तकनीक बन सकती है वरदान

नवलगढ़, (निसं)। ऑस्ट्रेलिया के प्रतिष्ठित चिकित्सक और दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के सबसे बड़े सरकारी रॉयल एडिलेड हॉस्पिटल के क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. प्रवीण कुमार हिसारिया ने कहा है कि आने वाले पांच-छह वर्षों में कैंसर की तरह गठियाबाय (रूमेटाइड आर्थराइटिस) जैसी ऑटोइम्यून बीमारियों की रोकथाम के लिए 'कार-टी' सेल थेरेपी एक प्रभावी विकल्प बनकर सामने आ सकती है। उन्होंने इसे गठियाबाय मरीजों के लिए किसी वरदान से कम नहीं बताया। डॉ. हिसारिया 11 वर्षों बाद अपने गृह नगर झुंझुनूं जिले के नवलगढ़ कस्बे में पहुंचे। जहां उन्होंने विप्र मंडल द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर में सेवाएं दीं। यह शिविर उनके दादा स्वर्गीय सीताराम हिसारिया की स्मृति में उनके पिता शशि हिसारिया की ओर से आयोजित किया गया था। शिविर में लगभग 200 से अधिक मरीजों को निशुल्क परामर्श दिया गया। डॉ. हिसारिया ने बताया कि 'कार-टी' सेल थेरेपी वर्तमान में मुख्य रूप से ब्लड कैंसर के उपचार में उपयोग हो रही है। यह तकनीक शरीर की प्रतिरक्षा कोशिकाओं (टी सेल्स) को संशोधित कर बीमारी से लड़ने के लिए सक्षम बनाती है। उन्होंने बताया कि रूमेटाइड गठिया जैसी बीमारियों में शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली गलती से अपने ही जोड़ों पर हमला करती है। ऐसे में 'कार-टी' तकनीक भविष्य में उन गलत बी-सेल्स को समाप्त कर सकती है। जो ऑटोएंटीबॉडी बनाकर सूजन और दर्द का कारण बनती हैं। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि गठियाबाय में इसका उपयोग अभी शोध और क्लिनिकल ट्रायल के चरण में है। लेकिन प्रारंभिक अध्ययनों में सकारात्मक संकेत मिले हैं। इससे पहले मंडावा से आए महाराज गणेश चैतन्य ने दीप प्रज्जवलित कर शिविर का शुभारंभ किया। विप्र मंडल के ओमप्रकाश सर्राफ, रामस्वरूप बासोतिया, मुरारीलाल, नरोत्तम शर्मा, शेखर मिश्रा, महेश मिश्रा, पवन नागवान ने शिविर में सहयोग दिया। वहीं अंत में राकेश हिसारिया व संदीप हिसारिया ने आभार जताया।

डॉ. हिसारिया ने लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि हर जोड का दर्द केवल ऑर्थोपेडिक समस्या नहीं होता। कई बार यह ऑटोइम्यून बीमारी का संकेत हो सकता है। इसलिए सही बीमारी की पहचान कर क्लिनिकल इम्यूनोलॉजिस्ट या रूमेटोलॉजिस्ट जैसे विशेषज्ञ डॉक्टर से परामर्श लेना जरूरी है। उन्होंने चिकित्सा परिपाटी में बदलाव की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि सही निदान ही सही उपचार की कुंजी है। गठियाबाय के बढ़ते मामलों पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि बदलती जीवनशैली, अस्वस्थ खान-पान, धूप से दूरी और आनुवंशिक कारण इसके प्रमुख कारक हैं। उन्होंने लोगों को नियमित व्यायाम, संतुलित आहार और पर्याप्त धूप लेने की सलाह दी। इस स्वास्थ्य शिविर में निरमया हेल्थ केयर जयपुर के क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी एवं रूमेटोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. बनवारी शर्मा तथा एसएमएस जयपुर के विशेषज्ञ डॉ. अविनाश जैन ने भी मरीजों को निशुल्क परामर्श दिया।

सार-समाचार

मेले का उद्देश्य बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाना है : आत्रेय

चूरू(निसं)। कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में शुक्रवार को किशोरी बाल मेले का आयोजन किया गया। मेले का उद्घाटन एडीपीसी सरिता आत्रेय, सीबीईओ भंवरलाल डूडी, एसीबीईओ सूर्यकान्त शर्मा, युसीईईओ ओमप्रकाश फगेड़िया, नोडल प्रिंसिपल मुकुल भाटी, व्याख्याता समुद्र सिंह, वाइस प्रिंसिपल ज्योति मंगलहारा व प्रधानाध्यापिका बनिता ने फीता काटकर किया। डीईओ मा. किशनलाल गहनोलिया ने भी मेले का अवलोकन कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मेले में आठ विद्यालयों के लगभग 250 विद्यार्थियों ने भाग लिया और 35 प्रकार की स्टालें लगाई गई, जिसमें उत्कृष्ट तीन स्टालों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एडीपीसी सरिता आत्रेय ने कहा कि किशोरी बाल मेले का उद्देश्य बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाना तथा उनमें आत्मविश्वास विकसित करना है। नोडल प्रधानाचार्य मुकुल भाटी ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में शैक्षिणक, रचनात्मक और आत्मनिर्भरता से जुड़े कौशल के विकास को बढ़ावा देना है। मेले में छात्राओं ने विज्ञान, गणित, हिंदी, अंग्रेजी व बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, खेल-खेल में शिक्षा का ज्ञान, शिक्षा के प्रति रोचकता पैदा करना जैसे गेम्स को प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर उत्कृष्ट परिणाम देने वाली छात्रा को विद्यालय अध्यापिका सुनीता सहारण ने 1100 रूपये का नकद देकर सम्मानित किया गया। मेले में वार्डन रहेजा बानो, अंजू पूनिया, अनीता, सुकेश, विनोद, संतोष, सुनीता, शारदा, सुनीता सहारण, मोहन राम ने उत्कृष्ट कार्य करने पर वार्डन अंजू पूनिया को सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन कृष्णा पचार ने किया।

विधायक राजेंद्र भांबू का भव्य स्वागत आज

झुंझुनूं, (निसं)। विधायक राजेंद्र भांबू के जयपुर से झुंझुनूं आगमन पर कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। विधानसभा में ऐतिहासिक बजट पेश किए जाने के बाद विधायक के प्रथम नगर आगमन को लेकर समर्थकों में उत्साह का माहौल है। स्वागत कार्यक्रम शनिवार को दोपहर 12:30 बजे गोल्डन सिटी के पास गुढ़ा रोड स्थित स्थल पर आयोजित होगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं आमजन की उपस्थिति की संभावना है। भाजपा नेता प्रमोद जानूं ने बताया कि विधायक भांबू ने विधानसभा में क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाया और विकास कार्यों के लिए महत्वपूर्ण बजट स्वीकृत करवाया है। जिसके उपलक्ष्य में यह स्वागत समारोह रखा गया है। इसके पश्चात दोपहर दो बजे अग्रसेन सर्किल के समीप स्थित विधायक निवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी। जिसमें सभी पत्रकार एवं मीडिया प्रतिनिधियों को सादर आमंत्रित किया गया है। प्रेस वार्ता में विधायक क्षेत्र के विकास कार्यों एवं आगामी योजनाओं की जानकारी साझा करेंगे।

गौशाला में कई विकास कार्य की दी स्वीकृति

झुंझुनूं, (निसं)। सवा सौ साल पुरानी गौ सेवा को समर्पित झुंझुनूं जिले की शान श्री गोपाल गौशाला झुंझुनूं, जिसमें दिन प्रतिदिन हमेशा ही गौ सेवा को लेकर नवाचार किए जाते रहे हैं। वर्तमान गौशाला प्रबंध कमेटी के नवाचार के साथ किए जाने वाले कार्यों पर एक बार फिर से विश्वास की मुहर लगाई है। प्रवासी गौभक्तों ने, जिसमें संजय बद्री प्रसाद जालान सूरत की ओर से गौशाला में हॉस्पिटल एरिया में बीमार गौवंश को उपचार के लिए रखने के लिए 10 लाख रुपए की लागत से एक शैड का निर्माण, जिसमें गौवंश के उपचार के लिए विभिन्न प्रकार के हाइड्रोलिक उपकरण इत्यादि भी लगाए जाएंगे की स्वीकृति मिली है। इसी के साथ सीए दीनबंधु जालान मुंबई की ओर से पांच लाख रुपए की लागत से एक गौ आवास का नवीनीकरण तथा गौशाला में गौवंश को पानी की आपूर्ति के लिए उन्हीं की ओर से बोरिंग करवाए जाने की स्वीकृति भी मिली है। श्री गोपाल गौशाला अध्यक्ष प्रमोद खंडेलिया एवं मंत्री प्रदीप पाटोदिया ने उदारमन से सहयोग करने वाले दानदाता भामाशाह संजय जालान सूरत एवं सीए दीनबंधु जालान मुंबई का हार्दिक आभार जताया है।

यात्रा से हुआ विराट हिंदू सम्मेलन का आगाज

अस्पतालों का औचक निरीक्षण

झुंझुनूं, (निसं)। सीएमएचओ डॉ. छोटेलाल गुर्जर ने शुक्रवार को मंडावा क्षेत्र के चार चिकित्सा संस्थानों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सीएमएचओ डॉ. गुर्जर ने ब्लॉक ऑफिस मंडावा, सीएचसी मंडावा, पीएचसी वाहिदपुरा, सब सेंटर कमालसर पर पहुंच कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने सीएचसी मंडावा पर उचित साफ सफाई नहीं मिलने पर नाराजगी जताते हुए प्रभारी को नोटिस जारी किया। डॉ. गुर्जर ने अस्पताल में मा योजना के तहत बुक किए गए क्लेम की जानकारी लेकर कम टीआईडी पर अस्पताल की सेवाओं से संतुष्ट नहीं हुए और इसको बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने सीएचसी पर बने पालना गृह की ब्रांडिंग करवाने और रनिंग में रखने के निर्देश दिए। उन्होंने मौके पर मौजूद बीसीएमओ डॉ. संजीव डूडी को अस्पताल को सेवाओ की निरंतर मॉनिटरिंग कर बेहतर बनाने के निर्देश दिए। साथ अस्पताल में मा योजना की टीआईडी बढ़ाने, संस्थागत प्रसव बढ़ाने, लाडो योजना की पेंडेंसी खत्म करने के निर्देश दिए। सीएमएचओ पीएचसी वाहिदपूरा पर निरीक्षण के दौरान चिकित्सक के अनुपस्थित मिलने पर भी नाराजगी जाहिर करते हुए नोटिस जारी किया। साथ ही अस्पताल की व्यवस्थाओं को सुधारने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि ऋतु परिवर्तन के साथ ही वायरल और जुखाम श्वांस बुखार के मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी होती है।

ऐसे में अस्पताल में पर्याप्त दवाओं की उपलब्धता के साथ ही निर्धारित समय पर चिकित्सकीय स्टाफ की मौजूदगी जरूरी है।

काउंसलिंग सूचना

राजस्थान आयुर्वेद नर्सिंग परिषद, जयपुर द्वारा आयुर्वेद नर्स/ कम्पाउंडर (DAN&P) व B.Sc. Ayurved Nursing में प्रवेश हेतु काउंसलिंग आयोजित।

दिनांक : 20.02.2026 - (B.Sc. Nursing Ayurved)

दिनांक : 21.02.2026-(DAN&P)

समय : प्रातः 9:00 बजे से साय 5:00 बजे तक

योग्यता : 12 वीं उतीर्ण (किसी भी संकाय में)

न्यूनतम आयु : 17 वर्ष (31.12.2025 तक)

विनायक आयुर्वेद एवं पैरोमेडिकल कॉलेज सिद्धमुख, चूरु (राज.)

मो.: 9413367700,784992770

विचार्य विषयों के निर्धारण के लिए प्रतिवादी के नाम

आव्हान पत्र

(आदेश 5 नियम 1 जाब्ता दीवानी)

न्यायालय सिविल न्यायाधीश महोदय सरदारशहर जिला चूरू राजस्थान

जनसाधारण जरिये-

7. इलियास खान चायल पुत्र समसु खां चायल निवासी चायल चौक, वार्ड नं. 29 सरदारशहर जिला चूरू राजस्थान 331403 मो.नं. 9414942732
8. मनोज कुमार पारीक पुत्र रामप्रसाद पारीक निवासी गायत्री नगर, रोडवेज डिपो के पीछे, वार्ड नं. 25 सरदारशहर जिला चूरू राजस्थान 331403। मो.नं. 8005648926

..वादीगण

बनाम

13. मुख्य सचिव, राजस्थान सरकार, शासन सचिवालय, जयपुर राजस्थान।
14. जिला कलेक्टर, कार्यालय जिला कलेक्टर, चूरू।
15. पुलिस अधीक्षक, कार्यालय जिला पुलिस अधीक्षक, चूरू।
16. मुख्य प्रबन्धक RIDCOR 701-701, 7वां तल एआरजी कॉरपोरेट पार्क, गोपालबाडी, अजमेर रोड, जयपुर-302001

...प्रतिवादीगण

वाद-बाबत आज्ञादायी व्यादेश एवं चिरस्थायी व्यादेश नम्बर वाद 4/2026

क्योंकि वादीगण इलियास व अन्य ने जनसाधारण के हितों की सुरक्षार्थ एक दावा आज्ञादायी व्यादेश एवं चिरस्थायी व्यादेश हेतु दायर किया है अतः जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त दावा की प्रतिरक्षा करना चाहते है और पक्षकार बनना चाहते है तो तारीख 17 माह 2 सन् 26 ..समय..बजे दिन के व्यक्तिःश या वकील द्वारा जो कि मुकदमें हाल से परिचित किया गया है मुकदमें से सम्बन्धित समस्त महत्वपूर्ण प्रश्नों के उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा व्यक्ति जो प्रश्न का उत्तर दे सके उपस्थित होने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

ज्ञात रहे कि उपरोक्त तारीख को आप उपस्थित न हुए तो आपकी अनुपस्थिति में सुन कर निर्णय कर दिया जायेगा। यह आज तारीख 12.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

मोहर

सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट, सरदारशहर (चूरू)

राजस्थान सरकार

कार्यालय नगरपरिषद सरदारशहर (जिला चूरू)

तहसील परिसर गाँधी चौक के पास सरदारशहर-331403

क्रमांक-न.प.स./2025-26/2266-69 **लोक सूचना** दिनांक-13.02.2026

इस कार्यालय में निम्नांकित व्यक्तियों के द्वारा उल्लेखित भूमि का गैर कृषिक प्रयोजन (आवासीय प्रयोजनार्थ) के उपयोग हेतु ऐसी भूमि को अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया है जो कि निम्न है-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खातेदार/आवेदक का नाम	भूमि का स्थान	खसरा नं.	क्षेत्रफल हैक्टेयर
जिला-चूरू तहसील सरदारशहर	जीवणदेसर	रोहित पींचा पुत्र सुरेन्द्र पींचा	रोही जीवणदेसर	1088/ 904	0.8093
जिला-चूरू तहसील सरदारशहर	हरियासर घडसोतान	गोमदराम/हरजीराम	रोही हरियासर घडसोतान	507	2.0 में से 1.2129 हैक्टेयर

प्रयोजन-आवासीय प्रयोजननार्थ

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षर के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 13.01.2026 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी, नगर परिषद सरदारशहर

अभिषेक के फेल होने की संभावना ज्यादा है, क्योंकि वे काफी जोखिम भरा क्रिकेट खेलते हैं। उन्होंने भारतीय बल्लेबाज की तकनीकी क्षमता पर भी सवाल उठाए। **- मोहम्मद आमिर**

पाकिस्तानी क्रिकेटर ने अभिषेक शर्मा को स्लॉगर बताया।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **ईशान किशन**

ईशान किशन को भारत-नामीबिया मुकाबले में शानदार प्रदर्शन के लिए टीम इंडिया के इंपैक्ट प्लेयर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। गुरुवार को दिल्ली में खेले गए टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के मैच में ईशान ने सिर्फ 24 गेंदों पर 61 रन की तूफानी पारी खेली। उनकी इस पारी में 6 चौके और 5 छक्के शामिल थे। इस विस्फोटक शुरुआत की बदौलत भारत ने 200 से ज्यादा का बड़ा स्कोर खड़ा किया। पावरप्ले में भारत का तीसरा सबसे बड़ा स्कोर ईशान ने पावरप्ले के आखिरी ओवर में जेजे स्मिट के एक ओवर से 28 रन बटोरे।

क्या आप जानते हैं ?... टी-20 विश्व कप में भारत और पाकिस्तान के बीच अब तक 8 मैच खेले गए हैं. इसमें भारत ने 7 मैचों में जीत दर्ज की है जबकि पाक को सिर्फ 1 मैच में जीत मिली है।

ICC MEN'S T20 WORLD CUP

आज के मैच

पहला मैच
आयरलैंड व ओमान के बीच सुबह 11 बजे

दुसरा मैच
इंग्लैंड व स्कॉटलैंड के बीच दोपहर 3 बजे

तीसरा मैच
न्यूजीलैंड व द. अफ्रीका के बीच शाम 7 बजे

राजस्थान रॉयल्स ने रियान पराग को कप्तान नियुक्त किया

जयपुर, 13 फ़रवरी 2026: राजस्थान रॉयल्स ने आज रियान पराग को टीम का नया कप्तान घोषित किया। रियान पराग की नियुक्ति फ्रेंचाइज़ी के भीतर एक नेता के रूप में उनके विकास को दर्शाती है, साथ ही पिछले कुछ वर्षों में खिलाड़ी के रूप में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित करती है।

राजस्थान रॉयल्स खुद को सौभाग्यशाली मानता है कि टीम में कई मज़बूत नेतृत्व वाली आवाजें मौजूद हैं, जो रियान का समर्थन करने वाले खिलाड़ी नेतृत्व समूह का मुख्य हिस्सा होंगी। यह नियुक्ति आईपीएल नीलामी के बाद पिछले दो महीनों में एक सुविचारित और संरचित प्रक्रिया के बाद की गई. जिसमें खिलाड़ियों, कोचों और प्रबंधन के बीच विस्तृत चर्चा हुई, ताकि आईपीएल 2026 और आगे के लिए फ्रेंचाइज़ी की दिशा और नेतृत्व शैली पर पूर्ण सहमति सुनिश्चित की जा सके। रॉयल्स प्रणाली से निकले और फ्रेंचाइज़ी के सबसे लंबे समय से जुड़े भारतीय खिलाड़ियों में से एक रियान, आईपीएल 2019 से राजस्थान रॉयल्स के साथ हैं।

एक किशोर खिलाड़ी से लेकर ड्रेसिंग रूम के वरिष्ठ सदस्य बनने तक का सफर तय करने के बाद, अब वह उच्च स्तर के नेतृत्व अनुभव के साथ कप्तानी की भूमिका संभाल रहे हैं। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान के रूप में रियान पराग का बयान:राजस्थान रॉयल्स मेरे लिए आईपीएल में पहले दिन से ही घर जैसा रहा है। इस फ्रेंचाइज़ी ने मुझ पर भरोसा किया, मुझे निखारा और हर सीज़न बेहतर बनने के लिए प्रेरित किया। अब इस टीम की कप्तानी करना मेरे लिए बेहद खास है और यह एक ज़िम्मेदारी है जिसे मैं पूरे दिल से स्वीकार करता हूँ। मैं हमारे कोचों और लीडरशिप ग्रुप के साथ मिलकर निडर और समझदारी भरा क्रिकेट खेलने तथा अपने फैंस को गर्व महसूस कराने के लिए उत्साहित हैं।

राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच कुमार संगकारा ने कहा: रियान एक हाई-इम्पैक्ट खिलाड़ी और हमारे समूह में एक मजबूत उपस्थिति के रूप में विकसित हुए हैं। उन्होंने दबाव में संतुलन, तेज क्रिकेटिंग समझ और हमारे खेलने के तरीके की वास्तविक समझ दिखाई है। पहले से ही खिलाड़ी नेतृत्व समूह का हिस्सा होने के नाते उन्हें ड्रेसिंग रूम का सम्मान हासिल है, और हमें विश्वास है कि वह इस भूमिका में सफल होंगे।"

राजस्थान रॉयल्स के प्रमुख मालिक मनोज बडाले ने कहा : रियान उस तरह के नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करते हैं जिसे हम राजस्थान रॉयल्स में विकसित करना चाहते हैं- जो चरित्र, विकास और प्रदर्शन के आधार पर अर्जित हो। वह इस फ्रेंचाइज़ी को गहराई से समझते हैं क्योंकि उन्होंने वर्षों तक इस यात्रा को जिया है।

हमें विश्वास है कि वह स्पष्टता, साहस और जवाबदेही के साथ नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं, और हम आईपीएल 2026 में उन्हें इस भूमिका में देखने के लिए उत्साहित हैं। राजस्थान रॉयल्स आईपीएल 2026 में कुमार संगकारा के नेतृत्व में एक मजबूत कोचिंग समूह के साथ उतरेगी, जहाँ वह डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट और हेड कोच की भूमिका निभाएंगे। उनके साथ एक अनुभवी बैकरूम स्टाफ होगा जिसका उद्देश्य तैयारी और प्रदर्शन को अधिकतम करना है। इसमें विक्रम राठौर (लीड असिस्टेंट कोच), शेन बॉन्ड (फास्ट बॉलिंग कोच), ट्रेवर पेनी (असिस्टेंट कोच) और सिड लाहिरी (परफॉर्मेंस कोच) शामिल हैं।

जयपुर क्लब ने बाजी मारी

जयपुर, 13 फरवरी। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित व वन रियलिटी द्वारा प्रायोजित के एल सैनी ए डिवीजन लीग में आज खेले गए मैच में जयपुर क्लब ने यूनियन क्रिकेट क्लब को 91 रनों से हराया। प्रातः के एल सैनी स्टेडियम पर जयपुर क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए केशव डीडवानिया के 113 रन (124 गेंद, 9 चौके व 3 छक्के), हर्षित शर्मा के 77 रन नाबाद व अनिकेत श्रीवास्तव के 26 रनों से 50 ओवर में 9 विकेट पर 280 रन बनाए। यूनियन क्रिकेट क्लब के लिए आदित्य टांक ने 59 पर 4, रोहित गुर्जर ने 29 पर 2, दीपक चौधरी, अशोक स्वामी व लोकेश शर्मा ने एक - एक विकेट लिया। जवाबी पारी में यूनियन क्रिकेट क्लब ने आदित्य शर्मा के 18, देव प्रताप के 56, आरव सैनी के 41 रन, आदित्य टांक के 22 रन व लोकेश शर्मा के 15 रनो से 38.4 ओवर में 189 रन बनाकर आउट हो गई। जयपुर क्लब के लिए मोहम्मद खूबेब ने 30 पर 5, सैयद सफ़ान ने 36 पर 2 निखिल कोहली, निरंजन शर्मा व विवेक सैनी ने एक - एक विकेट लिया। दिनांक 14 फरवरी को राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब बनाम चंबल स्पोर्ट्स क्लब के मध्य मैच खेला जाएगा।

भारत-पाकिस्तान वर्ल्डकप मैच में बारिश की आशंका

15 फरवरी को कोलंबो में 24 घंटे बारिश का अनुमान, आज श्रीलंका पहुंचेगी टीम इंडिया

कोलम्बो, 13 फरवरी। भारत-पाकिस्तान वर्ल्डकप मैच का मजा बारिश बिगाड़ सकती है। टी-20 वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज में दोनों टीमें 15 फरवरी को कोलंबो में भिड़ने वाली हैं, लेकिन इस दिन शहर के 60 इलाकों में बारिश का अनुमान है। अगर ऐसा हुआ तो फैंस क्रिकेट की बड़ी राइवलरी को मिस कर देंगे। टीम इंडिया आज (13 फरवरी) रात 9.30 बजे कोलंबो पहुंच जाएगी।

वहीं पाकिस्तान टीम अपने सभी मैच कोलंबो में ही खेल रही है। टीम ने अमेरिका और नीदरलैंड को शुरुआती मुकाबले हराए। वहीं भारत ने अमेरिका और नामीबिया को हराया। 15 फरवरी को 24 घंटे बारिश 15 फरवरी को पूरे 24 घंटे बारिश का अनुमान है। सुबह 9 से दोपहर 3 बजे तक 60 से 50 तक बारिश हो सकती है। मैच के दौरान शाम 7 से रात 12 बजे तक भी 10 से 20 तक बारिश की अनुमान जताया गया है।

यूएई ने कनाडा को 5 विकेट से हराया

आर्यांश शर्मा और सोहैब खान की फिफ्टी, जुनैद सिद्दीकी को 5 विकेट

नई दिल्ली। दिल्ली में कनाडा ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। कनाडा ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 150 रन बनाए। जवाब में ने 151 रन का टारगेट 19.4 ओवर में 5 विकेट पर चेज कर लिया। अर्यांश शर्मा ने नाबाद 74 और सोहैब खान ने 51 रन बनाए। साद बिन जफर ने 3 विकेट झटके। हर्ष ठाकेर (50 रन) ने फिफ्टी लगाई। नवनीत धालीवाल ने 34 और श्रेयस मोव्वा ने 21 रन का योगदान दिया। कनाडा की ओर से जुनैद सिद्दीकी ने 5 विकेट झटके। एक विकेट मुहम्मद जवादुल्लाह को मिला।

यूएई : मुहम्मद वसीम (कप्तान), आर्यांश शर्मा, आलीशान शराफू, मयंक कुमार, शोएब खान, हर्षित कौशिक, मुहम्मद अरफान, मुहम्मद फारूक, हैदर अली, जुनैद सिद्दीकी, मुहम्मद जवादुल्लाह। ५

कनाडाः दिलप्रीत बाजवा (कप्तान), युवराज समरा, नवनीत धालीवाल, निकोलस किर्टन, हर्ष ठाकेर, साद बिन जफर, श्रेयस मोव्वा, जसकरन सिंह, दिलोन हेलीगर, कलीम सना, अंश पटेल।

यूएसए ने नीदरलैंड को टी-20 में पहली बार हराया

93 रन से जीता मैच, साईतेजा मुक्कामल्ला की फिफ्टी, हरमीत सिंह ने 4 विकेट झटके

चेन्नई, 13 फरवरी। यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका (यूएसए) ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में पहली जीत दर्ज की है। उसने ग्रुप ए के मैच में नीदरलैंड को 93 रन से हराया। अमेरिका ने नीदरलैंड को टी-20 इंटरनेशनल में पहली बार हराया है। ५

चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में शुक्रवार के तीसरे मैच में 197 रन का टारगेट चेज कर रही नीदरलैंड की टीम 15.5 ओवर में 103 रन पर ऑलआउट हो गई। हरमीत सिंह ने 4 विकेट झटके। शैडली वान शाल्कविक ने 3 और मोहम्मद मोहसिन ने 2 विकेट लिए।

इससे पहले टॉस हारकर बैटिंग कर रही अमेरिकी टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 196 रन बनाए। साईतेजा मुक्कामाला ने 79 रन बनाए। जबकि कप्तान मोनांक पटेल ने 36 रन बनाए। बास डी लीडे ने 3 विकेट झटके। लोगन वान बीक, फ्रेड क्लासन और काइल क्लीन ने एक-एक विकेट झटके।

मानिनी कौशिक ने एक और इंटरनेशनल गोल्ड मेडल जीता

जयपुर, 13 फरवरी। इस बार एशियन राइफल पिस्टल चैंपियनशिप 2026 नई दिल्ली में मानिनी कौशिक की लीडरशिप में तीनों ने 1862.9 स्कोर करके टीम कज़ाकिस्तान को 0.1 के मामूली अंतर से हराया, जिसने 1862.8 स्कोर करके सिल्वर मेडल जीता।

राजस्थान सरकार
कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर
जोधपुर 342304 राजस्थान, भारत

ई-निविदा 25/2025-26

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा Supply of All In One Computer, Desktop Computers, Laptop की खरीद के लिए ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की गईं थी उक्त निविदा में शुद्धि पत्र जारी हुआ है। विस्तृत विवरण एवं जानकारी www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।
UBN NO. : JAU2526GLOB00202 EPROC ID: 2026_AGUJD_534968_1
नियंत्रक(वित्त)
राज.संवाद/सी/25/19779 कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

AJMER VIDYUT VITRAN NIGAM LIMITED
Corporate Identification Number (CIN)- U40109RJ2000SGC016482
Regd. Off.: VidyutBhawan, Panchsheel Nagar, Makarwali Road, Ajmer- 305 004.
(TURN-KEY WORKS CIRCLE)
E-mail :- setwavvnl2022@gmail.com
No. AVVNL/SE (TW) /XEN (TW-I)/AEN (TW-II)/NIT /TN-460(Lot-1 &2)/LRC/D. 1898 Dt. 12.02.2026
NIT No/ PACKAGE No.:- AJD/SE/TW/TN-460(Lot-1&2)
UBN:-AVV2526WSRC00521
'E Bids in two parts (Techno Commercial bid and Price Bid) are invited from eligible contractors forNIT against package nos. AJD/ SE/ TW/TN-460(Lot-1&2)for awarding contract of construction of various 33/11 KV GSS and associated 33 and 11 KV line&Erection of 11 KV line on Labour Ratefor Banswara&Pratapgarh
All the details regarding tender is available at our website http://energy.rajasthan.gov.in/avvnl and www.eproc.rajathan.gov.in.Further in future corrigendum/extension, if any shall be published only at www.eproc.rajathan.gov.in
Raj.Samwad/C/25/19793 Superintending Engineer (TW)

Rajasthan Olive Cultivation Limited
State Institute of Agriculture Management Campus, Durgapura, Jaipur-302018 Contact: 0141-2554106
निविदा-सूचना
राजस्थान ऑलिव कल्टीवेशन लिमिटेड के विभिन्न जैतून फार्मो पर ट्रेक्टर व बेक हो लोडर्स (जेसीबी) संबंधित कृषि कार्य हेतु दर संविदा हेतु निविदादाताओं से निम्नानुसार प्रस्ताव कार्यालय में आंमत्रित किये गये है।

क्र. स.	कार्य का नाम	टेण्डर आईडी/ यूबीएन कमांक	निविदा की अनुमानित लागत राशि रू. लाख में	निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम दिनांक	निविदा खोलने की दिनांक
1	विभिन्न जैतून फार्मो पर ट्रेक्टर व बेक हो लोडर्स (जेसीबी) संबंधित कृषि कार्य हेतु दर संविदा कार्य।	2026_ROCL_537095_1 OCL2526WSOB00028	12.78	23.02.2026 दोपहर 03.00 बजे तक	23.02.2026 सायः 4.00 बजे

निविदा दस्तावेंजो की जानकारी https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in पर अथवा कार्यालय से ली जा सकती है।
राज.संवाद/सी/25/19786 चीफ आपरेशन आफिसर

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति, गोविन्दगढ (अलवर)
Email: kums.Govindgarh@rajasthan.gov.in
क्रमांक :- 20453453 दिनांकः-10.02.2026
Notice Inviting Bid (NIB 07 /2025-26)
Single stage, two-envelopes unconditional e-bids are invited from manufacturers/direct importers/Authorized Dealer on behalf of the Krishi Upaj Mandi Samiti Govindgarh for the procurement of Oil Testing Machine /NIR Grain Analyser. Details may be seen in the Bidding Document at the office of the Krishi Upaj Mandi Samiti, Govindgarh or State Public Procurement Portal website https://sppp.rajasthan.gov.in. or on departmental website https://agriculture.rajasthan.gov.in/dam or https://eproc.rajasthan.gov.in. The bidding document may be downloaded from either of the above websites and uploaded duly filled in with payment of Rs. 1180/- through banker's cheque/demand draft in favour of Secretary, Krishi Upaj Mandi Samiti, Govindgarh payable at Govindgarh, Details of bid are following:-

S. NO.	Bid Title	Estimated Cost (In Lakhs)	UBN No.
1	Supply and Installation of Oil Testing Machine-NIR/Grain Analyser	15.00	DAM2526GLOB01197

Raj.Samwad/C/25/19796 Secretary

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान
No.:F-2(01)Acct/Contract/2025-26/268-270 Date: 09-02-2026
ई-निविदा सूचना संख्या : 80/2025-26
उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा कार्यो की कुल लागत	:	रूपये 200.58 लाख (01 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/ अपलोड करने की अवधि	:	10-02-2026 को प्रातः 10.00 बजे से 09-03-2026 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	:	10-02-2026 को प्रातः 10.00 बजे से 09-03-2026 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	:	10-03-2026 को प्रातः 11.00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
UBN : ITU2526WSOB00449
अधिशाषी अभियन्ता-चतुर्थ
राज.संवाद/सी/25/19800 उदयपुर विकास प्राधिकरण

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
कॉरपोरेट आइडेन्टीफिकेशन नम्बर (सीन)-यू40109आरजे2000एसजीसी016483
पंजीकृत कार्यालय : न्यू पॉवर हाउस,जोधपुर-342003
फोन न. :0291-2742264
ईमेल :-seciviljdvvnl@gmail.com वेबसाईट :-http://energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl
ई-निविदा सख्या 25/2025-26
केन्द्र/राज्य सरकार के विभागों में 'ए' व 'एए' श्रेणी तथा जो.वि.वि.नि.लि. के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत, अनुभवी, वस्तु एवं सेवाकर (GST) विभाग से पंजीकृत निविदाकारों से अधिशाषी अभियन्ता {सिविल} जोधपुर डिस्कॉम, जोधपुर 9413359193/बाड़मेर; 9413359455 / बीकानेर; 9413359744 के अधीन विभिन्न सिविल निर्माण कार्यो के लिए ई-प्रोक्यरमेंट प्रक्रिया से ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण, अनुमानित लागत, निविदा शुल्क, प्रकिया शुल्क, अमानत राशि, निविदा खोलने की तिथि व सामान्य अनुबन्ध की शर्ते आदि समस्त विवरण, वेबसाईट http://energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl एवं http://sppp.raj.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। भविष्य में संशोधन/अवधि विस्तार, यदि कोई हो तो, उसकी सूचना http://energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl एवं http://sppp.raj.gov.in.co http://eproc.rajasthan.gov.in पर प्रकाशित की जावेगी।
UBN NO.

JVV2526WSO0B00889	JVV2526WSO0B00890	JVV2526WSO0B00891	JVV2526WSO0B00892
JVV2526WSO0B00896	JVV2526WSO0B00897	JVV2526WSO0B00893	JVV2526WSO0B00894
JVV2526WSO0B00895	JVV2526WSO0B00884	JVV2526WSO0B00885	JVV2526WSO0B00883

अधीक्षण अभियन्ता {सिविल}
राज.संवाद/सी/25/19801 बिजली शिकायतों के लिए टोल फी नम्बर- 1800-180-6045

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड
CIN:- U40102RJ2000SGCO16484 (राजस्थान सरकार का उपक्रम)
छबड़ा सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर स्टेशन, छबड़ा (राज.)
ऑनलाइन/ऑफलाइन निविदा सूचना
निम्नलिखित कार्य/वार्शिक अनुबन्ध/सामग्री की आपूर्ति हेतु निविदाऐं आमंत्रित की जाती है:-65(RVU2526WSOB02291) सीटी बेसिन की सफाई सहित नेचुरल ड्राफ्ट कूलिंग टॉवर के पूर्ण ओवरहॉलिंग, 66(RVU2526WSRC02287) ऐश हैंडलिंग प्लांट, डीएम प्लांट और सीडब्ल्यू/एसीडब्ल्यू प्लांट मे स्थापित विभिन्न घटकों की मरम्मत/सुधार, 67(RVU2526WSOB02282) जंगल की सफाई, समतलीकरण, भूमि सुधार, कचरा संग्रहण एवं निपटान, 68(RVU2526WSOB02286) ड्राइव पिनियन और प्लेनेटरी गियर बॉक्स की मरम्मत, 69(RVU2526WSOB02280) प्रोपर्टी वॉल की दैनिक मरम्मत व रखरखाव, 70(RVU2526WSOB02294) अंडरवॉटर इंस्पेक्शन, विडीयोग्राफी, स्टॉप लॉग गेट्स के रिमूवल और फिक्सिंग एवं माइनर रिपेयर, 71(RVU2526SLOB02278) कंप्यूटर कार्यो के लिए उच्च कुशल व्यक्ति और प्रिंटर स्कैनर के साथ कंप्यूटर उपलब्ध कराना, 72(RVU2526SLOB02289) पीटीपी, डीएम, सीडब्ल्यू (रासायनिक उपचार) सीपीयू के रासायनिक संचालन और एसटीपी एंव ईटीपी की निगरानी, पीटीपी, डीएम, सीपीयू और सभी प्रक्रिया रसायनों की आपूर्ति के साथ-साथ रॉ वाटर साइट के एसडब्ल्यूएएस और सी एंड आई विश्लेशक के रखरखाव और निगरानी, 73(RVU2526WSOB02295) स्टोर सामग्री को संभालना, 655(RVU2526GLOB02288) 500 Amp के आउटडोर टाइप एलटी पैनल और 500 KVA के कॉम्पैक्ट सबस्टेशन की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग, 660(RVU2526GLOB02283) कोयला पल्वराइजर (टाईप MVM 32R) के लिए स्पेयर्स, 661(RVU2526GLOB02285) सील्स एवं 663(RVU2526GLOB02279) उच्च वेग और मध्यम वेग वाले स्प्रे नोजल और स्प्रे सिस्टम के क्यू बी डी की आपूर्ति। विस्तृत विवरण वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in (ई-निविदा हेतु), www.energy.rajasthan.gov.in/rvunl एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।
राज.संवाद/सी/25/19753 RVUN/PR-4345 अति. मुख्य अभियन्ता (ओ.एण्ड.एम.)

कुशाग्र ओझा को प्रोटोज़ स्पॉन्सरशिप'

जयपुर, 13 फरवरी। जालंधर स्थित एफ सी सोंधी एंड कंपनी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के फेमस क्रिकेटिंग ब्रांड "प्रोटोज़" जोकि क्रिकेट इक्विपमेंट मैन्युफ़ैक्चरिंग में चर्चित नाम है ने राजस्थान के अण्डर-19 कप्तान कुशाग्र ओझा के साथ इक्विपमेंट स्पॉन्सरशिप एग्रीमेंट साइन किया है। अब कुशाग्र ओझा प्रोटोज ब्रांड के क्रिकेटिंग इक्वीपमेंट के साथ खेलते हूए नज़र आयेंगे। इस तरह कुशाग्र ऐसे पहले खिलाड़ी है जिन्हें अंडर 19 के पहले ही साल में अपने अच्छे प्रदर्शन का इनाम मिला है।

फीफा फुटबॉल फार स्कूल कार्यक्रम

रामगंजमंडी, (निसं)। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय खैराबाद में 13 फरवरी शुक्रवार को शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा विद्यालय को प्रदान की गई फुटबॉल वितरण योजनान्तर्गत फीफा फुटबॉल फार स्कूल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि कृति मौल्होत्रा, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, खैराबाद एवं विशिष्ट अतिथि सुरेश कुमार, के आर पी दयाल सिंह, शारीरिक शिक्षक ढाकिया, बलतेज सिंह, शारीरिक शिक्षक लक्ष्मीपुरा रहे। कार्यक्रम में सर्वप्रथम विद्यालय के प्राचार्य रामकेश मीणा ने मुख्य अतिथि को पुष्प गुच्छ एवं शाल भेंट करते हुए स्वागत किया गया। इसके उपरांत मुख्य अतिथि ने माँ सरस्वती की प्रतिमा को माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय में शिक्षा मंत्रालय से आई फीफा फुटबॉल वितरण कार्यक्रम में खैराबाद ब्लॉक के करीब 48 विद्यालयों ने हिस्सा लिया गया। जिनको फुटबॉल भी वितरित करते हुए जवाहर नवोदय विद्यालय खैराबाद एवं मंगलम विद्या विहार मोड़क के छात्रों के बीच फुटबॉल मैच का भी आयोजन किया गया।

आज ईटन कॉलेज और मेयो कॉलेज के बीच होगा टेस्ट मैच

रविवार को कैरेसिल सुहाना और जयपुर अरावली के बीच फाइनल टक्कर

जयपुर, 13 फरवरी।जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत रैफल्स सिरमौर कप (14 गोल्स) टूर्नामेंट के लिए चार टीमों के बीच सेमीफाइनल मुकाबले खेले गए। पहला मैच टीम कैरेसिल सुहाना और टीम जिंदल पोलो के बीच पीपीसी ग्राउंड पर खेला गया। वहीं, दूसरा मुकाबला टीम जयपुर अरावली और टीम विमल एरियन अचीवर्स के बीच आरपीसी ग्राउंड पर आयोजित हुआ। इस कप का फाइनल मुकाबला 15 फरवरी, रविवार को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर दोपहर 3.30 बजे आयोजित होगा।

टीम कैरेसिल सुहाना और टीम जिंदल पोलो के बीच टक्कर : इस मुकाबले में टीम कैरेसिल सुहाना 11-10 के स्कोर से जिंदल पोलो को हराकर विजेता बनी। विजेता टीम से माटियास वायल ने 5 गोल और कुलदीप सिंह राठौड़ ने 3 गोल हासिल किए। वहीं, मैनुअल प्राडो ने 3 गोल किए। टीम से अशोक चांदना भी खेले। दूसरी ओर, टीम जिंदल पोलो से मैक्स चार्ल्टन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 गोल किए। सिद्धांत शर्मा और सिमरन शेरगिल ने 2-2 गोल किए। टीम में वैंकटेश जिंदल भा शामिल रहे।

टीम जयपुर अरावली और विमल एरियन अचीवर्स का मुकाबला : दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में टीम जयपुर अरावली विजेता बनी। टीम ने विमल एरियन अचीवर्स को 10-9 के स्कोर से पराजित किया। विजेता टीम जयपुर अरावली की ओर से लांस वॉटसन ने 5 गोल और मैनुअल फर्नांडीज लोरेंटे ने 4 गोल किए। टीम के लिए हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने 1 गोल किया। प्रताप सिंह कानोता भी टीम में शामिल थे। इसी प्रकार, टीम विमल एरियन अचीवर्स से ध्रुवपाल गोदारा ने 4 गोल, अलेजो अरामबुरु ने 3 गोल और सलीम आजमी ने 2 गोल किए। टीम से डेनियल ओटामेंडी भी खेले।

ईटन कॉलेज वर्सेज मेयो कॉलेज : शनिवार, 14 फरवरी को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर दोपहर 3.30 बजे ईटन कॉलेज और मेयो कॉलेज के बीच एक टेस्ट मैच का आयोजन होगा।

ओएसिस शूटिंग रेंज जगतपुरा जयपुर पर साईड बाई साईड किशनगढ ट्रॉफी

जयपुर की ओएसिस शूटिंग रेंज जगतपुरा जयपुर पर कल मुख्य कार्यकमो का आयोजन किया जा रहा है। सुबह 10 बजे से 2.00 बजे तक साईड बई साईड चौथी किशनगढ ट्रॉफी 2026 मैच का आयोजन किया जावेगा, जिसमें विनटेज बन्दूको से उक्त प्रतियोगिता का आयोजन होगा जिसमें सभी वर्ग के खिलाडी भाग लेगे। यह प्रतियोगिता किशनगढ हीजाईनेश व राजस्थान राईफल एसोसिएशन के तत्वाधीन में आयोजित होगी। प्रथम स्थान पर रहे खिलाडी को राशि 15000/- रूपये द्वितीय स्थान पर रहे खिलाडी को 10000/- रूपये तथा तृतीय स्थान पर रहे खिलाडी को 7500/- रूपये नकद राशि ईनाम स्वरूप प्रदत्त की जावेगी। 68वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशीप प्रतियोगिता की पदक तालिका में राजस्थान प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसी उपलक्ष्य में राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय पदक विजेता 2025 के खिलाडियो का शाम 4 बजे ओएसिस शूटिंग रेज जगतपुरा पर हाईटी एव मिलन समारोह आयोजित किया जा रहा है।

भजनलाल सरकार के आने के बाद निर्यात में निरंतर वृद्धि हुई

''कॉन्क्लेव ऑन स्पाइसेज़'' के आयोजन से मसाला उत्पादन व निर्यात को बढ़ावा मिलेगा

जयपुर, 13 फरवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान के निर्यात सेक्टर का निरंतर विकास हो रहा है तथा कुल निर्यात में भी वृद्धि हुई है। डीजीसीआई, भारत सरकार द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में ही राजस्थान से 50 हजार 900 करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात हुआ है। राज्य से वर्ष 2024-25 में कुल 97 हजार 171 करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात हुआ, जो वर्ष 2023-24 के कुल निर्यात 83 हजार 704 करोड़ रुपये की तुलना में 13 हजार 467 करोड़ रुपये अधिक है। राजस्थान की पांच प्रमुख निर्यातक वस्तुओं में इंजीनियरिंग वस्तुएं, रत्न एवं आभूषण, धातु, वस्त्र तथा हस्तशिल्प प्रमुख है, जिनका राज्य के निर्यात में 67 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

आर्थिक समीक्षा 2025-26 के आंकड़ों के अनुसार, राजस्थान से कपड़ा निर्यात वर्ष 2024-25 में 9 हजार 700 करोड़ रुपये से अधिक रहा, जबकि वर्ष 2023-24 में यह आंकड़ा 8 हजार 819 करोड़ रुपये था। वहीं, रत्न एवं आभूषण सेक्टर का वर्ष 2024-25 में 17 हजार 567 करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात था। यह आंकड़ा वर्ष 2023-24 में 11 हजार 183 करोड़ रुपये रहा। अभियांत्रिकी सेक्टर से वर्ष 2024-25 में 19 हजार 849 करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात किया गया। बजट 2026-27 में प्रदेश में मसाला उत्पादन तथा निर्यात को बढ़ावा देने की दृष्टि से आगामी वर्ष राष्ट्रीय स्तर के 'कॉन्क्लेव ऑन स्पाइसेज' का आयोजन किया जाएगा।

- **राजस्थान से मुख्यतया इंजीनियरिंग वस्तुओं, रत्न व आभूषण, धातु, वस्त्र व हस्तशिल्प वस्तुओं का निर्यात होता है। इन सभी श्रेणियों में मुख्यमंत्री भजनलाल की सरकार आने के बाद उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।**

हरदीप पुरी पर शिकंजा कस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहे इन्टरव्यू की श्रृंखला का मजाक उड़ाया। उन्होंने खास तौर पर पुरी के उस दावे का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि एक समय पर उन्हें पता ही नहीं था कि वे कहां जा रहे हैं और वे यह भी नहीं जानते थे कि एप्स्टीन अपराधी है। खेड़ा ने इस बात को बहुत बचकाना बताया।

पवन खेड़ा ने पुरी द्वारा कही गई इस बात का लेकर भी उन पर मला बोला कि उन्हें इस बात का अफसोस है कि उन्होंने उन गतिविधियों में हिस्सा नहीं लिया और सिर्फ एप्स्टीन से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि पूरे देश को बच्चों और महिलाओं के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए यह सवाल उठाना चाहिए कि जो मंत्री बार-बार बच्चों का शिकार करने वाले यौन अपराधी से मिलता रहा, वह अब भी पद पर कैसे बना हुआ है।

कांग्रेस प्रवक्ता ने पूछा कि पुरी 2014 से 2016 के बीच अमेरिका में किस हैसियत से और किसके निर्देश पर एप्स्टीन से मिल रहे थे। उन्होंने बताया कि उस समय पुरी केवल सेवानिवृत्त विदेश सेवा अधिकारी थे और उनके पास कोई आधिकारिक पद नहीं था। उन्होंने यह भी कहा कि उसी समय अमेरिका में तीन भारतीय राजदूत तैनात थे, लेकिन उनमें से कोई भी एप्स्टीन से नहीं मिला। उन्होंने सवाल किया कि पुरी किसके आदेश पर यह काम कर रहे थे।

खेड़ा ने आरोप लगाया कि एप्स्टीन देश की विदेश नीति को भी प्रभावित कर रहा था। उन्होंने एप्स्टीन के एक ईमेल का जिक्र किया, जिसमें उसने मध्य पूर्व में हो रही घटनाओं पर नाराजगी जताई थी और कहा था कि इस विषय पर उसकी (एप्स्टीन की) ''पक्की राय'' है।

- **कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा, पुरी बार-बार झूठ बोल रहे हैं कि उन्होंने कभी भी एप्स्टीन से मुलाकात का टाइम नहीं मांगा, जब कि एक ई-मेल में उन्होंने खुद एप्स्टीन से समय मांगा था।**

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि यह ईमेल उस समय का हो सकता है, जब फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास भारत आए थे, जिससे एप्स्टीन नाराज़ हो गया था। उन्होंने सवाल किया कि क्या इसी नाराज़गी के कारण बाद में प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी गलती सुधारने के लिए इज़राइल का दौरा किया था?

खेड़ा ने कहा, इससे लगता है कि हमारी विदेश नीति प्रधानमंत्री या विदेश मंत्री नहीं चला रहे थे और न ही ''जेम्स बॉन्ड डोभाल'', बल्कि अमेरिका में बैठा एक यौन अपराधी इसे चला रहा था।'' उन्होंने बताया कि उस समय सुषमा स्वराज विदेश मंत्री थीं, लेकिन उनका नाम एप्स्टीन की फाइलों में कहीं नहीं था।

उन रिपोर्टों का जिक्र करते हुए कि पुरी ने एप्स्टीन से ''डिजिटल इंडिया'' परियोजना पर चर्चा की थी, कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि यह चर्चा उस समय हुई, जब देश के लोगों को इस योजना के बारे में जानकारी भी नहीं थी। उन्होंने पूछा कि आधिकारिक घोषणा से पहले पुरी ने किस अधिकार से एप्स्टीन से डिजिटल इंडिया पर बातचीत की।

कांग्रेस प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि पुरी ने अपने इंटरव्यू और प्रेस कॉन्फ्रेंस में बार-बार झूठ बोला है। उन्होंने पुरी के इस दावे का जिक्र किया कि उन्होंने कभी एप्स्टीन से मिलने का समय नहीं मांगा। उन्होंने उन ईमेल का हवाला दिया, जिनमें पुरी बार-बार यह पूछते नज़र आ रहे हैं, जैफ, अगर आप शहर में हों तो क्या मैं आपसे मिल सकता हूं?''

खेड़ा ने कहा कि एप्स्टीन से जुड़े दस्तावेजों में बहुत कुछ छिपा हुआ है, जिससे मोदी डरे हुए हैं।

उन्होंने कहा, पहले भाजपा का नारा ''घर-घर मोदी'' था और अब यह डर के मारे ''थर-थर मोदी'' बन गया है। उन्होंने कहा कि विदेश नीति, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते और ऑपरेशन सिंदूर को जिस तरीके से हैंडल किया गया, उसे लेकर मोदी के चेहरे और आंखों में डर साफ दिखाई दे रहा है।

कांग्रेस प्रवक्ता ने भरोसा जताया कि समय आने पर सारी सच्चाई सामने आ जाएगी। उन्होंने कहा, ''सच्चाई सामने आने का अपना तरीका होता है और वह सामने आएगी।''

सूत्रों का कहना है कि यह तो सिर्फ शुरुआत है। आगे कई और खुलासे हो सकते हैं और इससे प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार के लोगों के लिए बड़ी मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं।

बांग्लादेश के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बांग्लादेश के चुनाव आयोग ने नतीजों की घोषणा टाल दी है।

बीबीसी बांग्ला के अनुसार, चटगांव-2 से सरवर आलमगीर और चटगांव-4 से असलम चौधरी, दो बीएनपी उम्मीदवार, जिन्होंने अनौपचारिक रूप से जीत दर्ज की है, को ऋण मामले में अदालत में उनकी अपील का निपटारा होने तक विजेता घोषित नहीं किया जाएगा।

तीन दशकों में पहली बार अवामी लीग का चुनाव चिन्ह ''नाव'' मतपत्रों पर मौजूद नहीं था। 2024 के प्रदर्शनों के बाद, मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने अवामी लीग की सभी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया था और इसके बाद, चुनाव आयोग ने उसका रजिस्ट्रेशन भी निलंबित कर दिया था। हसीना, जो सत्ता से हटाए जाने के बाद से दिल्ली में हैं, ने इन चुनावों को ''अवैध'' बताया।

प्र.मंत्री मोदी पर ट्रंप की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आप इसे किसी और तरह से लें। मैं उनका राजनीतिक करियर नष्ट नहीं करना चाहता, लेकिन आपको समझना होगा कि मैं वर्षों से भारत को देख रहा हूं। मेरा मित्र अब वहाँ लंबे समय से है।

रूस के साथ व्यापार और द्विपक्षीय संबंधों पर आगे बोलते हुए जायसवाल ने कहा, ''रूस और भारत के बीच व्यापार से लेकर लोगों के बीच सांस्कृतिक संपर्क, रक्षा सहयोग और अन्य सभी क्षेत्रों में निरंतर संवाद और सहयोग जारी है। हमारे द्विपक्षीय संबंधों के ये सभी पहलू आगे भी बढ़ते रहेंगे।''

इस बीच, यू.एस. फैक्टशीट (तथ्यपत्र) पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे पर संयुक्त राज्य अमेरिका की फैक्टशीट में हाल ही में किए गए संशोधन इस विषय पर दोनों देशों के बीच ''साझा समझ'' को दर्शाते हैं।

डील पर वाइट हाउस फैक्टशीट में किए गए बदलावों के बारे में पूछे जाने पर जायसवाल ने कहा कि अंतरिम समझौते के ढांचे पर जारी संयुक्त वक्तव्य ही दोनों पक्षों के बीच आपसी समझ का आधार बना हुआ है।

उन्होंने कहा, ''जैसा कि आप जानते हैं, परस्पर और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार पर अंतरिम समझौते के ढांचे के संबंध में भारत-अमेरिका संयुक्त वक्तव्य 7 फरवरी 2026 को जारी किया गया था। यह संयुक्त वक्तव्य ही ढांचा है और इसी पर हमारी आपसी समझ आधारित है। अब दोनों पक्ष इस ढांचे को लागू करने और अंतरिम समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में कार्य करेंगे।''

उन्होंने आगे कहा, अमेरिकी फैक्टशीट में किए गए संशोधन संयुक्त वक्तव्य में निहित पारस्परिक समझ को दर्शाते हैं।

यह स्पष्टीकरण उन खबरों के बीच आया है, जिनमें अमेरिकी दस्तावेज़ में किए गए उन संशोधनों को उजागर किया गया था, जो पहले भारतीय पक्ष द्वारा जारी बयान से भिन्न बताए जा रहे थे।

जीत मिलते ही ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शेख हसीना अब भारत के लिए पहले जैसी रणनीतिक संपत्ति (असैट) नहीं रहीं और अतीत का बोझ अधिक लगती हैं, फिर भी उन्हें सौंप देना भारत की छवि को आघात पहुंचा सकता है, क्योंकि माना जाता है कि वह संकट की घड़ी में अंतिम विश्वसनीय शरणस्थली है। इसके अलावा, यदि भारत इस मांग को मान लेता है तो इससे बांग्लादेश की कूटनीतिक स्थिति भी कई गुना मजबूत हो सकती है। भारत के लिए यह जोखिम उठाना आसान नहीं होगा। नई सरकार ने जल संसाधनों के पुराने मुद्दे को भी फिर से उठाया है। बाँग्लादेश के संभावित विदेश मंत्री ने तीस्ता और पद्मा नदियों के जल में ''न्यायोचित हिस्सेदारी'' का दावा किया है। नदी जल बंटवारा दोनों देशों के बीच लंबे समय से विवाद का विषय रहा है, हालांकि बरसात के मौसम में बाढ़ दोनों ओर समस्या पैदा करती है। नई नेतृत्व टीम ने भारत के सीमा सुरक्षा बल द्वारा कथित रूप से बांग्लादेशी नागरिकों की हत्या के मुद्दे को भी जोर-शोर से उठाया है। दोनों देशों ने पहले भी एक- दूसरे पर ऐसे आरोप लगाए हैं। भारत ने भी सीमा पर भारतीय नागरिकों पर हमलों की शिकायत की है, यहां तक कि भारतीय क्षेत्र में हमलों के आरोप भी लगाये हैं। संक्षेप में, बीएनपी के नए नेता उसी स्वर में बोलते दिखाई दे रहे हैं, जो अक्सर एक छोटे पड़ोसी देश के नेतृत्व से सुनाई देता है, आपसी सम्मान और समानता पर आधारित संबंधों की मांग। उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि दोनों देशों को बराबरी के आधार पर संवाद करना चाहिए।

कांग्रेस तेलंगाना की 64 नगरपालिकाओं में जीत के करीब

हैदराबाद, 13 फ़रवरी। तेलंगाना नगर निगम चुनाव में 116 नगर पालिकाओं के 2,582 वार्डों के नतीजे आ गए हैं। इनमें से सबसे ज्यादा कांग्रेस ने 1347 वार्ड और 64 नगर पालिकाओं पर जीत दर्ज की। वहीं, भारतीय राष्ट्र समिति ने 717 वार्ड और 13 नगर पालिकाओं पर जीत हासिल की, जबकि भारतीय जनता पार्टी ने 261 वार्ड और निर्दलीयों ने 256 वार्ड जीते। इसी तरह 38 नगर पालिकाओं में किसी भी पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिलने से त्रिशंकु चुनाव हुआ। हालांकि अभी आधिकारिक नतीजे नहीं आये हैं।

जिलेवार नतीजों के अनुसार ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक ने महबूबनगर जिले की वड्डेपल्ली नगर पालिका जीती। जगित्याल में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जीवन रेड्डी के समर्थकों ने निर्दलीय के तौर पर चुनाव लड़ा और ज़्यादातर सीटें जीतीं। नारायणपेट जिले की मकतल नगर पालिका का 6वां वार्ड (एसटी) के लिए आरक्षित किया गया है। यहां भाजपा उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने वाले एरुकला महादेवप्पा ने आत्महत्या कर ली थी। इस वजह से वहां मतदान नहीं हुआ। राज्य चुनाव आयोग दो दिन में इस पर फैसला लेगा। मकतल नगपालिका के कुल 16 वार्ड में से कांग्रेस ने 12 और भाजपा ने 3 सीटें जीतीं।

- **भारतीय राष्ट्र समिति 13 नगर पालिकाएं जीतती लग रही है व 38 में किसी को बहुमत नहीं मिला**

हाथियों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अंदर घुसकर लोगों को कुचला।

घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। इस क्षेत्र में हाथियों का झुंड एक माह पहले से विचरण कर रहा था। इसे लेकर वन विभाग लोगों को समय-समय पर अलर्ट भी कर रहा था।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600